

# वार्षिक प्रतिवेदन



2018-19



भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता



106<sup>th</sup>

# INDIAN SCIENCE CONGRESS

3rd-7th January, 2019

Theme - "Future India: Science & Technology"



(बाएँ से दाएँ) पहली पंक्ति: श्रीमति आर. मित्तल (एलएस), प्रो. पी. पी. माथुर (जीएस, एसए), प्रो. आर. के. वर्मा (कोषाध्यक्ष), प्रो. डी. एन. राव, डॉ. ए. के. सक्सेना, श्री. ए. मित्तल (कुलाधिपति), श्री बी. पी. सिंह बदनोर (राज्यपाल), श्री नरेंद्र मोदी (प्रधानमंत्री), डॉ. हर्षवर्धन (एस. एंड टी के मंत्री), श्री एस. एस. अरोरा (एम ओ एस), डॉ. एम. के. चक्रवर्ती (महाध्यक्ष), प्रो. डी. के. सिन्हा, प्रो. के. के. एस. राण्णा (महाध्यक्ष निर्वाचित), प्रो. गंगाधर (जी एस, एस ए) डॉ. एम गुलाटी (एलएस)

(बाएँ से दाएँ) द्वितीय पंक्ति: डॉ. ए. शर्मा (डी. एस. टी. सचिव) प्रो. एस. पी. त्रिवेदी, डॉ. एम. जी. रघुनाथन, प्रो. एस. पी. सिंह, प्रो. एच. पी. तिवारी, प्रो. एना पथा, डॉ. एस. के. जैन, डॉ. एस. रामकृष्ण, डॉ. ए. के. जैन, डॉ. (श्रीमती) व्ही. एल. सक्सेना, प्रो. एम. बी. नायडु, प्रो. एम. व्ही. कश्मीर राजा, प्रो. बी. पी. चटर्जी, प्रो. ए. बनर्जी, डॉ. एन. बी. बासु, डॉ. (श्रीमती) एन. चक्रवर्ती, डॉ. सी. ए. वासुकी, प्रो. बी. रेड्ड्या नाइक, प्रो. सी. मृथाजचेलवन

(बाएँ से दाएँ) तृतीय पंक्ति: डॉ. ए. के. पाण्डेय (सहायक कार्यकारी सचिव), डॉ. एस. रक्षित, प्रो. के. के. शर्मा, डॉ. एस. जे. के. सिंह, प्रो. जे. पी. श्रीवास्तव, डॉ. स्वामी वेदजननंद, डॉ. आई. टी. भट्ट, डॉ. आर. रघुनाथराव देशमुख, प्रो. के. बायरणा, प्रो. एन. बैरागी, प्रो. पी. सी. धारा, डॉ. सी. के. पांडा, प्रो. (डॉ.) व्ही. जे. कुलारी, प्रो. (श्रीमती) एस. लावनिया, डॉ. ए. के. दे (कार्यकारी सचिव)

# वार्षिक प्रतिवेदन 2018-2019



(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक व्यावसायिक संस्था,  
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार)  
14 डॉ. बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता – 700 017, भारत



## विषय वस्तु

प्रस्तावना	पृष्ठ संख्या
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की रूपरेखा	1-2
106 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस का सत्र, जलंधर	7
उद्घाटन	7
बाल विज्ञान कांग्रेस	7
महिला विज्ञान कांग्रेस	8
विज्ञान संचारक सम्मेलन (SCM)	9
विज्ञान प्रदर्शनी: भारत एक्सपो की शान – 106 वाँ आइएसी	10
समापन सत्र	10
तकनीकी सत्र	12
अनुभागों में कार्यकलाप	16
ISCA अक्षयनिधि पुरस्कार/ व्याख्यान	16
मुख्य सिफारिशें	18
अन्य कार्यकलाप	
<b>ISCA शाखाएँ</b>	<b>25-33</b>
हिन्दी कार्यक्रम समारोह	34
प्रकाशनें	34
<b>अन्य विषयक्रम</b>	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की बैठके	34
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का अन्य संस्थाओं में प्रतिनिधित्व	34
सदस्यता	36
संगठनात्मक आकृति	36

	पृष्ठ संख्या
<b>अभिस्वीकृति</b>	38
<b>अनुबंध – I</b>	
106 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अध्यक्षों के वक्तव्य का शीर्षक	43
<b>अनुबंध – II</b>	
106 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र के प्लेटिनम जयंती व्याख्यान	45
<b>अनुबंध – III</b>	
106 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागों द्वारा आयोजित विशिष्ट विषयों से संबंधित परिसंवाद के शीर्षक	47
<b>अनुबंध – IV</b>	
वर्ष 2018-19 के लिए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सूची	49
<b>अनुबंध – V</b>	
वर्ष 2018-19 के दौरान सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तोता का पुरस्कार पाने वालों की सूची	52
<b>अनुबंध – VI</b>	
इनफोसिस फ़ाउंडेशन की सूची 2018-19 के लिए ISCA यात्रा पुरस्कार प्राप्तकर्ता	55
<b>परिशिष्ट – I</b>	
वर्ष 2018-19 के लिए परिषद के सदस्य	56
<b>परिशिष्ट – II</b>	
वर्ष 2019-20 के लिए परिषद के सदस्य	58
<b>परिशिष्ट – III</b>	
कार्मिक	60
<b>परिशिष्ट – IV</b>	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष	61
<b>परिशिष्ट – V</b>	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव	69
<b>परिशिष्ट – VI</b>	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के कोषाध्यक्ष	70
<b>लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं लेखे</b>	71-105

## प्रस्तावना

31 मार्च, 2019 ने भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के 106 वें वर्ष के समापन को चिन्हित किया। 3-7 जनवरी, 2019 से जलंधर में 106 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस फागवाड़ा में लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के अनुपालन के तहत आयोजित की गई थी। श्री नरेन्द्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने श्री व्ही. पी. सिंह बदनौर, पंजाब के माननीय राज्यपाल, डॉ० हर्षवर्धन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, पर्यावरण मंत्रालय, वन और जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, श्री व्ही. सांपला, भारत में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री और श्री एस. एस. अरोरा, मंत्री, उद्योग और वाणिज्य के उपस्थिति में उद्घाटन किया। डॉ० अशोक मित्तल, माननीय कुलपति, लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जलंधर ने सदस्यों का स्वागत किया। डॉ० मनोज कुमार चक्रवर्ती, ISCA के महाध्यक्ष ने अपना भाषण फोकल थीम “भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर दिया। उद्घाटन समारोह में पूरे देश के शोध विद्वानों और वैज्ञानिकों सहित आमंत्रित हुए।

3 नोबेल पुरस्कार विजेता, संघ और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और देश और विदेशों के वैज्ञानिकों ने उद्घाटन समारोह में भी भाग लिया। पिछले परम्परा के बाद प्लैटिनम जयंती व्याख्यान के अलावा 14 खंडों में विभिन्न दिलचस्प विषयों पर संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें पूरे कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक गठित हुआ। विभिन्न वर्गों में आयोजित व्याख्यान और पेपर प्रस्तुतिकरण (पोस्टर) मौखिक के माध्यम से) अत्यधिक सराहना की गई थी।

राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन (बाल विज्ञान कांग्रेस) 4-6 जनवरी, 2019 में NCSTC, DST, नई दिल्ली की सहायता से आयोजित की गई जहाँ परियोजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण की राष्ट्रीय परिषद और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए पंजाब राज्य परिषद द्वारा प्रदर्शित किए गए। इंफोसिस, ISCA यात्रा पुरस्कार स्कूल के बच्चों को प्रस्तुत किया गया था। पड़ोस और स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों की एक बड़ी संख्या ने दौरा किया और बाल विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।

इसके अलावा 12वीं राष्ट्रीय विज्ञान संचारक सम्मेलन (विज्ञान संचारक सम्मेलन) का आयोजन NCSTC, DST, नई दिल्ली से समर्थन के साथ किया गया था और जहाँ ISCA के विभिन्न शाखाओं से चुने गए विज्ञान संचारकों ने भाग लिया था।

KIRAN, डी एस टी, नई दिल्ली से समर्थन के साथ “भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” ने विषय पर 8वीं महिला विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया। जहाँ पूरे देश के महिला वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

106 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस की घटना के अंत में चिन्हित समापन चित्र 7 जनवरी, 2019 को हुआ। समारोह के लिए गणमान्य व्यक्ति श्री अशोक मित्तल, लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो० के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष, ISCA थे। इस समारोह में, युवा वैज्ञानिक अवरदौर उत्कृष्ट पोस्टर अवार्ड भी प्रस्तुत किए गए। श्रीमती रश्मि मित्तल, प्रतिकुलाधिपति, LPU, प्रो० गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA, और प्रो० पी. पी. माथुर,

महासचिव (वैज्ञानिक कार्य) और डॉ० अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव, ISCA भी मौजूद थे। डॉ० मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, ISCA ने महाध्यक्षीय भाषण दिया। अंत में, विज्ञान ज्योत को डॉ० मनोज कुमार चक्रवर्ती ने प्रो० के. एस. रंगप्पा को 107 वाँ ISC के स्थान पर ले जाने के साथ - साथ छात्रों के बीच विज्ञान के महत्व को और अधिक फैलाने के संदेश के साथ सौंपा।

27 ISCA शाखाओं ने विभिन्न गतिविधियों के बीच 106 वाँ ISC के फोकल थीम पर सेमिनार, संगोष्ठी, व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि आयोजित करके रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान अपनी गतिविधियों को जारी रखा। शाखाओं ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, योग दिवस, विश्व आर्द्र भूमि दिवस, पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, शिक्षक दिवस आदि मनाया।

संस्था विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से सक्रिय वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए बहुत सम्मानित महसूस करता है और अपनी इच्छित गतिविधियों को पूरा करने और अपने मौजूदा बुनियादी ढाँचे में सुधार निष्पादित करने के लिए भी सक्षम होता है। संसाधन आधार का विस्तार करने और प्रभावी वित्तीय प्रबंधन द्वारा फंड की स्थिति में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। संस्था की ताकत अपने सदस्यों से प्राप्त मजबूत समर्थन में निहित है।

दिनांक : 12.09.2019

एस. रामकृष्ण

(डॉ० एस. रामकृष्ण)  
महासचिव (सदस्यता कार्य)  
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

## भारतीय विज्ञान कांग्रेस की रूपरेखा

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था 1914 में स्थापित देश की प्रमुख वैज्ञानिक संस्था है। यह संस्था अपने विविध कार्यकलापों के माध्यम से विज्ञान का संवर्धन एवं वैज्ञानिक मनोभाव का संचार कर रही है। इस संस्था की बैठक जनवरी के प्रथम सप्ताह में वैज्ञानिकों, विज्ञान प्रबंधकों, नीति - निर्माताओं एवं जनसाधारण के वार्षिक सम्मेलन में होती है, ताकि वैज्ञानिक अन्वेषण को अत्याधिक गति व अधिक सुव्यवस्थित दिशा प्रदान की जा सके, देश के विभिन्न भागों में समाज एवं व्यक्ति के मध्य पारस्परिक संबंध को बढ़ावा दिया जा सके तथा पूर्णतः वैज्ञानिक एवं अनुप्रयुक्त उद्देश्यों की और जनसाधारण का ध्यान आकर्षित किया जा सके। यह संस्था भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिकों में राष्ट्रीय विकास के उद्देश्य से अन्तः संबंध स्थापित करती है। 1914 से ही प्रति वर्ष संस्था का वार्षिक आशिवेशन बुलाया जाता है, जिसका महाध्यक्ष, अतिप्रतिष्ठित वैज्ञानिक होता है।

### संस्था का गठन निम्नलिखित उद्देश्यों से किया गया:

1. भारत में विज्ञान को उन्नत करना एवं उसे बढ़ावा,
2. भारत में उपयुक्त स्थान पर वार्षिक सम्मेलन का आयोजन करना,
3. ऐसी कार्यवाहियों, पत्रिकाओं, कार्य-विवरण एवं अन्य प्रकाशनों को प्रकाशित करना जिन्हें वांछनीय माना जा सकता है,
4. विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए धन एवं वृत्तिदान को सुरक्षित तथा प्रबंधन करना सहित संस्था की संपत्ति के किसी भी हिस्से की बिक्री अथवा निपटान का अधिकार,
5. कोई एक या सभी अन्य कार्य करना तथा किसी मामले या विषय को निष्पादित करने में प्रेरक का कार्य करना। स्थापना के समय से ही संस्था ने अपने उच्च उद्देश्यों की पुष्टि के लिए दृढ़तापूर्वक कार्य किया है। आशा के अनुरूप 1914 से अब इसके कार्यकलाप का कई गुना विस्तार हो गया है।

कांग्रेस की पहली बैठक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के परिसर में 15 से 17 जनवरी 1914 तक हुई जिसके महाध्यक्ष कलकत्ता विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति माननीय न्यायमूर्ति सर आशुतोष मुखर्जी थे। भारत एवं विदेश के विभिन्न भागों से आए एक सौ पाँच वैज्ञानिकों ने बैठक में भाग लिया और छः अनुभागीय अध्यक्षों के अधीन वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, नृजती विज्ञान, भू-विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान अनुभागों में विभाजित 35 लेख प्रस्तुत किए गए। प्रारम्भ में कम सदस्यों वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में अब सदस्यों की संख्या बढ़कर लगभग पचास हजार हो गई है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का स्वतंत्रता के पश्चात ब्रिटिश विज्ञान उन्नति संस्था, बीजिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्था जैसी विभिन्न विदेशी वैज्ञानिक अकादमियों/संस्थाओं तथा अन्य संस्थाओं से सक्रिय अन्तः संबंध रहा है, ताकि पारस्परिक हित वाले विषयों पर उपयोगी विचार - विमर्श हो सके।

वर्ष 1976 में कांग्रेस के दौरान विचार - विमर्श के स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। कुछ समय से महसूस किया जा रहा था, कि व्यापक आधार वाले वैज्ञानिकों के इस तरह सम्मेलन में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय प्रभाव वाले राष्ट्रीय मुद्दों को भी लिया जाए। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के तत्कालीन महाध्यक्ष डॉ॰ एम. एस. स्वामीनाथन ने 1976 में राष्ट्रीय प्रासंगिकता के केंद्रीय थीम कि संकल्पना का सूत्रपात किया, जिस पर अब वार्षिक अधिवेशन के दौरान प्रत्येक कांग्रेस में चर्चा होती है। इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय थीम के विभिन्न पहलुओं पर कई पूर्ण अधिवेशन आयोजित किए जाते हैं, जिनमें वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों के साथ - साथ नीति - निर्माता व प्रशासक परस्पर विचार - विमर्श करते हैं। इस तरह से संस्था ऐसा मंच बन गई है, जहाँ विभिन्न शाखाओं एवं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोग केंद्रीय थीम पर चर्चा भाग लेते हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण सफलता 1980 में मिली जब भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने सचिव की अध्यक्षता में स्थायी कार्यदल गठित किया, जिसमें संस्था के उन प्रतिनिधियों तथा विभिन्न एजेंसियों एवं स्वैच्छिक संगठनों के उन प्रमुखों को शामिल किया गया, जो केन्द्रीय थीम संबंधी विभिन्न संस्तुतियों पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे। पूर्ववर्ती विज्ञान कांग्रेस में की गई संस्तुतियों संबंधी अनुवर्ती कार्रवाई पर प्रति वर्ष विज्ञान कांग्रेस के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित सामान्य आदिवेशन में चर्चा होती है। इस तरह से भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था समान्यतः विज्ञान एवं विशिष्टतः राष्ट्रीय विज्ञान नीति के विकास में योगदान कर रही है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस ने संस्था 1981 में अपने 68वें अधिवेशन से युवा वैज्ञानिकों के लाभार्थ कार्यक्रम का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत युवा वैज्ञानिक अपने प्रस्तावित अनुसंधान कार्य को प्रस्तुत कर सकेंगे और संगत वैज्ञानिकों समस्याओं के संबंध में अपने समकक्ष व्यक्तियों एवं विशेषज्ञों से विचारों का आदान – प्रदान कर सकेंगे। उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए ऐसे वैज्ञानिकों को भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया जाता है। प्रतिभावान युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए 2006 से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार की राशि रु. 5,000/- से बढ़ाकर रु. 25,000/- कर दी गई है।

कुछ विशेषज्ञों की सहायता से अनुभागियों अध्यक्षों द्वारा सावधानी से की गई छानबिन के आधार पर स्वीकार किए गए अधिकांश लेख पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए यह निर्णय लिया गया, कि 1999 के अधिवेशन से प्रत्येक अनुभाग की सर्वोत्तम प्रस्तुति के लिए प्रमाणपत्र सहित रु. 1,000/- की नगद राशि के अधिक से अधिक दो पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। वर्ष 2007 से इन पुरस्कारों की राशि से बढ़ाकर रु. 5,000/- कर दिया गया है। दिये गए कुछ चुनिंदा लेखों की मौखिक प्रस्तुति को भी प्रत्येक अनुभाग के कार्यक्रम में शामिल किया जाता है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने भारत में वैज्ञानिकों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के लिए कई पुरस्कारों को देना प्रारम्भ किया है। ये पुरस्कार मुख्यतः व्यक्ति – विशेष एवं समूहों से प्राप्त विशेष अक्षय निधि एवं संस्था की निजी निधि से प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार की संकल्पना का आविर्भाव 1965 से हुआ और इस समय भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था द्वारा लगभग 33 से अधिक पुरस्कार दिये जाते हैं। 2013 से आशुतोष मुखर्जी फेलोशिप वरिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए शुरू किया गया है। वर्तमान में 10 नियमित फेलो है।



## डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, 106 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस, जलंधर

डॉ० मनोज कुमार चक्रवर्ती, वर्तमान में एक आईसीएमआर एमेरिटस चिकित्सा वैज्ञानिक अपने शोध योगदान के लिए अत्यधिक प्रतिष्ठित हैं। उन्होंने वैज्ञानिक जी और निदेशक (I/C), हैजा और आंत्र रोग के राष्ट्रीय संस्थान (NICED) के रूप में कार्य किया, जो प्रमुख राष्ट्रीय जैव चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों में से एक है, विशेष रूप से भारत में गुप्त रोगों में जहाँ उन्होंने 15 अनुसंधानों को गतिशील नेतृत्व प्रदान किया, जिसमें अनुवाद संबंधी अनुसंधान किया गया। दस्त सहित आँत रोगों में आणविक तंत्र को खोजने और समझने के लिए कार्यक्रम में शामिल रहें।

विभिन्न क्षमताओं में वैज्ञानिक के रूप में ICMR के साथ अपने 34 वर्षों में डॉ० चक्रवर्ती ने कई महत्वपूर्ण योगदान दिए। उनके एक काम से शिगेलोसिस के खिलाफ एक रास्ते और प्रभावोत्पादक उम्मीदवार टिके का विकास होता है जिसकी क्षमता को विश्व स्तर पर स्वीकार किया गया है। इस क्षेत्र में उनकी गहरी विशेषज्ञता के लिए उन्हें आणविक जीव विज्ञान, 2016 (स्प्रिंगर प्रकाशन, न्यू यार्क, यूएसए) के तरीकों में टीका विकास पर एक लेख लिखने के लिए आमंत्रित किया गया था।

ओआरएस के और विकास पर उनके शोध ने क्षेत्र में प्रभाव डाला है। पोटेशियम चैनल पर डॉ० चक्रवर्ती का काम चिकित्सीय मूल्यों का है, इसके अलावा, उनके काम में IDH के गैर - हेमोलिटिक प्रकार के विकास की संभावना है, और भविष्य में मानव कोलोरेक्टल कैंसर की चिकित्सा में नव एजेंट के रूप में प्रोटीज है। डॉ० चक्रवर्ती का सामान्य रूप से विज्ञान और विशेष रूप से दाल संबंधी रोगों में विज्ञान के लिए उत्कृष्ट योगदान है, जिसे विज्ञान और प्रोद्योगिकी (FASCT) के राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (FMASc), भारत और पश्चिम बंगाल की अकादमी के फेलोशिप के लिए चुना गया है।

एक उत्कृष्ट शोधकर्ता होने के साथ साथ डॉ० चक्रवर्ती मानव संसाधन विकास में गहराई से शामिल हैं। उन्होंने अपने पीएचडी शोध में कई छात्रों की देख रेख की है। डॉ० चक्रवर्ती ने कांसस अमेरिका विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट अनुसंधान किया और वैज्ञानिक के रूप में नागासाकी विश्वविद्यालय, जापान में भी काम किया। वह विभिन्न विश्वविद्यालयों से अतिथि संकाय, सदस्य यूजी और अध्ययन बोर्ड, पीएचडी समिति आदि से जुड़े हुए हैं। वे भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, 2010-13 के महासचिव थे। उन्होंने कई चयन समितियों, सलाहकार निकायों, और अनुसंधान अनुदान समीक्षा पैनल के सदस्य के रूप में कार्य किया और कई सरकार द्वारा और निजी नींव दूसरों के काम का मूल्यांकन करने के लिए बुलाया जाना जारी है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में 2001-02 के शरीर विज्ञान अनुभाग के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के कारण विभिन्न बीमारियों के क्षेत्र उनके योगदान के कारण विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में सेवा के लिए आमंत्रित किया गया है। डॉ० चक्रवर्ती हर अकादमी के विज्ञान के चिकित्सा विज्ञान खंड के क्षेत्र संपादक हैं। उन्होंने अपने शोध के क्षेत्र के साथ साथ पुस्तक अध्यायों और समीक्षा लेखों के क्षेत्र में 90 से अधिक मूल पत्र प्रकाशित किए। उसके पास दो राष्ट्रीय और एक अंतरराष्ट्रीय पेटेंट है।

संक्षेप में, डॉ० चक्रवर्ती का मानना है कि उनके साथियों ने आँतो की कोशिका और आणविक जीव विज्ञान के अध्ययन में अग्रणी और राष्ट्रीय नेता के रूप में माना और दस्त और आँत रोगों के लिए इसकी प्रासंगिकता है। उन्हें इस्का के प्लैटिनम जुबली व्याख्यान सहित विभिन्न समारोहों से पुरस्कार मिले हैं।



**"Jai Jawan, Jai Kisan, Jai Vigyan and Jai Anusandhan"**  
 PM Narendra Modi's address at 106th Indian Science Congress  
 at Jalandhar, Punjab



श्री नरेंद्र मोदी, माननीय प्रधान मंत्री और डॉ. हर्ष वर्धन, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति।

डॉ. हर्ष वर्धन, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, ISCA पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए।



दो नोबेल पुरस्कार विजेता बच्चों के विज्ञान सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए।

विज्ञान संचारकों की बैठक का उद्घाटन।





महिला विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन।

डॉ. हर्ष वर्धन, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए।



डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, आईएससीए द्वारा विज्ञान ज्योत को प्रो. के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष निर्वाचित, आईएससीए को समापन सत्र के दौरान सौंपना।

## भारतीय विज्ञान कांग्रेस, फगवाड़ा, जलंधर का 106 वाँ सत्र: एक संक्षिप्त रिपोर्ट

### उद्घाटन सत्र

106वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय फागवारा, जलंधर में 3 जनवरी को किया गया था और इस सम्मेलन का आयोजन 3-7 जनवरी, 2019 को किया गया था। श्री व्ही. पी. सिंह बदनौर, पंजाब के राज्यपाल, डॉ. हर्षवर्धन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी विज्ञान मंत्री, श्री एस. सांपला, सामाजिक न्याय और भारत के सशक्तिकरण के लिए राज्यमंत्री, श्री एस. एस. अरोड़ा (एमओएस), पंजाब सरकार, श्री अशोक मित्तल, माननीय कुलाधिपति, लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, फागवारा, डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, ISCA के महाध्यक्ष ने फोकल थीम “भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर अपना संबोधन दिया।

माननीय प्रधानमंत्री मंच से प्रस्थान करने के बाद, ISCA अवार्ड विशिष्ट वैज्ञानिकों को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा प्रदान किए गए। उद्घाटन सत्र में तीन नोबेल पुरस्कार विजेताओं, सचिवों और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के अध्यक्ष, विदेशी वैज्ञानिकों, प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों और वैज्ञानिकों सहित बड़ी संख्या में आमंत्रित लोगों ने भाग लिया। संस्था और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने भी उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

उद्घाटन सत्र के बाद भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माननीय मंत्री, डॉ. हर्षवर्धन, डीएसटी, सचिव, कुलाधिपति और कुलपति, एलपीइउ, और महाध्यक्ष, ISCA की उपस्थिति में तीन नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत किए।

### राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन

(बाल विज्ञान कांग्रेस)

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था और लवली पेशेवर विश्वविद्यालय, पंजाब द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन (बाल विज्ञान कांग्रेस) जनता में वैज्ञानिक स्वभाव को प्रेरित करने और सबसे महत्वपूर्ण अगली पीढ़ी जनवरी 4-6, 2019 को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम को विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के लिए राष्ट्रीय परिषद द्वारा समर्थित किया गया था।

माननीय प्रोफेसर डंकन हल्डेन, रसायन विभाग में नोबेल पुरस्कार विजेता और तकनीकी, इजराइल में प्रतिष्ठित प्रोफेसर द्वारा इस आयोजन का उद्घाटन 4 जनवरी 2019, को किया गया। डॉ. निशा मेंदीरत्ता, प्रमुख, विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय परिषद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के साथ साथ श्री अविनाश राय खन्ना, वाइस चेयरमैन, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी और भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष सम्माननीय अतिथि थे। श्री अशोक मित्तल, चांसलर, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने स्वागत भाषण और डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती,

महासचिव, ISCA ने अध्यक्षीय अभिभाषण दिया प्रोफेसर पी. पी. माथुर, महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप), ISCA, प्रोफेसर गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य) ISCA, डॉ. अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव ने अपनी उपस्थिति के साथ समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर शॉर्टलिस्ट किए गए प्रोजेक्ट्स के सार सहित स्मारिका पुस्तक का विमोचन किया गया। स्कूली बच्चों को इंफोसिस ISCA यात्रा पुरस्कार प्रदान किए गए। उद्घाटन समारोह में 2500 से अधिक युवा वैज्ञानिकों, मीडिया कर्मियों, फैकल्टी और छात्रों की भारी भीड़ ने भाग लिया।

राष्ट्रीय अतिथि विज्ञान प्रदर्शनी की परियोजना प्रदर्शनी का उद्घाटन भी उसी दिन सम्मानित अतिथियों द्वारा किया गया था। 110 विज्ञान परियोजनाएं (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा नामांकित 60, शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण की राष्ट्रीय परिषद द्वारा 15 और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए पंजाब राज्य परिषद द्वारा 35) परियोजना प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई। पंजाब और पड़ोसी राज्यों के 300 से अधिक स्कूलों के छात्रों ने भी परियोजना प्रदर्शनी का दौरा किया और इन छात्रों द्वारा किए गए कार्यों का अनुभव किया।

वैज्ञानिक सत्र को पूरा करने के लिए जनवरी के 4 और 5 वें दिन भी आयोजित किया गया था, जिसके दौरान राष्ट्रीय किशोर विज्ञान सम्मेलन के प्रतिभागियों को यह जानने में काफी मदद मिली थी कि विज्ञान कैसे समय के साथ विकसित हुआ है और क्या भविष्य रखता है। जनवरी 6, 2019 को प्रतिभागियों ने पुष्पा गुजराल विज्ञान शहर का भी दौरा किया।

तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन 6 जनवरी, 2019 को हुआ। इस अवसर पर, मुख्य अतिथि श्री अशोक मित्तल, कुलाधिपति, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी और अध्यक्ष, आयोजन समिति 106 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस थी। सम्मानीय अतिथि श्री राजिंदर सिंह, वैज्ञानिक डी, NCSTC डिवीजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग थे। डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, अध्यक्षीय भाषण दिया। डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय, सहायक कार्यकारी सचिव, ISCA ने धन्यवाद प्रस्ताव देकर सत्र का समापन किया। यह आयोजन देश के सभी प्रमुख मीडिया द्वारा व्यापक रूप से कवर किया गया था।

## महिला विज्ञान कांग्रेस

8<sup>वीं</sup> महिला विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन 5 जनवरी 2019 को श्रीमती स्मृति ईरानी जी, वस्त्र उद्योग के माननीय केंद्रीय मंत्री द्वारा श्री अशोक मित्तल, कुलाधिपति, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, प्रोफेसर पी. पी. माथुर, महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप) ISCA, प्रो. गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA, प्रो. विजय लक्ष्मी सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA, और डॉ. नमिता, KIRAN, डीएसटी, सम्मानीय अतिथि के उपस्थिति में किया गया। डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, ISCA, द्वारा महाध्यक्षीय अभिभाषण दिया गया।

उद्घाटन के बाद निपुण महिला नेताओं और वैज्ञानिकों द्वारा 14 आमंत्रित व्याख्यान हुए और पोस्टर के रूप में 62 योगदान पत्र प्रस्तुत किये गए। आमंत्रित व्याख्यान डॉ. नमिता, डॉ. नम्रता और डॉ. रूपश्री विज्ञान

और प्रौद्योगिकी विभाग से और डॉ. प्रतिभा नायर, USIEF से, सुश्री सुजा वारियर इंफोसिस से, सुश्री नीलिमा केतन वेदांत से, सुश्री सुषमा ओझा, रणनीति और स्थिरता के निदेशक अदानी फॉउण्डेशन से, डॉ. नीलिमा गुप्ता, CSJM विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. शकुंतला दास, न्यूयार्क के पोटसडैम राज्य विश्वविद्यालय से डॉ. सागरिका विस्वास प्रमुख वैज्ञानिक CSIR, जीनोमिक्स और एकीकृत जीव विज्ञान से और डॉ. आशा चौबे, CSIR के किण्वन प्रौद्योगिकी प्रभाग के प्रमुख वैज्ञानिक चिकित्सा के भारतीय संस्थान से डॉ. एस. गीता टी, एन कृषि विश्वविद्यालय से डॉ. व्ही कालारानी श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय से और डॉ. सुशीला कंदूरी तालमेल समाधान से दिए थे।

समापन सत्र श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय कपड़ा मंत्री, श्री अशोक मित्तल, कुलाधिपति, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी और डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, ISCA, क्रमशः स्वागत और अध्यक्षीय भाषण दिये। प्रोफेसर पी. पी. माथुर, महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप) ISCA, प्रोफेसर गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA, और डॉ. नमिता किरण, डीएसटी सत्र में मौजूद थे। डॉ. जी. गीता संयोजक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

### (विज्ञान संचारकों की बैठक)

12 वीं विज्ञान संचार सम्मेलन (विज्ञान संचारक की बैठक), संयुक्त रूप से भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था और पंजाब के लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 5 से 6 जनवरी, 2019 को आम लोगों के बीच विज्ञान की बुनियादी अवधारणाओं को संप्रेषित करने के उद्देश्य से किया गया था। घटना को NCSTC, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्थित किया गया था।

बैठक का उद्घाटन श्री रवि शंकर प्रसाद, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और कानूनी और न्याय 5 जनवरी, 2019 को डॉ. निशा मेंडीरत्ता प्रधान और सलाहकार, NCSTC, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, श्री अशोक मित्तल, कुलाधिपति, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, श्री श्वेत मलिक, संसद सदस्य, राज्य सभा और श्री सोमप्रकाश, एमएलए, फागवारा, प्रोफेसर पी. पी. माथुर, महासचिव (वैज्ञानिक कार्य), ISCA, प्रो. गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य) ISCA, की उपस्थिति में किया गया। डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, ISCA ने समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में 2500 से अधिक वैज्ञानिकों, विज्ञान संचारकों, मीडिया कर्मियों, शिक्षकों और छात्रों के एक विशाल समूह ने भाग लिया।

“लोगों को विज्ञान ले जा रहा है” की व्यापक छतरी के नीचे, बहुत ही रोचक और विचारोत्तेजक आमंत्रित वार्ताएं। श्रीमती पल्लव बडला, फोटो पत्रकार और विज्ञान संपादक, नई दिल्ली टेलीविजन - NDTV और सवाँ ददाता विज्ञान पत्रिका, प्रोफेसर बेसब चौधरी, कुलपति, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, बारासात, पश्चिम बंगाल,, डॉ. मनोज कुमार पटैरिया, निदेशक, CSIR - राष्ट्रीय विज्ञान संचार और सूचना संसाधन संस्थान (NISCAIR) और डॉ. वी. रामगोपाल राव, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली द्वारा दी गई।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था द्वारा पूरे भारत से चुने गए 33 विज्ञान संचारकों ने दो दिनों में फैले चार तकनीकी सत्रों में प्रस्तुतियाँ दीं। 18 मौखिक प्रस्तुतियों के अलावा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में समकालीन मुद्दों पर 15 पोस्टर प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं।

समापन सत्र 06 जनवरी, 2019 को आयोजित किया गया था। श्री अशोक मित्तल, कुलाधिपति, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी मुख्य अतिथि थे। प्रोफेसर पी.पी. माथुर, महासचिव, (वैज्ञानिक कार्यकलाप) ISCA, और श्री राजिंदर सिंह, वैज्ञानिक डी, NCSTC डिवीजन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग उपस्थित थे। डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, ISCA ने समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. अमित कृष्ण दे, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

## विज्ञान प्रदर्शनी: भारत एक्सपो का गौरव

“भारत का गौरव” (पीओआई) एक्सपो, मेगा विज्ञान प्रदर्शनी जिसमें अत्याधुनिक तकनीकें, प्रमुख वैज्ञानिक उत्पाद और सेवाएं, भारत के अग्रणी और अग्रणी सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों, आर एन्ड डी पहल, योजनाओं और उपलब्धियों का पथ प्रदर्शन है। केंद्रीय और राज्य सरकार के विभागों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, शैक्षिक संस्थानों, कॉर्पोरेट, रक्षा आदि के अलावा हजारों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों, प्रमुख अनुसंधान एवं विकास प्रमुखों, नीति निर्माताओं नौकरशाहों, वरिष्ठ वैज्ञानिकों, ICT और संबद्ध उद्योग के नेताओं, टेनोक्रेट और शिक्षाविदों, नवप्रवर्तकों, उद्यमियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं कॉर्पोरेट और उद्योग के शीर्ष अधिकारियों, पीओआई एक्सपो में 3 से 7, 2019 के दौरान हजारों उत्कृष्ट छात्रों और आम जनता ने दौरा किया।

पीओआई एक्सपो लगभग 20,000 वर्गमीटर के क्षेत्र में 150 संगठनों की भागीदारी के साथ फैला हुआ था। एक्सपो में अत्याधुनिक तकनीकों, प्रमुख वैज्ञानिक उत्पादों और सेवाओं, भारत के अग्रणी और निजी क्षेत्र के अग्रणी सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों, सरकारी विभागों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, शैक्षिक संस्थानों, कॉर्पोरेट, रक्षा आदि की उपलब्धियों और पथ प्रदर्शन का प्रदर्शन था। श्री वी. पी. सिंह बदनौर, माननीय राज्यपाल, पंजाब, और डॉ. हर्षवर्धन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान के माननीय केंद्रीय केंद्रीय मंत्री ने श्री अशोक मित्तल, कुलाधिपति, एलपीयू और डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, ISCA की उपस्थिति में एक्सपो का उद्घाटन किया।

विज्ञान ज्योत: ज्ञान की लौ, विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और इसे युवाओं के बीच कैरियर के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए एक उपन्यास पहल है, इस प्रकार कल के वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तनकर्ताओं को तैयार करना है। विज्ञान ज्योत डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, ISCA को औपचारिक रूप से 02 जनवरी 2019 को एलपीयू के फैलाव परिसर में श्री अशोक मित्तल, कुलाधिपति, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, डॉ. अशोक सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष और अन्य गणमान्य व्यक्ति के समक्ष दिया गया था। विज्ञान ज्योत को श्री वी. पी. सिंह, बदनौर, माननीय दंडाधिकारी पंच और डॉ. हर्षवर्धन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान के लिए माननीय केंद्रीयमंत्री के हाथों POI एक्सपो के आयोजन स्थल पर 5 दिनों के दौरान हजारों छात्रों को प्रेरणा देने के लिए जलाया गया था।

वैदिक समारोह के दौरान, ISC के समापन के दिन विज्ञान ज्योत को औपचारिक रूप से डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती द्वारा सौंप दिया गया था। प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष ने छात्रों के बीच विज्ञान के महत्व को आगे बढ़ाने और 107 वीं ISC के स्थान पर विज्ञान ज्योत को ले जाने का संदेश दिया।

## समापन सत्र

7 वीं जनवरी, 2019 को 106वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन के अंत में होने वाले मान्यताओं को चिह्नित किया गया था। समारोह के लिए गणमान्य व्यक्ति थे, श्री अशोक मित्तल, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के माननीय कुलाधिपति, प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष (निर्वाचित) डॉक्टर अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष, ISCA। इस अवसर पर, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार भी प्रदान किए गए। श्रीमती रश्मि मित्तल, उपकुलपति, LPU, प्रोफेसर गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA और प्रोफेसर पी. पी. माथुर, महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप) और डॉक्टर अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव, ISCA भी उपस्थित थे। डॉक्टर मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, ISCA ने महाध्यक्षीय अभिभाषण दिया।

विज्ञान ज्योत को औपचारिक रूप से डॉक्टर मनोज कुमार चक्रवर्ती द्वारा प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा को छात्रों के बीच विज्ञान के महत्व को और फैलाने के संदेश के साथ और विज्ञान ज्योत को 107 वें ISC के आयोजन स्थल तक ले जाने के संदेश के साथ सौंप दिया गया था।

## तकनीकी कार्यक्रम

### पूर्ण सत्र

#### नोबेल पुरस्कार विजेताओं का व्याख्यान

- प्रोफेसर थामस सुदीफ - व्हाई वि नीड बेसिक रिसर्च फ़ॉर प्रिसिशन मेडिसिन: दि न्यूरोसाइंस एक्सांपला  
प्रोफेसर अब्राम हेर्शको - दि उबीक्यूटिन सिस्टम फ़ॉर प्रोटीन डिग्रेडेशन: रोल्स इन हेल्थ एंड डिजिज़।  
प्रोफेसर डंकन. एम. हाल्डेन - टोपोलोजिकल क्वांटम मैटर एनटांगलमेंट एंड ए “सेकेन्ड क्वांटम रिवोल्यूशन”।

#### भारत में कृषि अनुसंधान की उपलब्धि पर पूर्ण सत्र

- डॉ. जे. के. जेना - न्यू विस्तास इन एक्वाकल्चर डेवलपमेंट इन इंडिया फ़ॉर इनकम, एम्प्लॉयमेंट एंड न्यूट्रिशनल सिक्यूरिटी।  
डॉ. अशोक के. पात्र - सोयल, फुड सिक्यूरिटी एंड ह्यूमन हेल्थ।  
प्रोफेसर रमेश कँवर - क्लाइमेट चेंज एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन वाटर सिक्यूरिटी एंड फुड सिक्यूरिटी: पॉलिसी इश्यूसा।  
डॉ. ओ. पी. यादव - एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट एट एरीड ज़ोन एरिया।

#### बेचैन ज्वार पर पूर्ण सत्र: भारत में संक्रामक रोगों की निरंतर चुनौती

- डॉ. अमित घोष - रेस्टलेस टाइड: कनटिन्यूइंग चैलेंज ऑफ़ इन्फेक्शियस डिजिजेस इन इंडिया।  
प्रोफेसर अरुणालोक चक्रवर्ती - स्टॉप नेगेलेक्टिंग फांगी।  
डॉ. हेमंत के. मजुमदार - लिसमेनिया एन ओल्ड एनेमी: ए “मेनिया” ऑफ़ श्री डिकेड्स।

#### स्थायी रसायन विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान के लिए लागू उत्प्रेरक रूपांतरण पर पूर्ण सत्र -

- प्रोफेसर आनंद सिंह - फ़ांकशनालाईजेशन ऑफ़ “सिस्टम्स फ़ॉर डेवलपिंग न्यू रूट्स टू हेट्रोसाईकेल्स एंड फ्लयोरिनेटेड मॉलिक्यूलसा।  
प्रोफेसर जितेंद्र ए. बेरा - डबल डिहाइड्रोजेनेशन ऑफ़ प्राइमरी एमिन्स टू नाइट्रिल्सा।  
प्रोफेसर एस. एस. व्ही रामशास्त्री - न्यू अप्रोचेस फ़ॉर दि कंस्ट्रक्शन ऑफ़ फ्यूसड साइक्लोपेंटेन्सा।  
प्रोफेसर संदीप वर्मा - कैटालाइज़ड रिलीज़ ऑफ़ थेरापेटिक गैसेस इन न्यूरोन्सा।

#### मधुमेह पर पूर्ण सत्र

- प्रोफेसर सतीनाथ मुखोपाध्याय - एन इंट्रोडक्शन टू डाइबिटीज  
प्रोफेसर रिचर्ड आई. जी. होल्ट - दि इमरजिंग अल्ट्रा-लॉन्ग एक्टिंग बैसल इन्सुलीन: ट्रांसलेटिंग क्लिनिकल ट्रायल्स इन्टू रियल - वर्ल्ड एविडेंसा।  
प्रोफेसर लरेटा विलेयकाइट बोल्टन - डायबेटिक कम्प्लीकेशन प्रेवेंशन एंड क्यूयुर।  
प्रोफेसर बोल्टन - डायबेटिक फुट केयर।

## सचिव, डीएचआर, और डीजी गैर संचारी रोगों पर आईसीएमआर का पूर्ण सत्र -

प्रोफेसर बलराम भार्गव -	प्रॉब्लम ऑफ़ नॉनकम्युनिकेबल डिजीजेस इन इंडिया।
प्रोफेसर जी. के. राठ -	कि एचीवमेंट्स इन कैंसर केयर एट दि नेशनल लेवल एन्ड दि फ्यूचर रोडमैप।
प्रोफेसर निखिल टंडन -	डाइबिटीज, ओबेसिटी एन्ड अदर कार्डियो मेटाबोलिक कंडीशन्स
प्रोफेसर पी. एन. सैलजा -	न्यूरो साइंसेस : किव एचीवमेंट्स एट नेशनल लेवल एन्ड फ्यूचर रोडमैप।
डॉ. प्रशांत माथुर -	एचीवमेंट इन कैंसर रिसर्च

## जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर पूर्ण सत्र

डॉ. शांता दत्ता-	ओवरव्यू ऑन क्लाइमेट चेंज एन्ड हेल्थ
प्रोफेसर व्ही. एम. कटोच-	फेसिंग दि चैलेंज ऑफ़ क्लाइमेट चेंज ऑन ह्यूमन हेल्थ इन इंडिया।
डॉ. गौतम गोस्वामी -	इम्पैक्ट ऑफ़ क्लाइमेट चेंज ऑन हेल्थ - टेक्नोलॉजी पर्सपेक्टिव
डॉ. जय प्रकाश नाराइन -	क्लाइमेट चेंज एन्ड इट सिम्पैक्ट ऑन ह्यूमन हेल्थ।

## प्रजनन और अनुवाँ शिकी में अनुवाद संबंधी अनुसंधान पर पूर्ण सत्र

प्रोफेसर ए. जुबुइक पी. इबोकाय -	इम्पैक्ट ऑफ़ एनवायरमेंटल पल्यूशन ऑन रिप्रोडक्टिव फंक्शन एन्ड मेटाबोलिक डिसऑर्डर्स: इन्फ्ल्यूएंस ऑफ़ नेचुरल प्रोडक्ट्स/ फाइटोकेमिकल
प्रोफेसर एंडी पीटरसन -	ए शेयरडजर्नी इन ह्यूमन जेनेटिक्स इन साउथ एशिया
प्रोफेसर रेन-शिन गि -	रिसेंट स्टडिज ऑफ़ स्टेम लीडिंग सेल्स।

## विशेष व्याख्यान -

प्रोफेसर पुलक मुखर्जी -	बायो-प्रसपेक्टिंग ऑफ़ नेचुरल प्रोडक्ट्स: लर्निंग फ्रॉम आर्डर एनसेस्टर्स - ट्रेडिशनल टू ट्रेंड
-------------------------	---

## स्तन कैंसर के लिए उपचारात्मक उपागम पर पूर्ण सत्र-

प्रोफेसर हरिकृष्णा नक्षात्री -	इम्पैक्ट ऑफ़ रेस/ एथनीसिटी ऑन नर्मल ब्रेस्ट एन्ड ब्रेस्ट कैंसर बायोलॉजी
प्रोफेसर श्रीकांत अनंत -	मैगनोलिया कॉम्पोनेन्ट होनोकियोल, ए ट्रेडिशनल चाइनीज/ आयुर्वेदिक / नेटिव अमेरिकन मेडिसिन टार्गेट्स स्टेम सेल्स इन कोलोन कैंसर टू इनहिबिट ट्यूमोरिजेनेसिस
प्रोफेसर राय ए. जेनसेन -	कंपोनेन्ट्स ऑफ़ दि ट्रेडिशनल चाइनीज हर्बल मेडिसीन थंडर गॉड वाइन, ट्रिप्टोलाइड एन्ड सिलटुस्ट्रोल टारगेट hsp90 टू प्रिवेंट ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर।

## कैंसर के खिलाफ कीमो निवारक और कीमो चिकित्सीय दृष्टिकोण पर पूर्ण सत्र-

प्रोफेसर रीता घोष -	क्विनीन डिटॉक्सिफिकेशन एन्ड डेवलपमेंट ऑफ़ अग्रेसिव स्टेट कैंसर।
प्रोफेसर अहानकी पी. कुमार -	इंटरवेंशन स्ट्रैटजिस फ़ॉर केमो-रेडियो-रेसिस्टेंट पाथवेस।

प्रोफेसर अनिमेश धर - नवेल कॉम्बिनेशन ऑफ़ नेचुरल कंपाउंड्स डिराइव्ड फ्रॉम यूनानी/ आयुर्वेदिक मेडिसिन टारगेट न्यूमेरस जीनस इन सुपर- एन्हांसर रिजियनस इन पैनक्रिएटिक कैंसर, इन टर्न, इनहिबिट ट्यूमोरीजेनेसिस।

डॉक्टर शुभ्रोजीत साहा - मड्यूलेशन ऑफ़ अनफोल्डेड प्रोटीन रेस्पॉन्स टू प्रमोट केमोसेन्सिटाइजेशन।

### **सत्येंद्रनाथ बोस, प्रशांत चंद्र महालानाबिस एवं मेघनाद साहा की 125वीं जयंती का पूर्ण सत्र**

प्रोफेसर दिलीप कुमार सिंहा - 125वीं एनीवरसरी ऑफ़ सत्येंद्रनाथ बोस, प्रशांत चंद्र महालानाबिस एवं मेघनाद साहा।

प्रोफेसर एस. के. मिद्या - फ्यू वर्क्स ऑन आयोनाइजेशन आफ्टर प्रोफेसर मेघनाद साहा फ्रॉम यूनिवर्सिटी ऑफ़ कलकत्ता।

प्रोफेसर भूपति नायडु - पॉपुलर कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ़ प्रोफेसर पी. सी. महालानाबिस टू स्टैटिस्टिकल साइंस एंड इंडियन नेशन।

### **न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में अनुसंधान के हाल के रुझानों पर पूर्ण सत्र -**

प्रोफेसर दीपक सरकार - न्यूरोनल एक्टिवेशन ऑफ़ प्रोपियोमेलानोकोर्टिन एमिलीयोरेट्स एजिंग अल्टरड हेपेटिक ग्लूकोज़ मेटाबोलिजम।

प्रोफेसर शिल्पा बुच - इ. व्ही. एस. इन न्यूरोडिजेनेरेटिव डिज़ीजेस।

प्रोफेसर तुषारकांति घोष - पेरिफेरल इम्यून रेसपेन्सेस आर अल्टरड इन एनीमल मॉडल्स ऑफ़ एलजाईमरस डिज़ीज़।

प्रोफेसर रजत संधीर - मॉलिक्यूलर एन्ड बायोकेमिकल ट्राजेक्टोरिस फ्रॉम डायबेटिस टू एलजाईमरस डिज़ीज़।

### **मानव समाज के कल्याण के लिए अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित सत्र -**

डॉक्टर हरिश सी. पंत - ए नवेल ट्रांसलेशन अप्रोच टू न्यूरोडिजेनेरेटिव डिज़ीजेस: ए स्मॉल पेपटाइड डिराइव्ड फ्रॉम न्यूरोनल सेल साइकिल कार्डीनेज (cdk5) प्रोवाइड्स ए प्रोटेक्टिव एन्ड रिस्टोरेटिव रोल इन न्यूरोडिजेनेरेटिव डिज़ीजेस लाइक अल्जाइमर डिज़ीज़(ad) पारकिनसन्स(pd)।

डॉक्टर प्रसाद डी. के. धूलीपाला - रिक्म्बिनेन्ट एंजाइम्स फॉर हाइड्रोजन सल्फाइड मिटीगेशन इन ऑयल एन्ड गैस इंडस्ट्री।

प्रोफेसर देवेन्द्र अग्रवाल - मैकेनिज़म्स एन्ड बायोमार्कर्स ऑफ़ प्लाक रपचर।

### **पारिस्थितिक विज्ञान में हाल की प्रगति पर पूर्ण सत्र -**

डॉक्टर (श्रीमती) बी. मीनाकुमारी - कन्वेंशनस ऑन बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी एन्ड बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी एक्ट 2002, इन कन्सरविंग इंडियाज बायोरिसोर्सेस।

डॉक्टर एस फ़ैज़ी - बायोडाइवर्सिटी एन्ड पोवर्टी इराडीकेशन: रिफोर्मिंग दि फॉरेस्ट बायोडाइवर्सिटी मैनेजमेंट रिजाइम।

## परमाणु चिकित्सा पर अनुसंधान पर पूर्ण सत्र

प्रोफेसर शांतनु पाण्डेय - पेट, सीटी. इन कार्डिएक सर्जरी: एलि इन क्लिनिकल डाइलेमा एन्ड अनरैवलिंग अन एक्सप्लोरडा।

डॉक्टर अमिताभ आर्य - न्यूक्लियर मेडिसिन - दि फ्यूचर ऑफ़ मेडिसीन।

प्रोफेसर टी. के. कालावन - न्यूक्लियर मेडिसिन - दि फ्यूचर ऑफ़ मेडिसीन।

## बायोइन्फार्मेटिक्स और कंप्यूटेशनल बायोलॉजी के माध्यम से एनजीएस डेटा विश्लेषण पर इंडियंस प्रमुख ताकत और अवसरों पर पूर्ण सत्र-

डॉक्टर टी. मधान मोहन - मेजर डिस्ट्रिब्यूटेड बायोइन्फार्मेटिक्स नेटवर्क इन इंडिया:- स्ट्रेन्थ एंड ऑपच्यूनितिस फ़ॉर बायो - बिग डेटा एनालिटिक्स।

डॉक्टर जी. नरहरि शास्त्री - ड्रग रिपरपोसिंग फ़ॉर रेयर डिजीजेस: ए डेटा साइंस एंड मॉडलिंग डिवन अप्रोच।

डॉक्टर आलोक श्रीवास्तव - एनजीएस डेटा एनालाइसिस: स्ट्रेन्थ एन्ड चैलेंजेस इन इंडिया।

डॉक्टर अमृता रवि - डॉक्टरस डायरी: सॉल्विंग हाइ इम्पैक्ट प्रॉबलम्स विथ टेक्नोलॉजी।

## सार्वभौमिक नमक आयोडीनकरण की चुनौतियों पर पूर्ण सत्र -

प्रोफेसर अमर के. चंद्र - आयोडीन सप्लीमेंटेशन : ए बुन ऑर बेन इन पब्लिक हेल्थ।

प्रोफेसर उमेश कपिल - स्यूटाबिलिटी ऑफ़ डबल फर्टिफाइड साल्ट इन इंडिया: रिव्यू ऑफ़ साइंटिफिक एविडेंस।

प्रोफेसर जॉन एच. लजारस - दि चैलेंज ऑफ़ आयोडीन न्यूट्रिशन।

प्रोफेसर एलिज़ाबेथ एन. पियर्स - आयोडीन न्यूट्रिशन इन प्रेगनेन्ट वीमेन।

## विशेष व्याख्यान

प्रोफेसर आशुतोष शर्मा, IITK, सचिव, डीएसटी

प्रोफेसर प्रदीप खोसला, कुलाधिपति, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सेनडिगो, संयुक्त राज्य अमेरिका

डॉक्टर सत देव बातिश, अथेना डायगोनोस्टिक्स, वर्चेस्टर, USA

## उद्योग अकादमी की बैठक

उद्योग अकादमियों की बैठक शिक्षाविदों और उद्योगों के बीच टाई के लिए आयोजित की गई थी ताकि शिक्षाविदों द्वारा विकसित किए गए अभिनव विचारों और उत्पादों को उद्योगों में स्थानांतरित किया जा सके। इस बैठक में बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया था, उद्घाटन कार्यक्रम में विभिन्न उद्योगों के कुलाधिपति, LPU, महाध्यक्ष, ISCA और CEO के विचार उत्तेजक विचार प्रबुद्ध थे।

कार्यक्रम के प्रतिभागी को कई उज्ज्वल शिक्षाविदों और उद्योगों से अपेक्षाओं के व्याख्यान द्वारा समृद्ध किया गया था।

## अनुभागों में कार्यकलाप

14 अनुभागों में अनुभागी अध्यक्षों (अनुबंध – 1) के वक्तव्य के साथ विचार – विमर्श हुआ। तत्पश्चात प्रत्येक अनुभाग में प्लेटिनम जयंती व्याख्यान (अनुबंध – 2) आयोजित किए गए। विशिष्ट विषयों (अनुबंध – 3) पर तथा अधिकांश आमंत्रित/ विशेष व्याख्यानों पर अनुभागीय अध्यक्षों द्वारा परिसंवाद का आयोजन किया गया जो 106वें विज्ञान कांग्रेस के तकनीकी कार्यक्रम का अभिन्न अंग रहा।

### भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के युवा वैज्ञानिकों के कार्यक्रम

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के युवा वैज्ञानिकों के कार्यक्रम के अंतर्गत में 4 जनवरी, 2019 को लेख प्रस्तुत किए गए। इस वर्ष कार्यक्रम के अंतर्गत 14 युवा वैज्ञानिकों को अनुसंधान संबंधी क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए पुरस्कार प्रदान किया गया। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (प्रमाणपत्र एवं रु. 25,000/- का नकद पुरस्कार) 7 जनवरी, 2019 को 106वाँ विज्ञान कांग्रेस के समापन सत्र में प्रदान किया गया। युवा वैज्ञानिकों के नाम और इनके लेखों के शीर्षक (अनुबंध – 4) में दिए गए हैं।

### भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार कार्यक्रम

वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए ISCA ने प्रत्येक अनुभागों में दो उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार की स्थापना किए। इन पुरस्कारों की राशि रु. 5,000/- है और इसके एक योग्यता प्रमाण पत्र भी है। इस वर्ष 17 उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार 7 जनवरी, 2019 को 106 वाँ विज्ञान कांग्रेस का समापन समारोह में प्रस्तुत किए गए। उन पुरस्कार विजेताओं के नाम और उनके लेख के शीर्षक अनुबंध-5 में दी गई है।

### भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था अक्षयनिधि पुरस्कार/ व्याख्यान

पुरस्कार का नाम	पुरस्कार पाने वालों का नाम
आशुतोष मुकर्जी मेमोरियल अवार्ड	प्रो. प्रमोद के. वर्मा भोपाल
सी.वी. रमण जन्म शतवार्षिकी अवार्ड	डॉ. हेमंत के. मजुमदार कोलकाता
प्रो. आर. सी. मेहरोत्रा जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	प्रो. जुली बनर्जी कोलकाता
सहस्राब्दि सम्मान फलक	डॉ. अमित घोष कोलकाता
विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता अवार्ड	प्रो. परमार्थ दत्ता बीरभूम
जी पी चटर्जी स्मारक अवार्ड	प्रो. कुशल के. दास विजयपुर
प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार	डॉ. नसीम अहमद अलीगढ़
प्रो. अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड	प्रो. के. सी. उपाध्याय नई दिल्ली

पुरस्कार का नाम	पुरस्कार पाने वालों का नाम
डॉ. व्ही. पुरी स्मारक अवार्ड	प्रो. श्रीरंग रामचन्द्र यादव कोलाहपुर
प्राण बोहरा अवार्ड	डॉ. अमरजीत सिंह नई दिल्ली
उमाकांत सिंघा स्मारक अवार्ड	डॉ. विजय कुमार प्रजापति अजमेर
डॉ. बी.सी. देव स्मारक पुरस्कार मृदा/ भौतिक रसायन के लिए	डॉ. सुब्रत कुंडु कराईकुडी
प्रो. विलियम डिक्सन वेस्ट स्मारक अवार्ड	डॉ. श्रीकांत स्वामी मैसूर
प्रो. एस. के. मुखर्जी जन्म शतवार्षिकी अवार्ड	प्रो. जयप्रकाश बेंगलुरु
प्रो. आर. सी. शाह स्मारक व्याख्यान	डॉ. शोबित आर. मांडया
प्रो. एस. एस. कटियार अक्षयनिधि व्याख्यान	प्रो. महितोष मंडल खड़गपुर
एस. एस. भटनागर स्मारक अवार्ड	प्रो. सैकत मैत्रा कोलकाता
जवाहरलाल नेहरू जन्म शतवार्षिकी अवार्ड	डॉ. दिलीप महालानोबिस कोलकाता, प्रो. आशीष एस. वर्मा कोलकाता
प्रो. एस. के. मुखर्जी स्मरणोत्सव	डॉ. सुरेन्द्र कुमार सिंह नागपुर
डॉ. गौरी गांगुली स्मारक अवार्ड	डॉ. विश्वनाथ तिवारी अजमेर
बीरबल साहनी जन्म शतवार्षिकी अवार्ड	प्रो. पुलक कुमार मुखर्जी कोलकाता
एस. एस. भटनागर स्मारक अवार्ड	प्रो. सैकत मैत्रा कोलकाता
एस. एन. बोसे शतवार्षिकी अवार्ड	प्रो. बी. नेप्पोलियन चेन्नई
प्रो. जी. के. मानना स्मारक अवार्ड	प्रो. द्वय पयान भारद्वाज नई दिल्ली
विक्रम साराभाई स्मारक अवार्ड	डॉ. शांता दत्ता कोलकाता
श्रीनिवास रामानुजन जन्म शतवार्षिकी अवार्ड	प्रो. पवन के। शर्मा कुरुक्षेत्र

## 106 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस, जलंधर अनुभागों से सिफ़ारिशें

### कृषि एवं वानिकी विज्ञान

1. उच्च पोषक मूल्य और जलवायु लचीलापन वाले मोटे अनाज: इन फसलों के अप्रयुक्त आनुवंशिक संसाधनों का दोहन करने की आवश्यकता है। और ऐसी फसलों को मूल्य संवर्धन मूल्य श्रृंखला विकास, संस्थागत सुविधाओं और नीति समर्थन और लोकप्रियकरण के माध्यम से लोकप्रिय बनाया जाना है।
2. जल उपयोग दक्षता पर चावल आधारित फसल प्रणाली को स्थाई उपलब्ध अग्रिम प्रौद्योगिकियाँ बनाने के लिए, पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता, जलवायु के अनुकूल किस्मों और चावल के भूसे प्रबंधन को उपयुक्त नीतियों के समर्थन और लोकप्रियकरण के माध्यम से अनुवादित और कार्यान्वित करने की आवश्यकता है। मक्का जैसे फसलों का उपयोग करके फसल विविधीकरण को उचित नीति समर्थन जैसे खरीद, भंडारण सुविधाओं आदि के साथ लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है।
3. फेनोटाइप प्लास्टिसिटी वाली दलहनी फसलें वाली विभिन्न जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल है और चावल के परती क्षेत्र को कवर कर सकती है। सीड हब्स बनाना, अच्छी गुणवत्ता के बीज सुनिश्चित करना, एमपीएस बढ़ाना और बाजार एकीकरण से पल्स उत्पादन में क्रांति आ सकती है।
4. एकीकृत कृषि प्रणाली पूरे भारत में किसानों की आय को दोगुना करने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, खाद्य पोषण और पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सबसे उपयुक्त दृष्टिकोण है।
5. बागवानी फसलों में मुख्य रूप से फल और सब्जियाँ जो एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं और मक्का जैसी फसलें विशेष रूप से धान आधारित फसल प्रणाली में फसल विविधता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।
6. सिंचाई सुविधाओं के लिए बुनियादी ढाँचे का विकास, जल संसाधनों को बढ़ाने के लिए वर्षा जल का संरक्षण और सिंचित और वर्षा आधारित क्षेत्रों में भाग लेने वाले जल प्रबंधन के माध्यम से इसके प्रभावी उपयोग की आवश्यकता है।
7. समय के साथ खेती में सुधार हुआ है। लेकिन किसानों की स्थिति में नहीं। नीतिगत हस्तक्षेपों के माध्यम से किसानों और उपभोक्ताओं को प्रभावी तकनीक के साथ जोड़ने के माध्यम से लक्षित करना चाहिए।

### पशु, पशु-चिकित्सा एवं मात्स्यिकी

1. बुनियादी जीव विज्ञान को जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान और अन्य आधुनिक जीव विज्ञान विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर अध्ययन का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए।
2. जैव विविधता के संरक्षण की दृष्टि से, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम में शास्त्रीय प्राणीशास्त्र को मजबूत करने पर जोर दिया जाता है, जो नए UGC पाठ्यक्रम में परिलक्षित नहीं होता है को इस सुझाव के आलोक में UGC पाठ्यक्रम को फिर से संगठित करने का अनुरोध किया जा सकता है, जिसमें मामूली फाइलों के लिए विशेष संदर्भ दिया गया है।
3. राष्ट्रीय वित्तपोषण एजेंसियों को पशु वर्गीकरण पर अनुसंधान के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराना चाहिए क्योंकि पिछले 2 दशकों के दौरान शास्त्रीय कर- व्यवस्था बैकफुट पर चली गई है, और जैव विविधता महत्व की प्रजातियों की उचित

पहचान युवा शोधकर्ताओं के लिए एक समस्या बन गई है।

4. जैव-संसाधन मानव जाति के लिए प्रकृति का अद्भुत उपहार है, जिनकी स्थिरता को ग्रामीण संभावना और आर्थिक विकास से प्रभावी रूप से जोड़ा जा सकता है, इसलिए विज्ञान शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को उचित प्रबंधन और जैव-संसाधनों के सतत उपयोग और अभिनव विचार के लिए आकर्षित करना चाहिए।
5. प्रजातियों के संयोजन जिसके साथ हम गृह साझा करते हैं, अनदेखे फार्मास्यूटिकल्स और अन्य लाभकारी पदार्थों के साथ एक विशाल अप्रयुक्त आनुवंशिक पुस्तकालय का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए भविष्य के लिए ग्रामीण आजीविका, भोजन, स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जीवन रूपों की अन्य कम ज्ञात संभावित किस्मों की खोज के लिए कार्यक्रम शुरू किए जाने की आवश्यकता है।
6. जैव विविधता के लिए जलवायु परिवर्तन के खतरों को सुनिश्चित करना और जैव विविधता के संरक्षण के लिए प्राथमिकता पर किए गए उपायों को एकीकृत करना।
7. सभी प्रकार के आवासों के संरक्षण, प्रबंधन और पुनर्स्थापना के लिए जैव- तकनीकी उपकरण और नवीन विचारों का उपयोग किया जाना चाहिए।
8. जैव विविधता की स्थिति जानने के लिए स्थानीय जीवों की चेकलिस्ट तैयार की जाए और रूढ़िवादी उपाय करने के लिए संबंधित एजेंसी को प्रस्तुत की जाए।
9. भूमि संसाधनों पर दबाव को कम करने के लिए जलीय संसाधनों से अधिक पशु प्रोटीन का दोहन करने के लिए प्रमुख अनुसंधान निष्कर्षों के रूप में जोर दिया जाना चाहिए।
10. मानव को ऊर्जा से भरपूर प्रोटीन और अन्य संसाधन उपलब्ध कराने के लिए स्थलीय और जलीय पशु संसाधन के बेहतर स्वास्थ्य को बनाए रखने और प्रबंधित करने के लिए शोध को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।
11. अंतर्देशीय मत्स्य उत्पादन में वृद्धि करने के लिए, प्रचलित परिस्थितियों में वर्ग की ताकत बढ़ाने के लिए मछलियों के प्रारंभिक जीवन इतिहास चरणों के बीच मृत्यु दर की जाँच करने और नवीन तरीकों को विकसित करने की सख्त आवश्यकता है।
12. मछलियों के क्षतिग्रस्त प्रजनन स्थल को प्राकृतिक जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियों की भर्ती को बढ़ाने के लिए संरक्षित और बहाल किया जाना चाहिए।
13. हमारे देश की नदियों पर बहु उद्देश्यीय बांधों के निर्माण के कारण, जिन वर्गों में स्वदेशी प्रजातियों में गिरावट आई है, उन्हें इन नदी तंत्र में सालाना समान प्रजातियों के युवा लोगों के साथ पीछा करना चाहिए, जो इस एन्थ्रोपोजेनिक प्रभावों से बहुत प्रभावित थे।

### मानवविज्ञान एवं व्यवहारपरक ( पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र और सैन्य शास्त्र सहित)

1. प्राथमिक देखभाल स्तर पर भारत में विभिन्न जातीय समूहों में मधुमेह और चयापचय सिंड्रोम सहित NCDS सहित स्वास्थ्य प्रणाली की प्रतिक्रिया को मजबूत करना जो बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन में मदद करते हैं।
2. मानवशास्त्रीय और व्यवहारिक अध्ययन के संबंध में स्वदेशी और अन्य आबादी के बीच अध्ययन करने के लिए नैतिक आचार संहिता लागू करना।
3. भारत में विभिन्न संस्कृतियों, और केंद्रों को समझने में मीडिया, दृश्य और पर्यटन नृविज्ञान की खोज आवश्यक है।

4. मानव विकासवादी व्यवहार को समझने के लिए भारत में विभिन्न प्रागैतिहासिक स्थलों की खोज और उत्खनन आवश्यक है।
5. विभिन्न जनजातीय विकास कार्यक्रमों के प्रति नीति नियोजन में नृविज्ञान की भागीदारी।
6. बड़े पैमाने पर आबादी के माध्यम से वैज्ञानिक हस्तक्षेप बीमारी के लिए सभी इन्डेंटिफाइड उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में बीटा - थैलेसीमिया वाहक स्क्रीनिंग किया गया।
7. पूर्वजों के लिए बीटा - थैलेसीमिया आधारित पारिवारिक जाँच उच्च जोखिम वाले समुदायों में वाहक की पहचान और परामर्श के लिए एक व्यवहारिक दृष्टिकोण होगा।
8. आदिवासियों की समृद्ध, स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को सुनिश्चित करने के बाद, उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार, कल्याण और आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए योजना बनाई जानी चाहिए। इस प्रकार, उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए और उनकी समृद्ध स्वदेशी विरासत की रक्षा के लिए भी प्रयास किए जाने चाहिए।

### पृथ्वी तंत्र विज्ञान

1. भूवैज्ञानिक अनुसंधान निष्कर्षों को राष्ट्रीय विकास के लिए खनिज और खनन आधारित उद्योगों द्वारा उपयोग किए जाने की आवश्यकता है।
2. ऊर्जा और पानी की माँग में वृद्धि के साथ अनुसंधान रणनीतियों और उनके इष्टतम उपयोग और प्रबंधन के लिए जाँच के तौर-तरीकों को बनाने की तत्काल आवश्यकता है। परमाणु ऊर्जा और अधिक बल दिया जाना चाहिए, क्योंकि इस सम्मेलन में कुछ होनहार यूरेनियम और थोरियम अयस्क भंडार को सूचित और चर्चा की गई है।
3. उन्नत भूभौतिकीय प्रौद्योगिकी के विचार के साथ, मोटे मिट्टी के आवरण, पतले डेक्कन लावा द्वारा और ऊपरी गोंडवाना तलछटों द्वारा अंधे हुए अयस्क निकायों और छिपे हुए अयस्क निकायों को फिर से देखने की आवश्यकता है। खनिज और ऊर्जा संसाधनों को बढ़ाने के लिए इंदो- गंगेय कवर में अनुसंधान गतिविधियाँ चल रही हैं। बंगाल की खाड़ी, अरब सागर और भारतीय महासागरों को कठोर जाँच की आवश्यकता है। अंटार्कटिका और गैस हाइड्रेट संबंधित शोधों को जलवायु परिवर्तन पर अधिक ज़ोर देने के साथ जारी रखने की आवश्यकता है।
4. भू-जल प्रबंधन और शमन में फिर से देखने की तत्काल आवश्यकता है। प्राकृतिक खतरों जैसे कि भूकंप, बाढ़, चक्रवात, तूफान, सुनामी, जन आंदोलन, ज़मीनी स्तर के उतार चढ़ाव और जलवायु परिवर्तन के लिए अत्याधुनिक तकनीकों के प्रकाश में मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है।
5. सिंचाई के लिए बांधों की योजना, महानगरों, राज्यों की राजधानियों और स्मार्ट शहरों को जोड़ने के लिए पुल, सुरंग, नई रेल लाइन और राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने के लिए अधिक विस्तृत भू - तकनीकी जाँच आवश्यक है।
6. स्नातक और स्नातकोत्तर के लिए भू विज्ञान और भू भौतिकी पाठ्यक्रम का पुनर्गठन - उद्योगों और अनुसंधान संगठनों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए स्नातक छात्रों के लिए आवश्यक है। विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों में कौशल विकास के अल्पकालीन पाठ्यक्रमों के तहत उन्होंने लघु उद्योगों के लिए भूजल, निर्माण सामग्री और कच्चे माल की खोज की।

### अभियांत्रिकी विज्ञान

1. भारत के संदर्भ में इसकी विशेषताओं के रूप में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को ऊर्जा दक्षता पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। प्राकृतिक संसाधनों की बहाली, पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं, और कौशल वृद्धि और कुशल कार्यबल का उपयोग कर रोजगार सृजन किया जा सकता है।

2. सतत प्रौद्योगिकी विकास को हरी अर्थव्यवस्था और नैतिक प्रथाओं के साथ जोड़ा जाना है।
3. हाइड्रोकार्बन अर्थव्यवस्था (गैर नवीकरणीय ऊर्जा) हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था (अक्षय और ईंधन कॉल) को स्थानांतरित करने पर जोर दिया जाना चाहिए।
4. पानी और अपशिष्ट जल प्रौद्योगिकी ठोस और ई-कचरा प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।
5. राष्ट्र केंद्रित, नवाचार संचालित, ज्ञान गहन और विश्व स्तर पर बेंचमार्क ग्रामीण प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

## पर्यावरण विज्ञान

1. पर्यावरण की सीमाएं राजनीतिक सीमाओं का सम्मान नहीं करती है, इसलिए ट्रांसबाउंडरी पहल (यानी राज्य/ राष्ट्रों के बीच) को पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रभाव को समझने और शमन रणनीतियों के विकास के लिए बेहतर क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से बढ़ावा देने की आवश्यकता है।
2. पैन - भारत या पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर क्षेत्रीय परिदृश्यों को भविष्य के अनुमानों और शमन और अनुकूलन कार्यक्रम की योजना के लिए आवश्यक है।
3. प्राथमिकता के मुद्दों पर बहु - विषयक एकीकृत अध्ययन, जैसे कि आजीविका संवर्धन, जल और वायु प्रदूषण प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और टिकाऊ उपयोग, निम्नीकृत भूमि बहाली, आदि को बढ़ावा देना चाहिए।
4. हिमालय और पश्चिमी घाट जैसे जलवायु संवेदनशील क्षेत्रों को प्रभाव शमन, अनुकूलन और सतत विकास पर कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में माना जाना चाहिए।
5. बुनियादी अनुसंधान योजना और आवेदन की प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण है और इसलिए, लागू अनुसंधान के साथ बुनियादी अनुसंधान को बढ़ावा देने और एकीकृत करने की आवश्यकता है।
6. पर्यावरण और जैव विविधता भुगतान सेवाओं का प्रावधान होना चाहिए और लोगों की आजीविका के साथ जुड़ा होना चाहिए ताकि ये अपने संसाधनों का बेहतर संरक्षण और प्रबंधन कर सकें।
7. विभिन्न पर्यावरण और जैव विविधता मुद्दों पर जागरूकता प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है।
8. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्थायी उपयोग के लिए सही दृष्टिकोण में नीतियों और ढांचे के कार्यान्वयन की आवश्यकता है।

## सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर साइंस सहित)

1. कृषि उत्पादों की उत्पादकता और संरक्षण को बढ़ाने के लिए ICT का पता लगाया जा सकता है।
2. मौसम और प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान करने के लिए जीआईएस का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है।
3. स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र की ओर स्वदेशी समाधान के लिए दीक्षा का उपयोग किया जाना चाहिए।
4. ग्रीन कंप्यूटिंग/ प्रौद्योगिकी के लिए नवीन विचारों को लागू करने के लिए ICT का प्रभावी मामला।

5. 'स्मार्ट शहरों' और 'स्मार्ट गाँवों' के विकास के लिए ICT के लाभ का पता लगाया जा सकता है।
6. समाज के लिए नैतिक मूल्यों को बढ़ाने के लिए ICT का पता लगाया जा सकता है।
7. ICT के विभिन्न डोमेन में/ विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए और अधिक पहल की जानी चाहिए।

## गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित)

गणित के पाठ्यक्रम को स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम सहित सभी स्तरों पर फिर से पेश किया जाना चाहिए, जो दुनिया भर में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति के बारे में ध्यान में रखते हुए करना चाहिए। MHRD की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि 10 वीं कक्षा की राज्य बोर्ड परीक्षाओं में गणित में सबसे अधिक विफलता है। इसलिए यह अनुशंसा की जाती है कि गणित को प्रदान करने के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित कार्यप्रणाली मिलनी चाहिए। विशेष रूप से, गणित सीखने को स्कूल स्तर पर हर्षित और सार्थक बनाया जाना चाहिए। छात्रों के लिए दृश्य प्रतिनिधित्व बनाने से इस विषय पर समझ और रुचि खुल सकती है। उच्च स्तर पर, समान प्राथमिकता शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित दोनों में दी जानी चाहिए।

106 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अपने उद्घाटन भाषण में हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने अंतः विषय अनुसंधान पर जोर दिया है। गणित शायद एकमात्र ऐसा विषय है, जिसका उपयोग विज्ञान और प्रौद्योगिकी की सभी शाखाओं में बड़े पैमाने पर किया जा सकता है। निम्नलिखित अंतः विषय विषयों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी की बेहतरी के लिए तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए।

1. **जीव विज्ञान में गणित:** जैविक विज्ञान में गणित के गहन अनुप्रयोग हैं। गणितीय जीव विज्ञान दुनिया भर में गणितीय विज्ञान में सबसे तेजी से बढ़ता अनुसंधान क्षेत्र है। हालांकि, भारत में परिदृश्य इतना प्रभावशाली नहीं है। बाकी विकसित देशों के साथ तालमेल रखने के लिए, हमारे देश के गणितज्ञों और जीवविज्ञानी दोनों को मानार्थ तरीके से काम करना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों और संस्थानों को जटिल जैविक परिघटनाओं को बेहतर ढंग से समझने और समझाने के लिए बायो - मैथेमेटिशियन और सिस्टम बायोलॉजी में अनुसंधान करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
2. **मौसम विज्ञान में गणित:** जलवायु परिवर्तन और मौसम पूर्वानुमान के पूर्वानुमान में गणित एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गणितीय मौसम विज्ञान वास्तव में एक अंतः विषय है जिसमें गणितज्ञ, भौतिक विज्ञानी और भू-वैज्ञानिक शामिल हैं। संख्यात्मक कम्प्यूटेशनल तकनीक विधियाँ, स्टोचस्टिक प्रक्रियाएं, डेटा विश्लेषण, जैसे संख्यात्मक सटीक मौसम भविष्यवाणी और चरम घटनाओं के लिए अपरिहार्य अंग हैं। भारत में तापमान और वर्षा में महान भिन्नता को ध्यान में रखते हुए, भविष्य के अनुसंधान को हमारे देश के सतत विकास के लिए गणित और मौसम विज्ञान के चौराहे पर लक्षित करना चाहिए।
3. **बड़ा-डेटा विश्लेषण:** गणितज्ञों सहित वर्तमान दिनों के वैज्ञानिकों के लिए सबसे चुनौती पूर्ण कार्यों में से एक है, बड़े जटिल डेटा सेट का विश्लेषण करना, इसमें छिपी जानकारी को उजागर करना और प्रवृत्ति और भविष्य के बारे में जानकारी देना। यह बड़ा डेटा विश्लेषण स्वास्थ्य, मौसम विज्ञान, शेयर बाजार, कृषि उद्योगों और अन्य क्षेत्रों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण और उपयोगी हो सकता है। इसके सम्भावित अनुप्रयोगों और उपयोगिता के बावजूद, भारत में पूर्वोक्त क्षेत्रों के लाभ के लिए

बड़े डेटा विश्लेषण का अभाव है। राष्ट्र के समग्र सामाजिक लाभों के लिए बड़े डेटा को उत्पन्न करने और उपयोग करने के लिए तत्काल ध्यान और आवश्यक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। हालांकि, इस मिशन को सफल बनाने के लिए डेटा संग्रह, डेटा मॉडलिंग, डेटा साझाकरण, डेटा संग्रहण और डेटा सुरक्षा के संदर्भ में वैज्ञानिकों के लिए एक बड़ी चुनौती है।

इसके अलावा, लागू कार्यात्मक विश्लेषण, बीजीय ज्यामिति, ग्राफ सिद्धान्त, जटिल विश्लेषण, संचालन अनुसंधान, गणितीय भौतिकी, कंप्यूटेशनल तरल गतिकी और संख्यात्मक अभिकलन जैसे विषयों में महत्वपूर्ण तनाव दिया जाना चाहिए।

## आयुर्विज्ञान (शरीर क्रिया विज्ञान सहित)

1. व्यावसायिक स्वास्थ्य और एर्गोनॉमिक्स के आवेदन का उपयोग देश के कार्यबल के व्यावसायिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। इस प्रकार श्रमिकों के नशे को कम किया जा सकता है और भारत के विकास के लिए कृषि और औद्योगिक क्षेत्र की उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। यह सिफ़ारिश की जाती है कि इस क्षेत्र में अनुसंधान की मात्रा पूरे भारत में विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और इंजीनियरिंग संस्थानों में बढ़ाई जानी चाहिए। इस अनुशासन को विज्ञान और इंजीनियरिंग के प्रासंगिक विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम में पेश किया जाना चाहिए। हर बड़े और मध्यम उद्योग में व्यावसायिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और एर्गोनॉमिस्ट होने चाहिए।
2. यह बताया जा सकता है कि भारत में कोई व्यापक शारीरिक डेटाबेस नहीं है। किसी भी देश के रोगियों की रोग संबंधी स्थितियों की पहचान के लिए राष्ट्रीय शारीरिक डेटाबेस का अत्यधिक महत्व है। डेटाबेस रोगों और उपचार के निदान के लिए पैथोलॉजिस्ट और चिकित्सा व्यवसायी के लिए सहायक होगा। समस्या का समाधान 'भारतीय शारीरिक सर्वेक्षण' स्थापित करके किया जा सकता है, जो राष्ट्रीय स्तर पर शारीरिक डेटाबेस बनाने के लिए उचित कदम उठा सकता है।
3. भारत में डायबिटीज, कैंसर, एड्स और अन्य जानलेवा बीमारियों का चलन बढ़ रहा है। विभिन्न आबादी और भौगोलिक क्षेत्रों में ऐसी बीमारियों की व्यापकता का अध्ययन करना बहुत आवश्यक है ताकि सरकार द्वारा उचित स्वास्थ्य योजना बनाई जा सके। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष बीमारी के लिए इसके अतिरिक्त ऐसी बीमारियों के आणविक आधार को समझने की आवश्यकता है। इसलिए, जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक और पोषण की स्थिति को देखते हुए अधिक शोध किया जाना चाहिए।
4. सरकार कुछ प्रचलित बीमारियों के उन्मूलन के लिए और लोगों के सामान्य स्वास्थ्य में सुधार के लिए उपयुक्त स्वास्थ्य नीति शुरू करनी चाहिए।
5. भारत के लोगों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति को देखते हुए दवा के विकास के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। भारत में आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए कम लागत वाली दवा के विकास पर जोर देना बहुत आवश्यक है।
6. मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल और बेसिक फिज़ियोलॉजिस्ट दोनों होने चाहिए जो कॉलेजों के शिक्षण और अनुसंधान घटक दोनों को मज़बूत करेंगे।

## नवजीवन विज्ञान (जैव रसायन, जैव भौतिकी और आणविक जैविकी एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)

1. नए जीव विज्ञान डोमेन में ज्ञान को "आधुनिक जीव विज्ञान" कहा जाता है, जो कि जैविक प्रणाली को समग्र रूप से समझने के लिए तेजी से बदल रहा है। कार्यात्मक जीव विज्ञान को समझने के लिए बुनियादी जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी,

गणित, अभिकलन और सांख्यिकी को एकीकृत करने वाले इस क्षेत्र में गतिशील पाठ्यक्रम को संबंधित व्यावहारिक और प्रशिक्षण पर विशेष जोर देने के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में पेश किया जाना चाहिए।

2. विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के बीच एकीकृत सहयोगात्मक अनुसंधान को आणविक स्तर पर जैविक प्रणाली को समझने के लिए दोनों में जोर दिया जाना चाहिए ताकि सटीक चिकित्सा के विकास के लिए विस्तार से जानकारी मिल सके।
3. कार्यात्मक जीनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स, मेटाबॉलिज्म और विभिन्न सेलुलर प्रोटीन मार्ग के परस्पर क्रिया के क्षेत्रों में अनुसंधान का अनुकरण स्वास्थ्य और खाद्य उत्पादन से जुड़ी लक्षित दवा खोज की सुविधा के लिए किया जाना चाहिए।
4. विभिन्न जैविक समस्याओं को हल करने के लिए शोधकर्ताओं के बीच नवीन क्षमता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रणाली विकसित की जानी चाहिए।

## भौतिक विज्ञान

1. विशेष बातचीत सत्र संबंधित अनुशासन के छात्रों, संकाय और कर्मचारियों के साथ नियोबल लॉरेट्स के साथ योजनाबद्ध होना चाहिए ताकि उन्हें नवीन अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया जा सके।
2. नए तकनीकी विकास प्रशिक्षण/ कार्यशाला के बारे में शिक्षाविदों के छात्रों संकायों और कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए पूरे देश में बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाना चाहिए।

## पादप विज्ञान

1. मजबूत ज्ञान आधार विकसित करने और युग वैज्ञानिक बल का उत्पादन करने के लिए व्यवस्थित और संरचनात्मक वनस्पति विज्ञान के संबंध में कोर वनस्पति विज्ञान के शिक्षण को मजबूत करने की आवश्यकता नहीं है।
2. वांछनीय और डिजाइनर पौधों के प्रकारों का एहसास करने के लिए आनुवंशिक हेरफेर के लिए बढ़ाया अवसरों का पता लगाने के लिए प्रजनन जीव विज्ञान और रूपात्मक और आणविक वास्तुकला सहित फार्म और संरचना की बेहतर समझ पर जोर दिया जाना चाहिए।
3. पोषक तत्वों और गैर - पोषक तत्वों के उत्थान की बेहतर समझ के लिए सेलुलर संरचनाओं और रिक्तियों के संगठन और कार्य पर अध्ययन, और कार्बन सीवेजेशन फंडिंग एजेंसियों के ध्यान के योग्य हैं।
4. उपन्यास जीनोमिक संयोजन और जीनोम पुर्नगठन को विकसित करने के लिए जीनोमिक हेरफेर को प्राप्त करने के लिए यह निकट और दूर के रिश्तेदारों में जीनोम और जीनोम विश्लेषण के संरचनात्मक संगठन के मायावीकरण पर जोर देने के लिए वांछनीय है।
5. हालांकि फाइटोमोलेक्यूल्स की एक बड़ी संख्या को फाइटो - दवाओं के स्रोत के रूप में पता लगाया गया है, लेकिन नए अनुप्रयोगों का पता लगाने के लिए बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है, जिसमें एलिलोकेमिकल्स की पहचान, नए क्रॉपिंग सिस्टम के लिए बायोपेस्टीसाइड्स और नए मॉडल जैसे कि सिनरहेबडिटिस एलिगेंस और ड्रोसोफिला जैसी प्रणालियों का उपयोग करके अपक्षयी रोगों का इलाज करना शामिल है।

## अन्य गतिविधियाँ ISCA अन्यान्य शाखाय

एसोसिएशन ने 1962-63 से भारत में विभिन्न केंद्रों में लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान आयोजित करना शुरू किया। यह योजना वर्ष भर विज्ञान के लोकप्रियकरण और उन्नति के लिए रचनात्मक कार्यों की परिकल्पना करती है। 1985-86 तक ये व्याख्यान पूरे देश में फैले सत्रह केंद्रों में वितरित किए जाते थे। हालांकि, 1986-1987 से क्षेत्रीय अध्यायों के गठन के साथ इसका पुनर्गठन किया गया था। ISCA का एक प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव को विकसित करना और युवा वैज्ञानिकों को इस दिशा में मौलिक, प्रयोगात्मक और परिचालन गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना है। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, ISCA ने भारत में अलग-अलग स्थानों पर 1986-87 से अध्याय शुरू किए। वर्तमान में सत्ताईस ISCA अध्याय इलाहाबाद, अमरावती, बैंगलोर, बड़ौदा, भोपाल, भुवनेश्वर, कोचीन, चेन्नई, कोयंबटूर, दिल्ली, धर्मनगर, हरिद्वार, हैदराबाद, इम्फाल, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, पटियाला, पटना, पांडिचेरी में हैं। रोहतक, सागर, शिलांग, शिमला, श्री नगर, तिरुपति।

### ISCA शाखाओं की संक्षिप्त रिपोर्ट

#### फोकल थीम: “भविष्य का भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी”

##### इलाहाबाद शाखा

संयोजक: डॉ. आई. आर. सिद्धिकी

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 22-24, 2019 के बीच “भविष्य का भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रो. आर. एल. हांगलू, कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो. मनोज के. चक्रवर्ती, ISCA के महाध्यक्ष मुख्य अतिथि थे। डॉ. ए. के. सक्सेना, डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, प्रो. एच. पी. तिवारी, डॉ. (श्रीमती) निवेदिता चक्रवर्ती, प्रो. आर. रामकृष्णन, डॉ. ए. के. दे, प्रो. जगदंबा सिंह और प्रो. अरुण कुमार इस अवसर पर सममानीय अतिथि थे। “कुंजी नोट व्याख्यान” डॉ. आलोक कालरा, निदेशक, CIMAP, लखनऊ द्वारा दिया गया था। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस – पृथ्वी के लोगों के लिए विज्ञान, और विज्ञान के लिए लोग, पृथ्वी दिवस – प्लास्टिक प्रदूषण का अंत और पर्यावरण दिवस – बीट प्लास्टिक प्रदूषण भी मनाया गया। “विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी” और IX – XII के छात्रों द्वारा बहस “भविष्य के भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर 4 मार्च, 2019 को, एमआरएस स्कूल और कॉलेज, झूंसी, इलाहाबाद में और “स्वच्छता और पर्यावरण” पर बात 16 मार्च, 2019 को एस. एस. महिला महाविद्यालय, सराईनायत, इलाहाबाद में भी आयोजित किया गया था।

##### अमरावती शाखा

संयोजक: डॉ. अतुल केशव राव बौड़खे

फॉरेस्ट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट चिखलदरा में 15वें – 17वें सत्र 2018 से “भविष्य के भारत के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी – पारिस्थितिक तंत्र के इंजीनियरों के रूप में मकड़ियों की भूमिका” पर तीन दिवसीय संगोष्ठी सह कार्यशाला आयोजित की गई। एफटीआई के निदेशक श्री बहाले उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष थे। कुल 50 वन रक्षकों, वनवासियों ने महाराष्ट्र के विभिन्न वन क्षेत्रों से भाग लिया और विशेषज्ञों ने डॉ. शाज़िया क्वासिन, जूलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया, पुणे एंड डॉ. राजशेखर हिप्पारगी प्राध्यापकों’ वालचंद कॉलेज, सोलापुर, ने मकड़ियों और वितरित वार्ता से संबंधित विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन किया। मकड़ी अनुसंधान प्रयोगशाला जे. डी. पातिल सांगलूदकर महाविद्यालय, दरियापुर, अराकनोलॉजी का भारतीय समाज, राजेश शाह

साइन्स कॉलेज, चंद्र रेलवे और CARS में है। कार्यशाला का आयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग, GVISH, अमरावती इंटर – यूनिवर्सिटी बेस्ट सेमिनार प्रतियोगिता के सहयोग से 15 मार्च, 2019 को जीवन विज्ञान के छात्र से किया गया था। इसी तरह, श्री शिवाजी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान और IQAC विभाग, ISCA के सहयोग से अकोला, अमरावती शाखा ने दिनांक 15/02/2019 को अंतर विश्वविद्यालय पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। आयोजन में कुल 78 छात्रों ने भाग लिया और जैविक विज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर पोस्टर प्रस्तुत किए।

## **बैंगलोर शाखा**

**संयोजक: डॉ. एस. रामकृष्ण**

JAIN (विश्वविद्यालय के रूप में समझा जाता है) के साथ मिलकर 9वें अगस्त 2018 को फोकल थीम: “भविष्य का भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी – जैव प्रौद्योगिकी में सीमांत अनुसंधान डोमेन” पर एक दिन का संगोष्ठी आयोजित किया गया। मुख्य भाषण और पूर्ण व्याख्यान IISC और अन्य अनुसंधान संस्थानों के संसाधन व्यक्ति द्वारा दिए गए थे। भविष्य के भारत पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन: विज्ञान और प्रौद्योगिकी – 10वीं और 11 अक्टूबर, 2018 को ऑक्सफोर्ड कॉलेज ऑफ साइंस के साथ एक स्थायी वैज्ञानिक संघ के लिए नए क्षितिज की खोज की गई। एक प्रमुख व्याख्यान, पंद्रह पूर्ण व्याख्यान और भौतिक के सामानांतर सत्र, कई पोस्टर प्रस्तुतियों के बाद रासायनिक, पर्यावरण और जैविक विज्ञान की व्यवस्था की गई थी। 30 वें 2018 को MVJ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के सहयोग से एक दिवसीय विज्ञान एक्सपो का आयोजन किया गया, जिसमें अलग अलग स्कूलों और बैंगलोर पूर्व के PU कॉलेजों के लगभग 820 छात्रों ने भाग लिया। विजेताओं को पदक, ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। 14वें और 15वें दिन, 2019 को “भविष्य के भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी: जीव विज्ञान में अनुसंधान नवाचार” पर जैव के साथ दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन प्रोफेसर गंगाधर, महासचिव, ISCA (सदस्यता कार्य) द्वारा किया गया और डॉक्टर सुन्दर राज, वाइस चांसलर ऑफ जैन समझे जाने वाले विश्वविद्यालय द्वारा अध्यक्षता की गई। प्रमुख व्याख्यान के साथ, पूर्ण और सामानांतर सत्र में उद्योग के विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चा हुई।

## **बड़ौदा शाखा**

**संयोजक: प्रोफेसर( श्रीमती) जी. संध्या किरण**

प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, एक स्कूल कार्यक्रम, एक कार्यशाला और शैक्षणिक वर्ष 2018-2019 में एक राष्ट्रीय सम्मलेन आयोजित किया गया। छात्रों के बीच प्राथमिक चिकित्सा के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थितियों के लिए प्रशिक्षित करने के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। स्कूली छात्रों के बीच स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूल कार्यक्रम आयोजित किया गया था। “जैव विविधता और सुदूर संवेदन” पर कार्यशाला में वैज्ञानिक/ इंजीनियर, शिक्षाविदों और वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, सांख्यिकी और जीवन विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले छात्रों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को विभिन्न प्रख्यात वक्ताओं द्वारा साझा मूल्यवान ज्ञान से लाभान्वित किया गया। “पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए आधुनिक विज्ञान के झुकाव” पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मलेन विज्ञान में घटना का अधिक ज्ञान था और यह युवा पीढ़ी की प्यास को पूरा करता है जो एक वैज्ञानिक के रूप में अपना करियर बनाना चाहते हैं।

## **भुवनेश्वर शाखा**

**संयोजक: डॉ काजल पराशर**

वाणी-विहार हाई स्कूल, भुवनेश्वर में 3 नवंबर, 2018 को विज्ञान लोकप्रियकरण कार्यक्रम आयोजित। भविष्य में भारत पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी 1-2 फरवरी 2019 को आयोजित, और ISCA, संकायों, वैज्ञानिकों, अनुसंधान

विद्वानों के अधिकारियों और ओडिशा के विभिन्न हिस्सों और देश के विभिन्न हिस्सों के छात्र ने भाग लिया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 वें फरवरी, 2019 को मनाया गया। विज्ञान दिवस व्याख्यान डॉ विष्णु प्रसाद बिस्वाल, अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट रिसर्च फेलो, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट जर्मनी द्वारा दिया गया। इस अवसर पर ए. पी. जे. अब्दुल कलाम इग्नाइट अवार्डों को भी सम्मानित किया गया।

## चेन्नई शाखा

संयोजक: प्रो० सी. मुथामिज़चेलवन

फोकल थीम “पहुँच से बाहर” के तहत वैज्ञानिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए और आसपास के क्षेत्रों में चौदह अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन किया। इसमें विभिन्न प्रतिष्ठित कॉलेजों/ संस्थानों के साथ संबद्धता में चार 2-दिवसीय कार्यशालाओं और दस 1-दिन की गतिविधियों का संचालन शामिल है। सभी गतिविधियाँ मानवता के कल्याण और लाभों के लिए वैज्ञानिक तकनीक विकास को लोकप्रिय बनाने के लिए थीं, और कुछ ने वास्तविक समय के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने का नेतृत्व किया। एक अलग कार्यशाला में, “हाउ टु ब्रिज दि गैप बिटवीन इंडस्ट्री एंड एकाडमिया”, “हाउ टु राइट एन एफेक्टिव पेपर”, “इण्डिया’स परस्युट ऑफ़ हैप्पीनेस”, जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे, इसके बाद आर एंड डी क्षेत्र में नियम के लिए प्रभावी कार्यान्वयन। महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम और साइबर सुरक्षा में “मूल्यवान मानव संसाधन” के रूप में महिलाओं के महत्व और उनसे जुड़ी चुनौतियों को प्रतिभागियों के बीच साझा किया गया। इसके अलावा, “गाँधीयन मूल्यों” की संयुक्त घटनाओं, समकालीन मूल्यों, नैतिकता, मानव पर्यावरण के प्रभावों को सूचित करने के लिए सभी मुख्य आकर्षण थे। सर्किट लघुकरण के लिए रोडमैप, कस्टम निर्मित घटक, सतत विकास के लिए आयुर्वेद ने झलक दिखाई।

## कोचीन शाखा

संयोजक: प्रो० डॉ० के. बी. जयचंद्रन

रासायनिक स्वच्छता योजना पर आयोजित आमंत्रित वार्ता, रसायन विज्ञान प्रयोगशालाओं, एस. एन. कॉलेज, चेरथला, बी. सियाद, केरला सरकार, में प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। डॉ० टी. वी. शंकर, डॉ० कुपोस, युवा शोधकर्ताओं को प्रेरित करने और अनुसंधान, एस. एन. कॉलेज, चेरथला में आत्मविश्वास का निर्माण, युवा दिमाग में अनुसंधान, ISCA के जम्मु शाखा द्वारा इनकेलकेटिंग जागरूकता कार्यक्रम: प्रो० रीना दादा, प्रमुख, विभाग शरीर रचना विज्ञान, AIMS, लोग के शारीरिक पहलुओं पर नई दिल्ली से VG कॉलेज, कोल्लम, पी. जी. कॉलेज, कोल्लम; स्कूल के बच्चों और शिक्षकों के लिए, HSC कणिचुकुलानगारा, चेरथला के स्थानीय लोग, डॉ० श्रीकांत मल्लन और डॉ० दिव्या आशा कार्यकर्ताओं को मौखिक स्वच्छता और संबंधित रोगों पर दिव्यांगता; जिला जज श्री जस्टिस पंचपकेशन द्वारा उदघाटन किया गया, शिशु क्षेमा समिति, अलाप्पुझा में स्कूली बच्चों के लिए कानूनी जागरूकता कार्यक्रम, एडवोकेट सीमा, एडवोकेट जलाजा चन्द्रन और श्री शाह जी द्वारा विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों की व्याख्या, एक्ट 2016। डॉ० हरिकुमार, राज्य आयुक्त, डॉ० पवित्राण प्रशिक्षण सह कृषि संगोष्ठी: वरनम बैंक सभागार में, श्री के. वी. शाह जी, KAU, श्री टी. एस. विश्वन मरारीककुल्लम उत्तर पंचायत में 38 तालाबों के कृषि अधिकारी संरक्षण, रोपण, महात्मा गाँधीजी के 150 वें जन्मदिन के भाग के रूप में, NSS स्वयंसेवकों ने काँचुकुलगारा में 30 तालाबों का संरक्षण किया। भविष्य के भारत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी - एकीकृत वैज्ञानिक अनुसंधान में प्रगति, 15-16 वें जनवरी, 2019 एमएसएम कॉलेज कयाकमुलम में। प्रो० डॉ० कुलदीप शर्मा, सत्रीय अध्यक्ष, ISCA ने मुख्य टिप्पणी दी और अन्य वक्ताओं ने अंतः विषय वार्ता दी।

## कोयम्बटूर शाखा

संयोजक: डॉ० सी. ए. वासुकी

इस वर्ष के दौरान 29 कार्यक्रमों/ गतिविधियों का आयोजन राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में जागरूकता, अनुसंधान और नवाचार के हाल के रुझानों को जानने और शोधकर्ताओं को समाज के लाभ के

लिए बेहतर परिणाम के साथ गुणवत्ता अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए किया गया। आयोजित किए गए कार्यक्रमों में 12 कार्यशालाएँ, 2 विशेष व्याख्यान, 1 विशेष कार्यक्रम, 4वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्सव, 5 सेमिनार, 3 प्रशिक्षण पर हाथ, 1 संगोष्ठी, 2 सम्मेलन, 2 जागरूकता कार्यक्रम और 3 दिनों के लिए विज्ञान दिवस समारोह थे। स्कूल और कॉलेज स्तर पर छात्रों, किसानों और ग्रामीण महिलाओं को इन कार्यक्रमों से लाभ मिला है।

### **धर्मनगर शाखा**

**संयोजक: डॉ० शांतनु घोष**

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, मोहनपुर, पश्चिम त्रिपुरा, महाराजा बीर विक्रम कॉलेज, अगरतला, कार्यशाला, सेमिनार, कार्यशाला और अंतर विभागीय परियोजना आधारित प्रतियोगिता का आयोजन, मोहनपुर उप खंड के स्कूली छात्रों के बीच भविष्य की भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता पर कार्यशाला आयोजित किया गया। सरकारी डिग्री कॉलेज, कंचनपुर द्वारा आयोजित, कंचनपुर उप खंड के स्कूली छात्रों के बीच सरकारी डिग्री कॉलेज, धर्मनगर, कार्यशाला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन।

### **हरिद्वार शाखा**

**संयोजक: प्रो० (डॉ०) रजनीश दत्त कौशिक**

योग विभाग, गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के सहयोग से 21 जनवरी, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसमें लगभग 250 लोगों ने भाग लिया। विज्ञान संचारकों का चयन 21.10.2018, 11:00 बजे रसायन विज्ञान विभाग, गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में हुआ। दो उम्मीदवारों का चयन किया गया और उनके नामों को ISCA मुख्यालय भेज दिया गया। शाखा ने वर्ष 2015 में गाँव में शौचालय, बाथरूम और अन्य कार्यों का ध्यान रखा। 2015 में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्म का 150वाँ वर्ष, ISCA द्वारा मनाया गया: हरिद्वार शाखा और गाँव मुंडियाकी के भीतर स्वच्छता गतिविधियों का प्रदर्शन किया, 2015 में शाखा द्वारा अपनाया गया था। 02 अक्टूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 13 से 14 अक्टूबर, 2018 को जैविक विज्ञान विभाग, CBSH, जी. बी. पंत के सहयोग से किया गया था। जी. बी. पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर US नगर, उत्तराखंड। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन राजकमल विज्ञान और प्रबंधन महाविद्यालय, वहादराबाद, हरिद्वार में 28, 2019 को सुबह 11:00 बजे से किया गया था। इस वर्ष के दौरान विज्ञान के कारण के प्रसार के लिए कुल 03 आमंत्रित वैज्ञानिक वार्ताएं आयोजित की गई थी।

### **हैदराबाद शाखा**

**संयोजक: प्रो० बी. सत्यनारायण**

RBVRR महिला महाविद्यालय, नारायणगुडा, हैदराबाद में 16 अगस्त, 2018 को फोकल थीम पर “इंटर कॉलेजिएट प्रतियोगिता” डी-31-10-2018, में MVSR इंजीनियरिंग कॉलेज हैदराबाद में भौतिक विभाग में “भौतिक और विज्ञान में नवाचार – 2018” आयोजित की गई। विज्ञान मानविकी विभाग में “इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में स्मार्ट सामाग्री की भूमिका – (RSIT – 2018)” पर संगोष्ठी 19-11-2018 को मातृश्री इंजीनियरिंग कॉलेज, नादुरगुल, हैदराबाद में विज्ञान और मानविकी विभाग में आयोजित की गई। “राष्ट्रीय आवर्त सारणी दिवस - 2019” रसायन विभाग विश्वविद्यालय, ओस्मानिय विश्वविद्यालय के कॉलेज, 7 फरवरी, 2019 की अंतर्राष्ट्रीय वर्ष की पूर्व संध्या पर यूनेस्को द्वारा घोषित के रूप में आयोजित किया गया था। कार्यकलाप का उद्घाटन प्रो० के. प्रताप रेड्डी, प्रिंसिपल, मुख्य अतिथि के रूप में द्वारा किया गया था। और रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो० सरला ने सत्र की अध्यक्षता की इस आयोजन में 80 बैचों में 40 स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया और क्विज़, पजल गेम्स आदि में 6 राउंड आयोजित किए गए। “राष्ट्रीय विज्ञान दिवस - 2019” का आयोजन यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइन्स, सातवाहन विश्वविद्यालय, करीमनगर, तेलंगाना राज्य में किया गया था। समारोह में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में

निबंध लेखन और सभी संकायों के छात्रों के लिए वाक्पटुता प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। लगभग 80 छात्रों ने पोस्टर प्रस्तुत किए; पुरस्कार वितरण समारोह में प्रो. उमेश कुमार, रजिस्ट्रार, मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। और अध्यक्षता प्रिन्सिपल द्वारा की गई। फार्मास्यूटिकल के नालंदा कॉलेज, नालगोंडा जिले के तेलंगाना राज्य में 29-03-2019 को “भविष्य के भारत में फार्मास्यूटिकल विज्ञान में नवाचार” पर एक दिन का राष्ट्रीय सेमिनार रखा गया। कार्यक्रम “विज्ञान संचार” पर चयन समिति, औरोरा कॉलेज में आयोजित की गई थी, और उम्मीदवारों का चयन किया गया था।

## **इम्फाल शाखा**

**संयोजक: प्रो. अरुण कुमार**

बच्चों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विश्व छात्र दिवस, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। अबुलपाकी जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम एक वैज्ञानिक थे जिन्होंने अपने मिसाइल रक्षा कार्यक्रम से भारत को गौरवान्वित किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में उनका योगदान अविस्मरणीय है। कई परियोजनाओं का नेतृत्व उनके द्वारा किया गया था जैसे कि रोहिणी का प्रक्षेपण – 1, परियोजना शैतान और परियोजना बहादुर और विकासशील मिसाइलों। भारत की परमाणु शक्ति को बढ़ाने में उनके महान योगदान के लिए, उन्हें लोकप्रिय रूप से “भारत के मिसाइल मैन” के रूप में जाना जाता है लेकिन उनकी पसंदीदा नौकरी सिख रही थी और यही वह चाहते थे कि दुनिया उन्हें याद रखे। शिक्षा के प्रति उनके प्रेम के कारण छात्रों और शिक्षा को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के कारण, एकजुट राष्ट्रों ने 2010 में उनके जन्मदिन को “विश्व छात्र दिवस” के रूप में घोषित किया। यह 15 अक्टूबर 2018 को मणिपुर विश्वविद्यालय में मनाया गया और स्कूली बच्चों की संख्या को डॉ. कलाम के पुराने विडियो के माध्यम से जागरूकता पैदा करने के लिए आमंत्रित किया गया। यह बहुत सराहना की गई थी।

## **जयपुर शाखा**

**संयोजक: डॉ. पायल लोधा**

पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, छात्र दिवस, महिला दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, योग दिवस के रूप में समारोह मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर स्वच्छ भारत अभियान पर व्याख्यान और परिचर्चा, वनस्पति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में कॉलेज के छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और रोपण का आयोजन किया गया। एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मशरूम और स्पाइसलिना के वाणिज्यिक तरीके से किया जाता है: 11वीं मार्च, 2019 को वनस्पति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में एक कम लागत में की शुरुआत की गई। सामान्य स्वास्थ्य मुद्दों, तकनीकों के उपयोग, चित्रकारी प्रतियोगिता, भारत और विश्व में स्कूली विज्ञान से संबंधित वर्तमान मामलों और सरकार पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता पर इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन सिंधी उच्च माध्यमिक विद्यालय, जयपुर में किया गया।

## **कानपुर शाखा**

**संयोजक: डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना**

21 जून, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, जहाँ इंटर कॉलेज के शिक्षकों ने भाग लिया और ISCA के आजीवन सदस्यों ने ग्रीन पार्क स्टेडियम में 17 सितंबर, 2018 को हिंदी पखवाड़ा और हिंदी में विज्ञान कांग्रेस की फोकल थीम और हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। 25 अक्टूबर, 2018: हिंदी सप्ताह समारोह का आयोजन डॉ. सुजाता वर्मा की याद में किया गया था, एस. एन. सेन डिग्री कॉलेज में, जिसका उद्घाटन CSJM विश्वविद्यालय, कानपुर, 25 सितंबर, 2018 को कुलपति द्वारा किया गया था। हिंदी लेखक से उनके जीवन और हिंदी साहित्य में उनके योगदान के बारे में बात करें। 10 अक्टूबर, 2018: विज्ञान कांग्रेस के फोकल विषय पर निबंध प्रतियोगिता नवंबर, 2018, विज्ञान संचारकों का चयन जहाँ कई अनुसंधान विद्वानों और कॉलेज

के शिक्षकों ने इस चयन प्रक्रिया में भाग लिया। 06 नवंबर, 2018: महिला विज्ञान कांग्रेस के लिए महिला वैज्ञानिक का चयन, 23 से 25 नवंबर, 2018, - भविष्य के भारत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी उमाकांत सिंघा मेमोरियल अवार्ड “डॉ. अरुण कुमार शुक्ला, सहायक प्राध्यापक, जैविक विज्ञान और जैव इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, को दिया गया। 19 दिसंबर 2018: पुरस्कार वितरण, 28वाँ फरवरी, 2019 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया।

## **कोलकाता शाखा**

### **संयोजक: प्रो. तुषारकांति घोष**

एक राष्ट्रीय संगोष्ठी, 5 वैज्ञानिक संगोष्ठी एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया और राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2018-19 मनाया। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी “भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” के फोकल थीम पर सिटी कॉलेज कोलकाता में आयोजित की गई थी। डॉ. मनोज के. चक्रवर्ती, डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना, डॉ. अशोक के. सक्सेना प्रो. रणजीत के. वर्मा, डॉ. निवेदिता चक्रवर्ती और अन्य संगोष्ठी में विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और शोध संस्थानों के लगभग 300 वैज्ञानिकों, छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में पोस्टर प्रस्तुति के अलावा संगोष्ठी में नब्बे वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुत किए गए। मुद्रित कार्यवाही प्रतियोगिताओं के बीच वितरित की गई। ISCA कोलकाता शाखा ने अलग - अलग स्कूल और कॉलेजों में फोकल थीम पर 5 सेमिनार आयोजित किए, जैसे कि पाथर प्रतिभा महाविद्यालय (दक्षिण 24 परगना), दुर्गापुर पैरामेडिकल कॉलेज (पश्चिम वर्धमान), विद्यानगर जिडी विद्यामंदिर (पूर्व वर्धमान) और कोलकाता विक्टोरिया संस्थान (महाविद्यालय) में भी। ISCA कोलकाता चैप्टर ने स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन चुपी (नदिया) में किया।

## **पटियाला शाखा**

### **संयोजक: डॉ. परमवीर सिंह**

डीएवी स्कूल में पर्यावरण संरक्षण के लिए विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें पटियाला के सभी स्कूलों के छात्रों ने अपने मॉडलों की प्रस्तुति के लिए भाग लिया। लगभग 37 स्कूलों और 10वीं कक्षा के लगभग 247 छात्रों ने पर्यावरण अलग के विभिन्न पहलुओं को विशेष संदर्भ में कुशल व्यवहार वाले विज्ञान के साथ प्रदर्शित किया। खालसा कॉलेज, महालपुर जिला होशियारपुर में 28 फरवरी, 2019 को विज्ञान दिवस मनाया गया। इस आयोजन के दौरान 13 महाविद्यालयों के विज्ञान वर्ग के छात्रों ने भाग लिया था। प्रख्यात वक्ता ने इस अवसर पर विचार-विमर्श किया और लोगों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए विकास के बारे में जागरूक किया। 13 मार्च, 2019 को एक इंटरकॉलेज विज्ञान प्रतियोगिता जीटीबी खालसा कॉलेज, आनंदपुर साहिब में आयोजित की गई, जिसमें 43 कॉलेजों के 500 छात्रों ने भाग लिया था, विज्ञान शृंखला व्याख्यान मानव आनुवंशिकी विभाग, पंजाबी स्कूल, पटियाला में किया था। प्रो. एस. सी. सोफती ने 21वीं सदी में विज्ञान और जीवन विषय पर विचार विमर्श किया। 27 मार्च, 2019 को पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में एक दिवसीय पीएचडी विद्वान कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

## **पटना शाखा**

### **संयोजक: डॉ. शिव सत्य प्रकाश**

गांधी जी का 150वाँ जन्मदिन 2 अक्तूबर, 2018 को जे. पी. कॉलेज, नारायणपुर, नाउचिया, भागलपुर में मनाया गया। सुश्री निधि रानी, IPS, श्री एस. पी. नाउचिया मुख्य अतिथि थे। समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्यों और गांधीजी द्वारा दिये गए सबक को कई प्रवक्ताओं ने विस्तार से बताया। ISCA पटना शाखा के सहयोग से पटना महिला कॉलेज में 27 और 28 नवंबर 2018, को “जैविक विज्ञान के नए क्षितिज: लाभ और चुनौतियां” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

गया। इस संगोष्ठी में पारिस्थितिक संरक्षण, नैनोटेक्नोलॉजी का बढ़ता हुआ अनुप्रयोग, फसल – सुधार, आनुवंशिकी और पादप विच्छेदन पर प्रकाश डाला गया। फोकल थीम “भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन तारामंडल, पटना में 10वीं दिसंबर, 2018 को किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष, ISCA और अध्यक्षता डॉ. मनीज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, ISCA, डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA ने स्मारिका जारी की। डॉ. शिव सत्य प्रकाश, संयोजक द्वारा अतिथि का स्वागत किया गया। डॉ. डी. कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। प्रो. एच. पी. तिवारी, पूर्व महासचिव, डॉ. रणजीत कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष और डॉ. अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव, ISCA उपस्थित थे। डॉ. सक्सेना ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुसंधान, विकास और जानकारी के अनुप्रयोग के बारे में बात की। डॉ. चक्रवर्ती स्वस्थ क्षेत्र के बारे में उभरते और फिर से गैर – संचारी रोगों आदि की तथ्यात्मक बीमारियों की समस्या उभर रहे हैं पर चर्चा करते हैं।

## पांडिचेरी शाखा

**संयोजक: डॉ. व्ही अमौदा**

“भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया, साथ ही पांडिचेरी विश्व विद्यालय, जैव सूचना विज्ञान और पांडिचेरी विज्ञान मंच के लिए 28 फरवरी, 2019 को 325 छात्रों, 32 स्कूलों के 56 शिक्षकों और आनंदा रंगपिल्लई सरकारी विशेष स्कूल से 60 विशेष बच्चों को शामिल किया गया। पिलिचावाड़ी में अलग – अलग बच्चों के लिए और सथ्या विद्यालय, पुडुचेरी के 140 छात्रों ने भाग लिया। श्री बी. रविचंद्रन, महासचिव, पांडिचेरी विज्ञान मंच और प्रो. एन. पार्थसारथी, डीन, स्कूल ऑफ लाइफ साइन्सेज ने भाषण दिया। प्रो. गुरमीत सिंह, कुलपति, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने उद्घाटन भाषण दिया। डॉ. आर रथीनमाला, अनुसंधान अधिकारी, सिद्ध क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान ने “स्वस्थ शरीर और स्वस्थ दिमाग” पर विशेष व्याख्यान दिया। मौज मस्ती के लिए क्विज, विज्ञान, स्टिक और विज्ञान जो उत्सव का मुख्य आकर्षण है, विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों के काम की गुणवत्ता को दर्शाता है।

## रोहतक शाखा

**संयोजक: प्रो. एस. पी. खटकर**

एम. डी विश्वविद्यालय, रोहतक में “रासायनिक विज्ञान में वर्तमान रुझान” पर एक दिन का राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया। अलग - अलग गाँव के विद्यालयों में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजन किया गया: स्वच्छ भारत, स्मार्ट डस्टबिन, इकोफ्रेंडली स्मार्ट सिटी आदि। तब शाखा ने एक दिन के लिए जी. एम. एन। कॉलेज अंबाला कैट और प्रौद्योगिकी” पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था और डॉ. ए. के. सक्सेना द्वारा 12 -13 फरवरी, 2019 को एम. डी. विश्वविद्यालय रोहतक में उद्घाटन किया ज्ञ था। डॉ. मनोज के. चक्रवर्ती, प्रो. के. एस. रंगप्पा, प्रो. पी. पी. माथुर, प्रो. एच. पी. तिवारी, और डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना ने इस अवसर पर आभार व्यक्त किया। एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आर्य पी. जी. कॉलेज, पानीपत, हरियाणा के सहयोग से 27-28 फरवरी, 2019 को आयोजित किया गया था। विज्ञान दिवस 28 फरवरी को आर्य पीजी कॉलेज, पानीपत और रसायन विज्ञान में एम. डी. विश्वविद्यालय, रोहतक में मनाया गया। 27 मार्च, 2019 को सोनपत में, “बेहतर जीवन के लिए रसायन विज्ञान” पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

## सागर शाखा

**संयोजक: डॉ. (श्रीमती) कल्पना जैन**

21 जून, 2018 को BTIE, मैकरोनिया, सागर, (मध्यप्रदेश) में 100 छात्रों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने विश्व योग दिवस मनाया। भारतीय विज्ञान कांग्रेस के भाती विषय “भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” के दो दिनों के राष्ट्रीय सेमिनार

को हरि सिंह गौर विश्व विद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश), नवंबर 15-16, 2018 के दौरान आयोजित किया गया। लगभग 2000 प्रतिनिधियों ने संगोष्ठी में भाग लिया और विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में पोस्टर और मौखिक प्रस्तुतियों के रूप में शोध पत्र प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह 28, फरवरी, 2019 को BTIE, मैकरोनिया, सागर में मनाया जाता है। समारोह में लगभग 100 छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

## शिलांग शाखा

**संयोजक: डॉ. देवेश वालिया**

22 अप्रैल, 2018 को पृथ्वी दिवस का आयोजन, 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस: 8 जून, 2018 को ISCA व्याख्यान शृंखला का आयोजन उत्तर-पूर्वी भारत: मुद्दे और चुनौतियों, मंगल पर जीवन है? और “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के बुद्धिमान उपयोग” पर व्याख्यान के साथ आयोजित किया गया था। 21 जून, 2018 को विश्व योग दिवस; ISCA व्याख्यान शृंखला “ब्रह्मपुत्र के पहले नक्शे पर कलकत्ता और ऑक्सफोर्ड डाइवर्सनस मार्क डेविस, ऑक्सफोर्ड, UK” के साथ 19 नवंबर, 2018 को विश्व जल दिवस, 23 मार्च, 2019 को, महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक वार्ता प्रो. फैबियो स्क्रियलवी द्वारा, भारत के धर्मों और दर्शनों के प्रोफेसर और पूर्व में, Basilicata अध्ययन विश्वविद्यालय “महात्मा गाँधी, अतीत भारत के एक व्यक्ति, वर्तमान विश्व समाज के लिए एक मार्गदर्शक, और भविष्य के लिए एक प्रकाश”, 26 नवंबर, 2018 को मानव जाति का आयोजन किया गया था; महात्मा गाँधी, अतीत भारत के एक व्यक्ति, वर्तमान विश्व समाज के लिए एक मार्गदर्शक, और भविष्य के लिए एक प्रकाश मानव जाति को” 26 नवंबर, 2018 को आयोजन किया गया था। महात्मा गाँधी और प्रो. व्ही एलविन, उत्तर-पूर्वी भारतीय जनजातियों के पिता पर 26 नवंबर, 2018 को प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरी और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था। भूकंप के खतरों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: धारणा, शमन, NEHU, शिलांग में 9वीं और 10वीं नवंबर, 2018 को संयुक्त राष्ट्र के साथ शमन और प्रबंधन का आयोजन किया गया था। “जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और टिकाऊ कृषि (ICCBSA – 2018)” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन AAU, जोरहाट के साथ संयुक्त रूप से 13 – 16 दिसम्बर, 2018 को AAU, जोरहाट, असम में आयोजित किया गया था।

## शिमला शाखा

**संयोजक: डॉ. (श्रीमती) नीरज शर्मा**

राष्ट्रीय संगोष्ठी का शीर्षक “भारतीय विज्ञान का जश्न: अतीत से सबसे भविष्य तक” 13 सितंबर 2018 को सेंट बेडे कॉलेज, शिमला में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 300 छात्रों ने भाग लिया। 22 सितंबर, 2018 को UIIT, HPU, शिमला में 4 आमंत्रित वार्ता और लगभग 170 प्रतिभागियों के साथ “भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी अतीत, वर्तमान और भविष्य” नमक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एचपीयू, शिमला में बीआईसी, एचपीयू, शिमला के साथ संयुक्त रूप से 26 वें और 27 वें दिसम्बर, 2018 को “रासायनिक, भौतिक और जीवन विज्ञान में उभरते अनुसंधान रुझानों” नमक दो दिनों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रो. आर. एस. चौहान माननीय उपकुलपति, एचपीयू, शिमला सममानीय अतिथि थे। 3 आमंत्रित व्याख्यान और लगभग 200 प्रतिभागी थे। एक स्मारिका एयर अमूर्त पुस्तक का विमोचन किया गया। सरकारी कॉलेज, कुल्लू में, “आपदा प्रबंधन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 14 और 15 दिसम्बर 2018 को संयुक्त रूप से विज्ञान भट्टी के साथ आयोजन किया। एक दिन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन “वैज्ञानिक विकास: उत्कृष्टता की खोज (IYPT 2019)” 14 मार्च, 2019 को APG शिमला विश्वविद्यालय में किया गया जिसमें प्रो. अरविंद कालिया, अध्ययन के डीन एचपीयू, शिमला मुख्य अतिथि थे। 3 आमंत्रित व्याख्यान और लगभग 110 प्रतिभागी थे। दो विज्ञान संचारकों को चुना गया जिन्होंने एलपीयू जलंधर में 106 वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं।

## श्रीनगर शाखा

संयोजक: डॉ. उलफत जान

शिक्षा के मंदर टेरेसा मेमोरियल कॉलेज, तांगमर्ग, कश्मीर में 03.08.2018 को “भविष्य के भारत – विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के विचार – विमर्श में सक्रिय रूप से कश्मीर घाटी के विभिन्न कॉलेजों के 150 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. ए. के. सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष, ISCA और इस अवसर पर विजय लक्ष्मी सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA सम्मानित अतिथि थे। विभिन्न डिग्री कॉलेजों के वक्ताओं ने वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला और कुछ वक्ताओं ने प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग पर भी बात की। राष्ट्र के पिता के जन्म के 150 वें वर्ष पर “स्वच्छता को बढ़ावा देने” पर एक सप्ताह लंबी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, शादाब उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नसीम वाघ, श्रीनगर, कश्मीरी के सहयोग से 9 अक्तूबर को आयोजित किया गया, जिसमें कुल 300 छात्र थे। प्रतियोगिता में बैठे और विजेताओं को प्रमाण – पत्र के साथ नगद पुरस्कार दिए गए। इंजीनियर मेहराज मलिक, एक सामाजिक कार्यकर्ता ने स्वच्छता को बढ़ावा देने पर बात की और छात्रों को इसके महत्व के बारे में जागरूक किया।

## तिरुपति शाखा

संयोजक: प्रो. आर रामामूर्ति

विभिन्न स्थानों पर छात्रों और समुदायों को आमंत्रित करके विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व पृथ्वी दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, वन दिवस और जल दिवस पर बैठकों का आयोजन किया गया। मातृ पृथ्वी के गौर – संरक्षण के नतीजों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। विज्ञान संचार संगोष्ठी आयोजित की गई थी। राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधनों के विकास और भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षण पर आयोजित व्याख्यान, स्थानीय छात्रों के अलावा पर्यावरण, ऊर्जा, प्रदूषण, जैव विविधता की व्याख्या करने के लिए कॉलेज के छात्रों के लिए क्षेत्र का दौरा किया गया। राष्ट्रीय देव समुदाई और तिरुपति नगर निगम के सहयोग से पर्यावरण के संरक्षण पर घरेलू खाद बनाने और महिलाओं को जागरूक करने के लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

## भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में हिंदी सप्ताह समारोह का आयोजन हिंदी सप्ताह समारोह का अवलोकन

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में दिनांक 13.09.2018 को हिंदी सप्ताह का उद्घाटन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव ने किया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर अरुण कुमार पाण्डेय, सहायक कार्यकारी सचिव भी उपस्थित थे। हिंदी सप्ताह समारोह में बहुत सी प्रतियोगिताएँ रखी गईं और लोगों ने खूब मजे लेकर इसमें भाग लिए। दिनांक 19.09.18 को संस्था के हिंदी सप्ताह समारोह का समापन सत्र हिंदी कार्यशाला से मनाया गया। श्री कैलाश नाथ यादव, सदस्य सचिव, नराकास ने हिंदी कार्यशाला लिए। इस कार्यक्रम के पुरस्कार वितरण समारोह में डॉक्टर मनोज कुमार चक्रवर्ती, भूतपूर्व महाध्यक्ष उपस्थित थे और वे अपने कर कमलों से प्रतिभागियों को पुरस्कृत किए।

### प्रकाशनों

द्वि वार्षिक जर्नल “एवरीमैन्स साइंस” (वॉल्यूम LIII नं 1-6) को तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकाशन थे। आई. एस. सी. ए डायरेक्टरी 2018-19 वार्षिक प्रतिवेदन सिनोप्सिस ऑफ द प्रजेन्टेशन ऑफ आई. एस. सी. ए यंग साइंटिस्ट एवार्डीज फॉर 106 वाँ आई. एस. सी. अब्सट्रैक्ट्स ऑफ बेस्ट फेस्टर अवार्ड प्रोग्राम फॉर 106 वाँ ISC एंड प्रोसिडिंग्स ( कन्टेनिंग प्रेसिडेन्सियल एड्रेस, एब्सट्रैक्ट्स ऑफ प्लैटिनम जुबली लेक्चर, एवार्ड्स लेक्चर, पेपर्स प्रेजेन्टेड विभिन्न अनुभागों के आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला।

### अन्य विषयक्रम

#### भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की बैठकें

वर्ष 2018-19 में विभिन्न निकायों के निम्नलिखित बैठकें आयोजित की गईं।

निकायों के नाम	आयोजित बैठकों की अवधि
कार्यकारिणी समिति	मई 4, 2018, अक्तूबर 4, 2018 जनवरी 02, 2019 (जनवरी 02, 2019 तक स्थगित किया गया)
परिषद	मई 5, 2018 और अक्तूबर 4, 2018 और जनवरी 02, 2019 (जनवरी 07, 2019 तक स्थगित किया गया)
वित्त एवं स्थापन समिति	मई 4, 2018 और अक्तूबर 04, 2018 जनवरी 02, 2019
सलाहकार समिति	मई 4, 2018 और अक्तूबर 04, 2018 जनवरी 02, 2019

उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त, दो बैठकें महाध्यक्ष का 106वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागीय अध्यक्षों के साथ मई 05, 2018 और अक्तूबर 05, 2018 को आयोजित की गईं। इसके साथ ही, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के शाखाओं के संचालकों के साथ जनवरी 07, 2019 को बैठक आयोजित की गई।

## भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का 2018 -19 के दौरान अन्य संगठनों में प्रतिनिधित्व

**भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली: -**

प्रो० आर. रामामूर्ति, महाध्यक्ष (2007-08), ISCA, अध्यक्ष, RFSD - RCE, तिरुपति; INSA मानद वैज्ञानिक, पूर्व कुलपति, श्री वेंटकेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति; (धर्माधिकारी, श्री श्रृंगेरी शंकर मठ), निवास: ए - 9, बैकुंठपुरम, एम. आर. पल्ली, तिरुपति - 517 502।

**चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के स्नातकोत्तर संस्थान, चंडीगढ़**

प्रो० बी. पी. चटर्जी, पूर्व महासचिव, ISCA, अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, पश्चिम बंगाल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सेक्टर - 1, बी. एफ. - 142, सॉल्ट लेक कोलकाता।

**जे. आई. पी. एम. ई. आर, पुडुचेरी (जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्ष एवं अनुसंधान संस्थान):**

डॉ अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष (2015-16) और पूर्व महासचिव, ISCA, पूर्व डीन, विज्ञान संकाय, CSJM विश्वविद्यालय, कानपुर; 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर - 208 002, उ. प्र.

**राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी, गुड़गांव**

डॉ० एन. पी. बासु, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA, तकनीकी सलाहकार, कोलकाता नगरनिगम, कोलकाता।

**चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान(AIIMS), नई दिल्ली**

डॉ (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA, समन्वयक - DBT के जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा केंद्र (भारत सरकार), पूर्व प्राणी शास्त्र के प्रमुख, दयानंद गर्ल्स स्नातकोत्तर कॉलेज, कानपुर; सदस्य: अकादमिक परिषद, KIIT विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; सदस्य: अकादमी परिषद, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर; प्रबंध संपादक, एवरीमैन्स साइंस, ISCA, कोलकाता।

**चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, भुवनेश्वर:**

डॉ अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष (2015-16) और पूर्व महासचिव, ISCA, पूर्व डीन, विज्ञान संकाय, CSJM विश्वविद्यालय, कानपुर।

**चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, जोधपुर:**

प्रो० डॉ० रणवीर चंद्र सोबती, महाध्यक्ष, 2013-14, ISCA, कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226 025

**चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, पटना:**

प्रो० एस. एस. कटियार, पूर्व महाध्यक्ष, ISCA और पूर्व कुलपति, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर और कुलपति, सी. ए. कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ (देहावसान हो गया)

**चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, रायपुर**

प्रो० एच. पी. तिवारी, पूर्व महासचिव, ISCA, इलाहाबाद

## चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, ऋषिकेश

डॉ० मनोज कुमार चक्रवर्ती, पूर्व महाध्यक्ष (2018-19), ISCA, ICMR एमेरिटस चिकित्सा, वैज्ञानिक, पूर्व वैज्ञानिक जी (निदेशक ग्रेड) और प्रधान, पैथोफिजियोलॉजी प्रभाग, राष्ट्रीय हैजा और आँतो के रोग संस्थान (ICMR) कोलकाता।

### सदस्यता

विभिन्न सदस्यता वर्गों का त्रिवार्सिक झुकाव निम्नोक्त तालिका से परिलक्षित होता है।

	104 वाँ सत्र(2016-17)	105 वाँ सत्र(2017-18)	106 वाँ सत्र(2018-19)
आजीवन सदस्य	32,137	35,280	37,750
वार्षिक सदस्य	7,739	12,573	8,562
सत्रात्मक सदस्य	3,176	5,683	2,296
छात्र सदस्य	3,140	4,924	3,085
विशिष्ट दाता	26	27	29
संस्थागत दाता	34	36	36
संस्थागत सदस्य	8	12	11
<b>कुल</b>	<b>46,314</b>	<b>58,535</b>	<b>51,769</b>

### संगठनात्मक आकृति\*

#### जीबी/ जीसी/ एफसी की रचना:

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के महासभा (जनरल बॉडी) की रचना में सभी सदस्यों (मतदान के अधिकार युक्त) और संस्था के सभी प्रतिष्ठित सदस्यों को समाहित किया है।

**परिषद में सान्निहित है** - (1) कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य (2) संस्था के सभी वैसे सदस्य या प्रतिष्ठित सदस्य जो कि संस्था में महा अध्यक्ष, महासचिव या कोषाध्यक्ष (3) अनुभागीय अध्यक्षगण (4) महा सभा द्वारा निर्वाचित संस्था के 7 सदस्यगण (5) कोलकाता म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा नामित एक सदस्य (6) वित्त एवं स्थापन समिति के सहयोजित (को अपडेट) सदस्यगण, (7) एरारीमैन्स साइंस के संपादक प्रमुख (एडिटर-इन-चीफ) और इंडियन नैशनल साइंस अकादमी (आई. एन. एस. ए) परिषद के एक नामित व्यक्ति जो कि राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्य हों।

**कार्यकारी समिति में सम्मिलित हैं** - महाध्यक्ष, इससे शीघ्र के भूतपूर्व महाध्यक्ष, महाध्यक्ष (निर्वाचित), दो महा सचिवगण, कोषाध्यक्ष, महासभा द्वारा निर्वाचित द्वारा निर्वाचित 10 सदस्यगण, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत सरकार के सचिव या उनके द्वारा नामित एक व्यक्ति तथा संभावित सत्र आयोजन के दो स्थानीय सचिवगण।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के छः **संवैधानिक समितियाँ** (1) परामर्शदात्री समिति, (2) वित्त एवं स्थापना समिति (3) प्रकाशन समिति (4) अक्षय दान (इनडाउमेंट) समिति एवं (5) विज्ञान एवं समाज की स्थाई समिति।

**कर्मचारी कल्याणकारी कारवाई:** सूचना के आधार पर इस वर्ष कर्मचारी कल्याण मद में कोई कार्य नहीं हुआ।

\*विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी. एस. टी) के दिनांक 31.03.2007 के पत्रांक ए. आई/ ए. आर/ 004/ 2007 दिए गए सुझाव के अनुसार संगठनात्मक ढाँचा संबंधी उपर्युक्त सामग्री भी प्रस्तुत की जा रही है।

## आरक्षण नीति का अनुपालन

कर्मचारी चयन के मामले में भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का संस्था द्वारा अनुपालन किया जाता है।

**राजभाषा नीति का अनुपालन:** संस्था ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रावधान को ध्यान में रखते हुए उसका समय पर परिवर्तन के आधार पर पत्र के शीर्ष मुद्रण, अनेक रजिस्टर के शीर्ष, नाम प्लेट जो अनेक अनुविभागों से संबंधित है। सदस्यता फार्म, वार्षिक रिपोर्ट आदि द्विभाषीय (हिंदी - पर अंग्रेजी) रूप में बनाने का प्रयास किया गया। एक कनिष्ठ हिंदी अनुवादक की देख रेख में उपर्युक्त कार्यों का निष्पादन होता है।

## सूचना उपलब्धता अधिकार अधिनियम:

सूचना उपलब्धता अधिकार के अंतर्गत वर्तमान अधिकारियों की सूची से उपयुक्त जन सूचना अधिकारी की पहचान की गई और आई. एस. सी. ए. वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है। उपर्युक्त अधिकारी द्वारा आर. टी. आई. संबंधित सभी गवेषणाओं का निष्पादन किया जाता है।

**जन शिकायत निराकरण तंत्र:** संस्था के सदस्यों से प्राप्त किसी शिकायत पर समुचित कारवाई करने के लिए कार्यकारी सचिव नामित किए गए हैं, साथ ही सतर्कता अधिकारी भी हैं, जिनका नामन आई. एस. सी. ए. वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जा चुका है।

## नागरिकीय चार्टर

**औद्योगिकी सामाजिक समाजिक दायित्व संबंधित आरक्षण नीति:** अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़े वर्ग के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति संबंधी विषयों पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का संस्था द्वारा अनुपालन किया जाता है, और इस मामले में तत्संबंधी रोस्टर किये जाते हैं।

## अभिस्वीकृति

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की कार्यकारिणी समिति भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदत्त दयापूर्ण अंशदान की राशि संस्था को दिए जाने के लिए आभार प्रकट करती है। समिति सतत सहायता एवं सहयोग उपलब्ध कराने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रशंसनीय योगदान की प्रशंसा करती है।

कार्यकारिणी समिति लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जलंधर को 106 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के व्यक्तिगत अभिरुचि को लेकर आयोजित करने तथा, आतिथ्य प्रदान करने के लिए भूरी - भूरी प्रशंसा करती है। श्री अशोक मित्तल, कुलपति तथा उनके सहयोगियों के अथक प्रयास कि 106 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस की भव्य सफलता प्राप्त ही सकी, उसके लिए समिति हार्दिक बधाई देती है।

कार्यकारिणी समिति, परिषद एवं जनरल बॉडी के सभी सदस्यों, संबंध सभी समितियों, उप-समितियों के सदस्यों, अनुभागीय अध्यक्षों, अनुभागीय रिकॉर्डर, स्थानीय अनुभागीय सचिवों, अध्याय संचालकों तथा अनुभागीय समितियों की उनके मार्गदर्शन तथा परामर्श के लिए कृतज्ञतापूर्ण आभार प्रकट करती है। 106 वाँ सत्र की सफलता उपलब्धि के संदर्भ में समिति हर्षोल्लास के साथ महाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार चक्रवर्ती के अथक प्रयास के लिए जिसके फलस्वरूप 106वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस की महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय सफलता प्राप्त हुई, उनके प्रति आभार प्रकट करती है।

अंत में पर कम महत्वपूर्ण नहीं, संस्था के सभी कर्मचारियों द्वारा किए गए वर्ष पर्यंत क्रियाकलापों के कारण ही यह संभव हो सका है, अतः उनके प्रति अभिस्वीकृति के बिना इस कार्यक्रम के बिना इस कार्यक्रम का समापन संभव नहीं।

## ISCA शाखाओं में (2018-2019) के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ



आईएससीए इलाहाबाद शाखा



आईएससीए अमरावती शाखा



आईएससीए बेंगलुरु शाखा



आईएससीए बरोदा शाखा



आईएससीए भुवनेश्वर शाखा



आईएससीए चेन्नई शाखा

## ISCA शाखाओं में (2018-2019) के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ



आईएससीए कंपनी शाखा



आईएससीए कोयम्बटूर शाखा



आईएससीए धर्मनगर शाखा



आईएससीए हरिद्वार शाखा



आईएससीए हैदराबाद शाखा



आईएससीए इम्फाल शाखा

## ISCA शाखाओं में (2018-2019) के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ



आईएससीए जयपुर शाखा



आईएससीए जम्मू शाखा



आईएससीए कानपुर शाखा



आईएससीए कोलकाता शाखा



आईएससीए पटियाला शाखा



आईएससीए पांडिचेरी शाखा

## ISCA शाखाओं में (2018-2019) के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ



आईएससीए रोहतक शाखा



आईएससीए सागर शाखा



आईएससीए शिलांग शाखा



आईएससीए शिमला शाखा



आईएससीए श्रीनगर शाखा



आईएससीए तिरुपति शाखा

106 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अध्यक्षों के वक्तव्य का शीर्षक

क्रम संख्या	अनुभाग	अध्यक्ष	शीर्षक
1	कृषि एवं वानिकी	डॉ. सुजय रक्षित, लुधियाना	दि पाथ ऑफ कोर्स सिरियल्स – वे एहेड अंडर चेंजिंग क्लाइमेट एंड न्यूट्रिशन सिनारिये
2	पशु, पशु - चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	प्रो. कुलदीप के.शर्मा, जम्मू	फिश एग लार्वल मर्टालिटी: एन इश्यू ऑफ कनसर्न
3	मानव विज्ञान एवं व्यवहार विज्ञान (पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र एवं सैन्य शास्त्र सहित)	डॉ. सोईबाम जीवनकुमार सिंह, कांचीपुर	इमेजिंग इंडिया पब्लिक हेल्थ इश्यू फॉर ए ब्राइट फ्यूचर इंडिया: ओबेसिटी एंड डायबिटिस
4	रसायन विज्ञान	प्रो. जगदम्बा सिंह, इलाहाबाद	कैटालाइसिस इन अर्गानिक सिंथेसिस
5	पृथ्वीतंत्र विज्ञान	प्रो. जे.पी श्रीवास्तव, दिल्ली	जियोकेमिकल फ्लो स्ट्राटिग्राफी, एज एंड ड्यूरेशन ऑफ वोल्कानो सेडिमेन्टरी सिक्वूनसेस फ्रम दि ईस्टर्न पार्ट्स ऑफ दि डेकान ट्राप्स इंडिया
6	अभियांत्रिकी	प्रो. स्वामी वेदाजननंदा, कोलकाता	इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ग्लोरियस पास्ट एंड ब्राइट फ्यूचर ऑफ इंडिया
7	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. इन्द्र दत्त भट्ट, अल्मोरा	बायोडाइवरसिटी इन इंडिया: स्टार्टस, ट्रेन्डस एंड कनसर्वेशन प्रायरटिस
8	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर साइन्स सहित)	डॉ. देशमुख रत्नदीप रघुनाथराव, औरंगाबाद	रोल ऑफ ICT फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट ऑफ फ्यूचर इंडिया
9	पदार्थ विज्ञान	प्रो. के. बायरप्पा, मैसूर	दि करेन्ट ट्रेन्डस इन प्रॉपर्टीस ट्यूनिंग इं मेटल ऑक्साइडस एंड देयर कम्पोसीट्स

क्रम संख्या	अनुभाग	अध्यक्ष	शीर्षक
10	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	प्रो. नंददुलाल बयरागी, कोलकाता	रिप्रोड्यूसिंग सोरियासिस फेनोटाइपस थ्रु मैथीमेटिकल मॉडलिंग ऑफ इम्यून सेलस – केराटिनोसाइट्स क्रसटक
11	आयुर्विज्ञान (शरीर क्रिया-विज्ञान सहित)	प्रो. प्रकाश चंद्र धारा	फ्यूचर डेवलपमेंट ऑफ इंडिया: रोल ऑफ एर्गोनोमिक्स एंड अक्यूपेशनल हेल्थ
12	नवजीव विज्ञान (जैव रसायन, जैव भौतिकी, आण्विक जीवविज्ञान एवं जैवप्रौद्योगिकी सहित)	डॉ. चिंमय कुमार पांडा	एमारजेंस ऑफ प्रिसाइशन मेडिसीन थ्रु सिस्टेमस बायोलॉजी इन अंकोलॉजी: ए स्टेप फरवार्ड इन मॉडर्न बायोलॉजी
13	भौतिक विज्ञान	प्रो. (डॉ.) विजय जनार्दन फुलारी, कोल्हापुर	इलेक्ट्रोकेमिकल सिंथेसिस ऑफ पलीएनीलिन थिन फिल्मस फॉर एनर्जी स्टोरेज एप्लीकेशन
14	पादप विज्ञान	प्रो. (श्रीमती) सेसु लावनिया, लखनउ	वेटिवर ग्रास मॉडल एंड फेनोमिक्स ऑफ रूट सिस्टेम आर्किटेक्चर

106 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र के प्लेटिनम जयंती व्याख्यान

क्रमांक	अनुभाग	वक्ता	शीर्षक
1	कृषि एवं वानिकी	डॉ. कौशिक बनर्जी, पुणे	टेक्नोलॉजिकल एडवांसेस एंड चैलेंजेस इन फूड सेफ्टी एंड ट्रेसिबिलिटी ऑफ एग्रीकलचरल प्रोड्यूस; टूवर्ड्स ए न्यू हॉराइजन
2	पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	प्रो. सीमा लांगर जम्मू	ग्रो – आउट टेक्नोलॉजी ऑफ मैक्रोब्राकियम रोसेनबर्गी इन जम्मू (जम्मू और कश्मीर)
3	मानवविज्ञान एवं व्यवहारपरक (पुरातत्व विज्ञान मनोविज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र सहित)	प्रो. हावबिजम वोकेन्द्रो अरुणाचल प्रदेश	रिडिफाइनिंग एंथ्रोपोलॉजी फॉर ब्राइट फ्युचर इंडिया
4	रसायन विज्ञान	प्रो. सतीश कुमार अवस्थी, दिल्ली	नूवर अप्रोच फॉर एंटीमैलिरियल ड्रग डिस्कवरी
5	पृथ्वीतंत्र विज्ञान	डॉ. नीलम खारे नई दिल्ली	एक्सट्रीम इवेनट्स इन जियोलॉजिकल पास्ट ड्यू टु क्लाइमेट चेंज
6	अभियांत्रिकी	डॉ. प्रदीप प्रसाद चक्रवर्ती, हैदराबाद	ग्रीनर टेक्नोलॉजीस फॉर इऊटीलाइजेशन ऑफ एन इनडिगनियस रॉ मैटेरियल – इम्पैक्ट ऑन इंडियन राइस ब्रान ऑइल रिफाइनिंग एंड वालोराइजेशन ऑफ इट्स बाइ – प्रोडक्ट्स
7	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. सुनील कुमार, बेंगलोर	कनसरवेशन एंड सोसियोइकोलॉजिकल डेवलपमेन्ट अंडर चेंज क्लाइमेट इन एंथ्रोपोकिन
8	गणित शास्त्र (सांख्यिकी सहित)	प्रो. पूनम सिंह, दिल्ली	डिजाइन्स फॉर मिक्शयर एक्सपेरिमेन्ट्स थ्रू प्रोजेक्शन

क्रमांक	अनुभाग	वक्ता	शीर्षक
9	आयुर्विज्ञान (शरीर क्रिया विज्ञान सहित)	डॉ. अमित पाल, कोलकाता	रोल ऑफ़ माइक्रोबियल प्रोटीएसेस इन पैथोजेनेसिस एंड मोलिक्यूलर टार्गेटिंग थेरापी ऑफ़ कैंसर
10	नवजीव विज्ञान (जैव रसायन, जैव भौतिकी और आण्विक जैविक एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	डॉ. शिव शंकर राय, कोलकाता	कैंसर मेटाबोलिज़म एंड मेटाबोलिक मड्यूलैटर
11	भौतिक विज्ञान	डॉ. अशोक चंपटराव कुम्भरखने, नानदेड़	ए टाइम डोमेन डाइइलेक्ट्रिक रिलाक्सेशन स्पेक्ट्रोसकॉपी: चैलेंजेस एंड ओपरच्यूनिटिस
12	पादप विज्ञान	प्रो. मीनू सराफ़, अहमदाबाद	रिसेपिंग दि राइजोफ़ेयर माइक्रोबियोम टु कम्बाट सैलिनिटी स्त्री इन एग्रीकल्चरल

106 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागों द्वारा आयोजित विशिष्ट विषयों से संबंधित परिसंवाद के शीर्षक

अनुभाग	शीर्षक
कृषि एवं वानिकी	1. साइन्स – लेड इनोवेशन इन एग्रीकल्चर: कि टु सस्टेनाबिलिटी एंड फूड सिक्यूरिटी
पशु, पशु – चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	1. चैलेंजेस कन्फ्रान्टिंग रियालाइजेशन ऑफ़ प्रोटेन्सियल ऑफ़ फिश प्रोडक्शन थ्रू मैनेजमेन्ट ऑफ़ एक्वाटिक रिसोर्सेस इन डिफरेंट स्टेट्स ऑफ़ इंडिया। 2. रोल ऑफ़ साइन्स एंड टेक्नोलॉजी इन मिल्क एंड लाइवस्टॉक प्रोडक्शन मिट फ्यूचर कनसम्पशन रेट्स।
मानव विज्ञान एवं व्यवहारपरक ( पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान, एवं शिक्षा शास्त्र सहित)	1. रिडिफाइनिंग एंथ्रोपोलॉजी फ़ॉर ब्राइट फ्यूचर इंडिया। 2. रिडिफाइनिंग बिहेवियरल साइन्स फ़ॉर ब्राइट फ्यूचर इंडिया।
रसायन विज्ञान	1. ग्रीन कैटालाइसिस इन अर्गानिक सिंथेसिस। 2. केमिकल साइन्स एडुकेशन इन फ्यूचर इंडिया।
पृथ्वीतंत्र विज्ञान	1. करेन्ट्स ट्रेन्ड्स एंड फ्यूचर चैलेंजेस इन जियो-साइन्स
अभियांत्रिकी विज्ञान	1. ग्रीन एनर्जी इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी फ़ॉर रिबिलिडिंग इंडिया 2. सस्टेनबल टेक्नोलॉजीस फ़ॉर फ्यूचर इंडिया।
पर्यावरण विज्ञान	1. बायोडाइवरसिटी फ़ॉर फ्यूचर इंडिया। 2. साइन्स एंड टेक्नोलॉजी फ़ॉर इम्प्रुविंग एनवायरनमेन्टल सस्टेनाबिलिटी।
सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कम्प्यूटर साइन्स सहित)	1. इम्पैक्ट ऑफ़ ICT ऑन फ्यूचर इंडिया। 2. रोल ऑफ़ ICT ऑन फ़ॉर सस्टेनबल डेवलपमेन्ट ऑफ़ फ्यूचर इंडिया। 3. एम्पावरमेन्ट ऑफ़ रूलर इयूथ टु बिल्ड फ्यूचर इंडिया इउसिंग ICT (इंफरमेशन एंड कम्प्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी)।

अनुभाग	शीर्षक
पदार्थ विज्ञान	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. मैटेरियलस फ़ॉर फ़्यूचर टेक्नोलॉजी।</li> <li>2. ग्रीन प्रसेसिंग ऑफ़ मैटेरियलस।</li> <li>3. मैटेरियलस फ़ॉर एनवायरनमेन्ट एंड एनर्जी एप्लिकेशन।</li> </ol>
गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. मैथमेटिकल एंड कंप्यूटेशनल मॉडलिंग विथ एप्लिकेशन टु बायोलॉजिकल साइंसेज एंड मेडिकल टेक्नोलॉजी।</li> <li>2. एप्लिकेशन ऑफ़ मैथमेटिक्स टु फ़िजिकल प्रॉब्लेम्स एंड टेक्नोलॉजिकल डेवलपमेन्टस।</li> </ol>
आयुर्विज्ञान (शरीरक्रिया विज्ञान सहित)	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. अक्यूपेशनल हेल्थ एंड एर्गोनोमिक्स फ़ॉर फ़्यूचर डेवलपमेन्ट इन इंडिया।</li> <li>2. कन्टेमपोरारी रिसर्च इन मेडिकल एंड अलाइड साइंसेस फ़ॉर फ़्यूचर इंडिया।</li> </ol>
नवजीव विज्ञान (जैव भौतिकी और आण्विक जैविक एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. सिस्टम बायोलॉजी एंड टार्गेटेड ड्रग डिस्कवरी।</li> <li>2. मॉडर्न बायोलॉजी एंड प्रेसिशन मेडिसीन।</li> </ol>
भौतिक विज्ञान	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. ऑप्टिक्स एंड इट्स एप्लिकेशनस ।</li> <li>2. फ़िजिक्स फ़ॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी।</li> </ol>
पादप विज्ञान	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. स्ट्रक्चरल बोटानी एस ए बैकबोन ऑफ़ माडर्न टेक्नोलॉजी।</li> <li>2. फ़ाइटो-मोलिक्यूलस एंड बोटानिकल्स इन ह्यूमन वेलफेयर</li> </ol>

2018-2019 के युवा वैज्ञानिक अवार्ड प्राप्त करने वालों की सूची

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
1	कृषि एवं वानिकी	<b>सुशील कुमार शर्मा</b> एनईएच क्षेत्र के लिए ICAR अनुसंधान परिसर, मणिपुर केन्द्र, इम्फाल - 795004	जिनोमिक्स ऑफ़ एपीसोमल एंड एंडोजिनस बनाना स्ट्रीक वाइरसेस डेव्लपमेंट ऑफ़ सिंथेटिक पेपटाइड बेस्ड इम्यूनोडायगनोस्टीकस एंड पैथोजेनिसिटी एनालाइसिस
2	पशु, पशुचिकित्सा एवं मात्स्यिकी	<b>एम.शोभना</b> आणविक जीव विज्ञान विभाग, जैविक विज्ञान विद्यालय, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै - 625021	मॉलिलिक्यूलर टेक्सोनामी – DNA बारकोडस फ़ॉर डेमोनस्ट्रेटिंग दि फ़ाइलोजियोग्राफी ऑफ़ फिश लेपिडोसिफालस थर्मालिस (V)। फ्रम रिवर्स ऑफ़ सदरन तमिलनाडु, इंडिया।
3	मानव विज्ञान एवं व्यवहारपरक विज्ञान (पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र और सैन्य शास्त्र सहित)	<b>लाइशराम इबोहल मिटी</b> मानवविज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर -795 003	बॉडी फैट पर्सन्ट: ए बेटर इंडिकेटर ऑफ़ हेल्थ कंडिशन इन फिमेल स्टोन क्रशर्स डैट वेस्ट हिप रेशियो एंड बॉडी मास इंडेक्स।
4	रसायन विज्ञान	<b>फ़ातिमा तूफ़ैल,</b> पर्यावरण सौम्य संश्लेषण प्रयोगशाला, रसायन विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद - 211002	ए वान – पाट एफिसियेन्ट सिंथोसिस ऑफ़ हाइलि फंकशनलाइस्ड फूरान – 2 वानस एंड पायरोल – 2 वानस इउसिंग मॉन्टमॉरीलोनाइट K – 10 एस ए सस्टेनेबल हेटेरोजिनियस ग्रीन कैटालिस्ट।
5	पृथ्वी प्रणाली विज्ञान	<b>रूपल दुबे,</b> सूक्ष्मजीवाश्म विज्ञान प्रयोगशाला, भूगर्भीय समुद्रशास्त्र विभाजन, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, डोना पउला- 403004, गोवा	टेस्टिंग सबतेरानियन फ्लॉ हाईपोटेसिस फ़ॉर फर्मेशन ऑफ़ मडबैंक ऑफ़ अलेधि, केरल: एप्लीकेशन ऑफ़ जियोलॉजिकल टुल्स एंड सोसाइटल एम्पलीकेशन।

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
6	अभियांत्रिकी विज्ञान	<b>प्रोसेनजीत दास,</b> सामग्री प्रसंस्करण और माइक्रोसिस्टम्स प्रयोगशाला, सीएसआईआर - केंद्रीय यांत्रिक इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, महात्मा गाँधी एवेन्यू दुर्गापुर - 713 209	डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ़ प्रोटोटाइप लाइव वेट अटोमोबाइल ब्रेक डिस्क आउट ऑफ़ नवेल AI- Mg कम्पोसिट; एन इनिशियेटिव टुवर्डस ग्रीनर इंडिया।
7	पर्यावरणीय विज्ञान	<b>सुहाना दत्ता</b> स्नातकोत्तर जीवविज्ञान विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज, 30 मदर टेरेसा सरणी, कोलकाता - 700016	कैलोसाइब मेडियेटेड ट्रांसफरमेशन ऑफ़ एग्रीकलचरल वेस्ट टु मल्टीडाइमेशनल बायोमोलिकूलसा।
8	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर साइन्स सहित)	<b>शैला एच.कोप्पड</b> एमसीए विभाग, आर.व्ही कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, बैंगलोर - 59	एफिसियेन्सी ऑफ़ बिग डेटा टेकनीक टु प्रेडिक्ट एंड एनालाइज COPD डेटा।
9	पदार्थ विज्ञान	<b>पूजा देवी</b> सीएसआईआर - केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण, संगठन, सेक्टर - 30सी, चंडीगढ़ - 160030	कार्बोनासियस फ्लोरेससेन्ट डॉप्स: प्रमिसिंग कैडिडेट्स फ़ॉर एप्लीकेशन इन सेंसिंग, एनर्जी हारवेस्टिंग एंड सिक्चुरिटी इंकसा।
10	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	<b>श्रीपर्णा माजी,</b> गणित विभाग, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता - 700032	मॉडेलिंग एंड स्टिमुलेशन ऑफ़ ब्लड फ्लो विथ मैग्नेटीक नैनोपार्टिकल्स एस कैरियर फ़ॉर टार्गेटेड ड्रग डेलीवरी इन दि स्टिनोस्ड आर्टेरी।
11	आयुर्विज्ञान (शरीर क्रिया - विज्ञान सहित )	<b>देवतीमा सरकार</b> एंडोक्रिनोलॉजी शरीरक्रिया विज्ञान प्रयोगशाला, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता - 700009	गयट्रोजेनिक पोटेनशियल ऑफ़ ए कमनली कन्सूमड साइथानोजेनिक प्लांट फूड ऑफ़ नर्थ ईस्ट इंडिया - एन इनसाइड स्टाडि।

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
12	नवजीव विज्ञान (जैव रसायन, जैव भौतिकी, आण्विक जैविकी एवं जैवप्रौद्योगिकी सहित)	<b>देवाशीष पॉल</b> कैंसर जीवविज्ञान प्रभाग, एनसीसीएस कॉम्प्लेक्स, एसपी पुणे विश्वविद्यालय कैंपस, गणेशखिंद रोड, पुणे, महाराष्ट्र - 411007	SDS22 फंकशनस एस ए प्यूटेटिव ट्यूमर सप्रेसर बाइ एब्रोगेटिंग एके सिगनलींग एंड मेनटेनिंग जिनोमीक इंटीग्रिटी
13	भौतिक विज्ञान	<b>गौरव महादेव लोहार</b> भौतिकी विज्ञान विभाग, लाल बहादुर शास्त्री कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय, सतारा - 415002	परफरमेन्स एंड इवालयूशन ऑफ़ CuO/Mn3O4/RGO कम्पोसीट बेस्ड नैनोमेटेरियल्स फ़ॉर इलेक्ट्रोकेमिकल एनर्जी स्टोरेज डिवाइसेस।
14	पादप विज्ञान	<b>रितेश बनर्जी</b> वनस्पति विज्ञान विभाग, उन्नत अध्ययन केंद्र, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 35, बालीगंज सर्कुलर रोड, कोलकाता - 700019	बेटिवर सिस्टेम: एन इकोफ्रेंडली ग्रीन टेक्नोलॉजी टु रिमिडियेट एंड रिस्टोर आयरन माइन स्पयेल डम्प साइट्स।

2018-2019 के उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
1.	कृषि एवं वानिकी	प्रियंका चक्रवर्ती प्लांट फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री अनुभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, वर्धमान विश्वविद्यालय, वर्धमान – 713104	फाइटोहोरमोन मेडियेटेड हार्डनिंग ऑफ़ ए प्लस सीड कल्टीवर (Vignaradiata L. CV – PDM 84 – 139) अंदर स्ट्रेस स्टोरेज कंडीशना
		निशा एस.ए वनस्पति विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी महाविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल – 695004	न्यूट्रीशनल एंड एंटीन्यूट्रीशनल फैक्ट्स इन इयंग शूट्स ऑफ़ रिड बैम्बुस; ochlandra wighting (Munro) C.E.C fish इन गैम्बल एंड Ochlandra travancorics (Bedd.) Benth. एक्स गैम्बल
2.	पशु, पशु – चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	निशा राणा प्राणी विज्ञान विभाग, RGPG महाविद्यालय,	सिसनल वेरियेशन इन डीएनए कन्टेन्ट ऑफ़ LABEO angra (हैमिलटन, 1822)
		मेरठ, उ. प्र. - 250 001 राजेश प्रसाद सेल और ट्यूमर बायोलॉजी लैब, प्राणी विज्ञान, NEHU, शिलांग – 793022	स्टाडिज़ ऑन दि एंटीट्यूमर एक्टिविटी ऑफ़ रूटीन एंड सिसप्लाटीन कम्बिनेशन एगेन्स्ट म्यूरिन डेलटनस लिंफोमा एंड मोलिक्यूलर डकिंग एनालाइसिस विथ सर्टन एंटी – ऊपोपटोटिक प्रोटीनस
3.	मानव विज्ञान एवं व्यवहारपरक ( पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान, एवं शिक्षा शास्त्र और सैन्य शास्त्र सहित)	केएसएच बेलिया लक्ष्मी देवी मनुष्यजाति विज्ञान, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर – 795003	वाटर हाइजीन एंड मर्बिडिटी प्रीवालेन्स ए केस स्टडी ऑफ़ करंग विलेज ऑफ़ मणिपुर
		विशाल यादव संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला, वाराणसी	एफेक्ट ऑफ़ वेरिड टेम्पोरल इंटरवल ऑन टाइम परसेप्शन ड्यूरिंग एक्सीक्यूटिव टास्क

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
4.	रसायन विज्ञान	तूलिका मालवीय त्रिपाठी रसायन विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ. प्र. - 211 002	फाबरिकेशन ऑफ़ अलोमवेरा बेस्ड नैनो पार्टीकल्स फर कोलोन टार्गेटेड ड्रग डेलीवरी ऑफ़ 5 – एमिनोसेलिसाइलिक एसिड।
		रईस ए. भट्ट, रसायन विज्ञान के लिए अनुसंधान केंद्र, सरकारी मॉडल साइन्स कॉलेज, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर – 474009	एक्सपेरिमेन्टल एंड थियोरिटिकल स्टडी ऑफ़ Zn(ii) कम्प्लेक्स ऑफ़ s-bentyl A – (N-2-Methyl – 3 – Phenylallylidene) डिथियोकाबीजेट: एन थर्मल स्टडीज़ एंड डीएफटी कैलकुलेशनस।
5.	पर्यावरण विज्ञान	विक्रम सिंह नेगी, जी. बी. पंत हिमालयी पर्यावरण और सतत विकास के राष्ट्रीय संस्थान, कोसी, कटारमाल, अल्मोरा, उत्तराखंड – 263 643.	एक्सपांसन ऑफ़ पलिगोनम पलिस्टाचियम इन वैलि ऑफ़ फ्लावर नेशनल पार्क: कनसरवेशन इम्प्लीकेशनस।
		देवाशीष गोलूई, मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान का विभाजन, ICAR – IARI, नई दिल्ली – 110 012.	रिस्क एसेसमेन्ट ऑफ़ पलूचटेड सचेल्स: ए न्यू अप्रोच फ़ॉर फिकिसिंग परमिसिबल लिमिट ऑफ़ एक्सट्रेक्टबल मेटालस इन पलूचटेड सचेल्स टु ह्यूमन हेल्थ।
6.	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कम्प्यूटर साइन्स सहित)	ए.बी दिव्या, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भाराथियर विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, तमिलनाडु – 641 046	एनहांसिंग टैबलेट इमेजेस इउसिंग डिनयसिंग अलगोरिदम्स इन वेरियस कलर स्पेस मॉडेलस
7.	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	अभिजीत पॉल, दवाखोज अनुसंधान केंद्र, ट्रांसलेशनल हेल्थ, साइन्स एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, NCR, बायोटेक विज्ञान क्लस्टर, फरीदाबाद – 121001	फाईंडिंग मेटाबोलिक रियेक्शनस रेसपंसिबल फ़ॉर कैसर डेवलपमेन्ट इउसिंग जिनोम – स्केल मेटाबोलिक मॉडेल

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
8.	आयुर्विज्ञान (शारीर क्रिया विज्ञान सहित)	सिद्धार्थ पी. दुभाषी, सर्जरी विभाग, एम. जी. एम. चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, नवी मुम्बई – 410 209	पपया ड्रेससिंग फॉर क्रोनिक उन्डस
		सम्राट पॉल, बायोसाइन्स और इंजीनियरिंग स्कूल, यादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता – 700032	एंटी मेटास्टासिस एक्टिविटी: इण्माल्यूयेटेड बाइ सेल बेस्ड एडहेशन असे ऑन जिलाटिन फाइब्रोनेक्टिन कोटेड प्लेट इनवितरो
9.	भौतिक विज्ञान	ज्योतिरमय गोस्वामी, भौतिक विज्ञान विभाग, TIS विश्वविद्यालय, आगरपाड़ा, कोलकाता – 700 109	आयन अकोस्टिक स्लीटरी वेबस अंडर दि एक्शन ऑफ़ ए पिरोयेडिक फोर्स इन दि ऊर्ली यूनिवर्सि
		लक्ष्मी कुमारी, भौतिक विज्ञान विभाग, लखनउ विश्वविद्यालय, लखनउ – 226 007	सर्फेस मडिफिकेशन एंड करेक्तराइजेशन ऑफ़ H-Bn डोपड PVP बेस्ड हिन फिल्म एंड इट्स एप्लिकेशन एस ह्यूमिडिरी सेंसर।
10.	पादप विज्ञान	संजीव कुमार, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू – 180 006	एथनोमाइक्रोलॉजिकल नलेज ऑन इउसेस ऑफ़ वाइल्ड मशरूमस इन जम्मू एंड कश्मीर

इन्फोसिस फाउंडेशन – ISCA यात्रा पुरस्कार 2018 – 2019

क्रम सं	छात्र का नाम	विद्यालय
1.	स्नेहल सोबती	डी. आर. व्ही. डी. ए. व्ही. सेंटनरी पब्लिक स्कूल, फिल्लौर, जलंधर
2.	दव व्रत चड्ढा	मेयर वर्ल्ड स्कूल, जलंधर
3.	रबीन्स कुमार शाह	होली क्रॉस स्कूल, कोलकाता
4.	हर्षित सिंह	भवन विद्यालय, चंडीगढ़
5.	अमरजीत सिंह इंसान	सेंट एम.एस. जी ग्लोरियस इंटरनेशनल स्कूल, सिरसा
6.	एकम सिंह	सेंट जॉन हाई स्कूल, चंडीगढ़
7.	मिरनाल नउटियाल	दून इंटरनेशनल स्कूल, देहरादून
8.	जे. काशीनाथ	महात्मा मंटेसरी मेट्रिक्युलेशन हाइयर सेकेंडरी स्कूल, मदुरै
9.	करथीयायानी विनोद	सरस्वती विदायला सीनियर सेकेंडरी रेसीडेन्शियल सेंट्रल स्कूल, तिरुवनंतपुरम
10.	प्रथम जैन	मेयर वर्ल्ड स्कूल, जलंधर

## 2018 - 2019 के लिए परिषद के सदस्य

<b>महाध्यक्ष</b> डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती,	कोलकाता	प्रो. सी. एन. आर राव प्रो. डी.के. सिन्हा	बेंगलुरु कोलकाता
<b>निवर्तमान महाध्यक्ष</b> डॉ. अच्युत सामंत	भुवनेश्वर	डॉ. एस.सी. पक्राशी प्रो. एस.के. जोशी	कोलकाता नई दिल्ली
<b>महाध्यक्ष निर्वाचित</b> प्रो. के.एस.रंगप्पा,	मैसूर	डॉ. (श्रीमती) मंजु शर्मा डॉ. पी. रामा राव	नई दिल्ली हैदराबाद
<b>महासचिव (सदस्यता कार्य)</b> प्रो. गंगाधर	बेंगलुरु	डॉ. आर.ए. माशेलकर डॉ. आर.एस. परोदा	पुणे नई दिल्ली
<b>महासचिव (वैज्ञानिक कार्य)</b> प्रो. प्रेमेन्दु पी. माथुर	पॉन्डिचेरी	प्रो. एस. एस. काटियार डॉ. के. कस्तूरीरंगन	कानपुर बेंगलुरु
<b>कोषाध्यक्ष</b> प्रो. रंजीत कुमार वर्मा	मुंगेर	प्रो. आशीष दत्ता प्रो. एन.के. गांगुली	नई दिल्ली नई दिल्ली
<b>कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्य</b>		प्रो. हर्ष गुप्ता प्रो. आर.रामामूर्ति	फरीदाबाद तिरुपति
डॉ. (श्रीमती)विजय लक्ष्मी सक्सेना	कानपुर	डॉ. टी. रामासामी डॉ. जी. माधवन नायर	चेन्नई त्रिवेंद्रम
श्रीमती कुमकुम स्वरूप	कानपुर	प्रो. के. सी. पाण्डेय प्रो. गीता बाली	लखनउ बेंगलुरु
डॉ. अनूप कुमार जैन	मुम्बई	डॉ. मनमोहन सिंह प्रो. डॉ. रणवीर चंदर सोबती	नई दिल्ली लखनउ
डॉ. एस. रामकृष्ण	बेंगलुरु	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना	कानपुर
प्रो. एम.भूपति नायडु	तिरुपति		
प्रो. डी.नारायण राव	विजयवाड़ा	<b>भूतपूर्व महासचिव</b>	
प्रो. सस्मिता रानी सामंत	भुवनेश्वर	डॉ. (कुमारी) शशि प्रभा आर्य	नई दिल्ली
प्रो. सुबोध कुमार जैन	सागर	प्रो. एच.पी. तिवारी	इलाहाबाद
प्रो. एस.व्ही.कश्मीर राजा	कट्टनकुलाथूर	प्रो. एस.पी. मुखर्जी	कोलकाता
प्रो. नरेश पाधा	जम्मू	डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक	वडोदरा
<b>भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रतिनिधि</b>		प्रो. उमा कांत	जयपुर
डॉ. प्रवीर अस्थाना	नई दिल्ली	प्रो. बी.पी. चटर्जी	कोलकाता
<b>स्थानीय सचिव</b>		प्रो. बी. सत्यनारायण	हैदराबाद
श्रीमती रश्मि मित्तल	फगवाड़ा, जलंधर	प्रो. एस.पी. सिंह	कुरुक्षेत्र
डॉ. मोनिका गुलाटी	फगवाड़ा, जलंधर	प्रो. अभिजीत बनर्जी	कोलकाता
<b>भूतपूर्व महाध्यक्ष</b>		डॉ. (श्रीमती)विजय लक्ष्मी सक्सेना	कानपुर
प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन	चेन्नई	डॉ. नीलांशु भूषण बासु	कोलकाता
प्रो. आर. पी. बम्बा	चंडीगढ़	प्रो. अरूण कुमार	इम्फाल
		<b>भूतपूर्व कोषाध्यक्ष</b>	
		डॉ. शशि भूषण महतो	कोलकाता
		प्रो. ध्यानेन्द्र कुमार	आरा

### अनुभागीय अध्यक्ष

डॉ. सुजय रक्षित  
प्रो. कुलदीप के.शर्मा  
डॉ. सोयबम जीवनकुमार सिंह  
प्रो. जगदम्बा सिंह  
प्रो. जे.पी श्रीवास्तव  
प्रो. स्वामी वेदाजननंदा  
डॉ. इन्द्र दत्त भट्ट  
डॉ. देशमुख रत्नदीप रघुनाथराव  
प्रो. के. बायरप्पा  
प्रो. नंददुलाल बयरगी  
प्रो. प्रकाश चंद्र धारा  
डॉ. चिंमय कुमार पांडा  
प्रो. (डॉ.) विजय जनार्धन फुलारी  
प्रो. (श्रीमती) सेसु लावनिया

लुधियाना  
जम्मू  
इम्फाल  
इलाहाबाद  
दिल्ली  
कोलकाता  
अल्मोरा  
औरंगाबाद  
महाराष्ट्र  
कोलकाता  
मिदनापुर  
कोलकाता  
कोल्हापुर  
लखनउ

### परिषद के निर्वाचित सदस्य

श्री गौरवेन्द्र स्वरूप  
डॉ. निवेदिता चक्रवर्ती  
प्रो. सुनील प्रकाश त्रिवेदी  
डॉ. एम.जी रघुनाथन  
प्रो. बी. रेडिया नायक  
प्रो. सी. मुथामिजचेलवन

कानपुर  
कोलकाता  
लखनउ  
चेन्नई  
हैदराबाद  
कट्टनकुलाथूर

### कोलकाता नगर निगम के प्रतिनिधि

श्री समीरन घोष  
कोलकाता

### एवरीमैन्स साइंस के मुख्य संपादक

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना  
कानपुर

### भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) परिषद के प्रतिनिधि

प्रो. एन.आर जगन्नाथन  
नई दिल्ली

## 2019-2020 के लिए परिषद के सदस्य

<b>महाध्यक्ष</b>		<b>भूतपूर्व महाध्यक्ष</b>	
प्रो. के.एस.रंगप्पा,	मैसूर	प्रो. एम.एस स्वामीनाथन,	चेन्नई
<b>निवर्तमान महाध्यक्ष</b>		प्रो. आर.पी बम्बा,	चंडीगढ़
डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती,	कोलकाता	प्रो. सी. एन. आर. राव,	बेंगलुरु
<b>महाध्यक्ष निर्वाचित</b>		प्रो. डी.के सिन्हा,	कोलकाता
डॉ. (श्रीमती)विजय लक्ष्मी सक्सेना,	कानपुर	प्रो. एस.के जोशी,	नई दिल्ली
<b>महासचिव (सदस्यता कार्य)</b>		डॉ. पी. रामा राव,	हैदराबाद
डॉ. एस. रामकृष्ण,	बेंगलुरु	डॉ. (श्रीमती) मंजु शर्मा,	नई दिल्ली
<b>महासचिव (वैज्ञानिक कार्य)</b>		डॉ. आर.ए माशेलकर,	पुणे
डॉ. अनूप कुमार जैन,	कानपुर	डॉ. आर.एस परोदा,	नई दिल्ली
<b>कोषाध्यक्ष</b>		डॉ. के. कस्तूरीरंगन,	बेंगलुरु
डॉ. शिव सत्य प्रकाश,	पटना	प्रो. आशीष दत्ता,	नई दिल्ली
<b>कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्य</b>		प्रो. एन.के गांगुली,	नई दिल्ली
डॉ. अशोक कुमार सक्सेना,	कानपुर	प्रो. हर्ष गुप्ता,	फरीदाबाद
श्री गौरवेन्द्र स्वरूप,	कानपुर	डॉ. टी रामासामी,	चेन्नई
प्रो. आर.रामामूर्ति,	तिरुपति	डॉ. जी माधवन नायर,	त्रिवेंद्रम
श्रीमती रश्मि मित्तल,	जलंधर	प्रो. के सी पाण्डेय,	लखनउ
प्रो. एम.भूपति नायडु,	तिरुपति	प्रो. गीता बाली,	बेंगलुरु
प्रो. ओ. एन. परमाशिवन,	कोयंबटूर	डॉ. मनमोहन सिंह,	नई दिल्ली
प्रो. सस्मिता रानी सामंत,	भुवनेश्वर	प्रो. डॉ. रणवीर चंदर सोबती,	लखनउ
प्रो. डी.नारायण राव,	गुन्टूर	डॉ. अच्युत सामंत,	भुवनेश्वर
प्रो. एस.व्ही कश्मीर राजा,	कट्टनकुलाथूर	<b>भूतपूर्व महासचिव</b>	
प्रो. के. बायरप्पा,	मांड्या	डॉ. (कुमारी) शशि प्रभा आर्य,	नई दिल्ली
<b>विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के प्रतिनिधि</b>		प्रो. एच.पी तिवारी,	इलाहाबाद
डॉ. बी. के. शुक्ला,	नई दिल्ली	प्रो. एस.पी मुखर्जी,	कोलकाता
<b>स्थानीय सचिव</b>		डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक,	वडोदरा
डॉ. व्हाई. जी. सदाक्षरी,	बेंगलुरु	प्रो. उमा कांत,	जयपुर
डॉ. के. सी. नारायणस्वामी,	बेंगलुरु	प्रो. बी.पी चटर्जी,	कोलकाता
		प्रो. बी. सत्यनारायण,	हैदराबाद

प्रो० एस.पी सिंह,  
प्रो० अभिजीत बनर्जी,  
डॉ० नीलांशु भूषण बासु,  
प्रो० अरूण कुमार,  
प्रो० गंगाधर,  
प्रो० प्रेमेन्दु पी.माथुर,

#### भूतपूर्व कोषाध्यक्ष

डॉ० शशि भूषण महातो,  
प्रो० ध्यानेन्द्र कुमार,  
प्रो० रंजीत कुमार वर्मा,

#### अनुभागीय अध्यक्ष

डॉ० उमाकांत बेहेरा,  
प्रो० प्रकाश चंद्र जोशी,  
प्रो० सुरेश भाई एम. मकवाना,  
प्रो० धीवन एस. रावत,  
प्रो० आर बी सिंह,  
डॉ० असित कुमार दास,  
डॉ० रणवीर सिंह रावल,  
प्रो० मोहम्मद नुरुल हुड्डा,  
डॉ० एस. श्रीकांत स्वामी,

कुरूक्षेत्र  
कोलकाता  
कोलकाता  
इम्फाल  
बेंगलुरु  
भुवनेश्वर

कोलकाता  
आरा  
मुंगेर

मेघालय  
हरिद्वार  
दिल्ली  
दिल्ली  
दिल्ली  
जामनगर  
अलमोर  
नई दिल्ली  
मैसूर

प्रो० एस. के निम्भोरकर,  
प्रो० दीप एन. श्रीवास्तव,  
प्रो० सुदीप कुमार घोष,  
प्रो० संतोष चिदनगील,  
प्रो० (श्रीमती) व्हाई. विमला,

#### परिषद के निर्वाचित सदस्य

श्रीमती कुमकुम स्वरूप,  
डॉ० निवेदिता चक्रवर्ती,  
प्रो० सुनील प्रकाश त्रिवेदी,  
डॉ० एम. जी. रघुनाथन,  
डॉ० के. टी. चंद्र शेखर,  
प्रो० सी. मुथामिजचेलवन,  
डॉ० ए. एम. सक्सेना,

#### कोलकाता नगर निगम के प्रतिनिधि

श्री ज्योति प्रकाश सरकार,

#### एवरीमैन्स साइंस के मुख्य संपादक

डॉ० अशोक कुमार सक्सेना, कानपुर

#### भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आई. एन. एस. ए) परिषद के प्रतिनिधि

प्रो० एन. आर. जगन्नाथन, नई दिल्ली

औरंगाबाद  
नई दिल्ली  
खड़गपुर  
मणिपाल  
मेरठ

कानपुर  
कोलकाता  
लखनऊ  
चेन्नई  
मैसूर  
कट्टनकुलाथूर  
लखनऊ

कोलकाता

## कार्मिक

## 31 मार्च, 2019 को कर्मचारियों की संख्या

**कार्यकारी सचिव**  
डॉ. अमित कृष्ण दे

**कार्यालय सहायक II**  
श्री कौशिक कुमार नंदी  
श्री सुदीप कुमार बाला  
श्री दीपंकर दे  
श्री शंभुनाथ चटर्जी

**सहायक कार्यकारी सचिव**  
डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय

**कार्यालय सहायक III**  
श्री अक्षय कुमार पात्र\*\*  
श्री ओएन मेकाबियस लकरा  
श्री अनित पाल  
श्री कृष्ण भुजेल  
श्री सुधांशु चौधुरी  
श्री प्रभुदयाल सिंह  
श्री सुभाष दास  
श्री स्वरूप कुमार मंडल  
श्री गोपाल नाथ  
श्री दीपेश चन्द्र घोष

**अनुभाग विभाग III**  
श्रीमती इंद्राणी दास

**बहुकार्य कर्मचारी**  
श्री सैकत मंडल  
श्री अनुपम सरकार  
श्री इमनकल्याण मुखर्जी

**कार्यालय सहायक I**  
श्री संतु कुमार घोष  
श्रीमती स्वस्ति राय\*

**स्टाफ कार ड्राइवर**  
श्री मनोजीत शंकर दासगुप्ता

**कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक**  
श्रीमती देवश्री दत्ता(साहा)

**कार्यालय सहायक I**  
श्री पीयूष घोष

\* 31-01-2019 को सेवानिवृत्त

\*\* 31-12-2018 को सेवानिवृत्त

## भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
पहला	1914	कलकत्ता	माननीय. न्यायमूर्ति सर आशुतोष मुखर्जी	विज्ञान कांग्रेस के बारे में
दूसरा	1915	मद्रास	माननीय. महासर्जन डब्लू. बी. बैनरमान	उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में कार्य कर रहे चिकित्साकर्मियों एवं वैज्ञानिकों के लिए जैविकी के ज्ञान का महत्व
तीसरा	1916	लखनऊ	कर्नल सर सिडनी जी. बर्ार्ड	उत्तर भारत के मैदानी भागों और हिमालय अनुश्रृंखला
चौथा	1917	बंगलोर	सर अल्फ्रेड जिम्स बोर्न	वैज्ञानिक अनुसंधान पर
पाँचवाँ	1918	लाहौर	गिल्बर्ट टी. वाकर	विज्ञान - शिक्षा पर
छठा	1919	बंबई	लेफ्टिनेंट कर्नल सर लियोनार्ड रोजर्स	हैजा संबंधी अनुसंधान
सातवाँ	1920	नागपुर	आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय	आधुनिक भारत में विज्ञान का प्रारम्भ
आठवाँ	1921	कलकत्ता	सर राजेंद्र नाथ मुखर्जी	विज्ञान और उद्योग पर
नौवाँ	1922	मद्रास	श्री एस. एस. मिडिलमिस	सापेक्षता
10वाँ	1923	लखनऊ	सर एम. वीश्वेश्वराय	वैज्ञानिक संस्था एवं वैज्ञानिक
11वाँ	1924	बंगलोर	डॉ. टी. एन अन्नाडेल	अभिसारी एवं अपसारी विकास
12वाँ	1925	बनारस	डॉ. एम. ओ. फॉस्टर	प्रायोगिक प्रशिक्षण पर
13वाँ	1926	बंबई	श्री. अल्बर्ट हावर्ड	कृषि एवं विज्ञान
14वाँ	1927	लाहौर	सर जे. सी. बोस	जीवन की एकता

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
15वाँ	1928	कलकत्ता	डॉ. जे. एल. साइमनसन	प्राकृतिक उत्पाद रसायन पर
16वाँ	1929	मद्रास	प्रो. सी. भी. रमन	रमन प्रभाव पर
17वाँ	1930	इलाहाबाद	कर्नल एस. आर. क्रिस्टोफर	विज्ञान और रोग
18वाँ	1931	नागपुर	लेफ्टिनेंट कर्नल आर. बी. सेमूर सेवेल	विकास की समस्या- शारीरिक संरचना का प्रौद्योगिक रूपान्तरण
19वाँ	1932	बंगलोर	राय बहादुर लाल शिवराम कश्यप	हिमालय और तिब्बत की ऊँचाई पर पाई जानेवाली वनस्पति संबंधित कुछ पहलू
20वाँ	1933	पटना	श्री. लुईस एल. फरमोर	राष्ट्रीय जीवन में भूविज्ञान के स्थान
21वाँ	1934	बंबई	प्रो. एम. एन. साहा	आधारभूत ब्रह्मांडीय समस्याएं
22वाँ	1935	कलकत्ता	डॉ. जे. एच. हट्टन	मानवविज्ञान और भारत
23वाँ	1936	इंदौर	सर यू. एन. ब्रह्मचारी	चिकित्सा की नवीनतम प्रगति में विज्ञान की भूमिका
24वाँ	1937	हैदराबाद	राव बहादुर टि. एस. वेंकटरमन	भारतीय गाँव - भूत, वर्तमान और भविष्य
25वाँ	1938	कलकत्ता	श्री. जेम्स जीन्स (नेल्सन के लॉर्ड रदरफोर्ड की असामयिक मृत्यु हो गई)	भारत में और ग्रेट ब्रिटेन में अनुसंधान
26वाँ	1939	लाहौर	प्रो. जे. सी. घोष	भारत में रसायनिक अनुसंधान
27वाँ	1940	मद्रास	प्रो. बी. साहनी	द डेक्कन ट्रेप्स: तृतीय युग की घटना
28वाँ	1941	बनारस	सर अर्देशिर दलाल	विज्ञान और उद्योग
29वाँ	1942	बड़ौदा	डॉ. डी. एन. वाडिया	भारत-निर्माण

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
30वाँ	1943	कलकत्ता	डॉ. डी. एन. वाडिया	युद्ध में खनिजों का शेयर
31वाँ	1944	दिल्ली	प्रो. एस. एन. बोस	संतुलित नियतत्ववाद और क्वांटम सिद्धान्त
32वाँ	1945	नागपुर	सर शांति एस. भटनागर	विज्ञान को एक मौका दें
33वाँ	1946	बंगलोर	प्रो. एम. अफ़ज़ल हुसैन	भारत की खाद्य समस्या
34वाँ	1947	दिल्ली	पंडित जवाहर लाल नेहरू	राष्ट्र की सेवा में विज्ञान
35वाँ	1948	पटना	कर्नल सर राम नाथ चोपड़ा	भारत में दवा का औचित्य - स्थापन
36वाँ	1949	इलाहाबाद	श्री. के. एस. कृष्णन	-----
37वाँ	1950	पूना	प्रो. पी. सी. महालानोबिस	आँकड़े क्यों
38वाँ	1951	बंगलोर	डॉ. एच. जे. भाभा	प्राकृतिक दुनिया की वर्तमान संकल्पनाएँ
39वाँ	1952	कलकत्ता	डॉ. जे. एन. मुखर्जी	विज्ञान और हमारी समस्याएँ
40वाँ	1953	लखनऊ	डॉ. डी. एम. बोस	सजीव और निर्जीव
41वाँ	1954	हैदराबाद	डॉ. एस. एल. होरा	वैज्ञानिकों को एक अवसर दें
42वाँ	1955	बड़ौदा	प्रो. एस. के. मित्रा	विज्ञान और प्रगति
43वाँ	1956	आगरा	डॉ. एम. एस. कृष्णन	खनिज संसाधन और उनकी समस्याएँ
44वाँ	1957	कलकत्ता	डॉ. बी. सी. राय	मानव-कल्याण और देश के विकास के लिए विज्ञान
45वाँ	1958	मद्रास	प्रो. एम. एस. थैकर	वैज्ञानिक विकास का व्याकरण
46वाँ	1959	दिल्ली	डॉ. ए. एल. मुदलियार	आधारभूत विज्ञान कि प्रसंशा

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
47वाँ	1960	बंबई	प्रो. पी. परिजा	विज्ञान और समाज का प्रभाव
48वाँ	1961	रुड़की	प्रो. एन. आर. धर	नाइट्रोजन समस्या
49वाँ	1962	कटक	डॉ. बी मुखर्जी	मनुष्य को जीवविज्ञान का प्रभाव
50वाँ	1963	दिल्ली	प्रो. डी. एस.कोठारी	विज्ञान एवं विश्वविद्यालयों
51वाँ	1964	कलकत्ता	प्रो. हुमायूं कबीर	विज्ञान एवं राज्य
52वाँ	1965	कलकत्ता	प्रो. हुमायूं कबीर	-----
53वाँ	1966	चंडीगढ़	प्रो. बी. एन. प्रसाद	भारत में विज्ञान
54वाँ	1967	हैदराबाद	प्रो. टि. आर. शेषाद्री	विज्ञान और राष्ट्रीय कल्याण
55वाँ	1968	वाराणसी	डॉ. आत्माराम	भारत में विज्ञान - कुछ पहलू
56वाँ	1969	बंबई	डॉ. एके जोशी (प्रो. ए. सी. बनर्जी का असामयिक निधन हो गया)	चैन की साँस: मानव की सेवा में पादप विज्ञान
57वाँ	1970	खड़गपुर	डॉ. एल. सी. वर्मन	मानकीकरण: त्रिसूत्री विषय
58वाँ	1971	बंगलोर	डॉ. बी. पी पाल	कृषि विज्ञान एवं मानव-कल्याण
59वाँ	1972	कलकत्ता	प्रो. डब्लू. डी. वेस्ट	भारत की सेवा में भूविज्ञान
60वाँ	1973	चंडीगढ़	डॉ. एस भगवंतम	भारत में विज्ञान के 60 वर्ष
61वाँ	1974	नागपुर	प्रो. आर. एस. मिश्रा	गणित – रानी या नौकरानी
62वाँ	1975	दिल्ली	प्रो. (श्रीमती) असिमा चटर्जी	भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी: वर्तमान एवं भविष्य
63वाँ	1976	वाल्टेयर	डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन	विज्ञान एवं एकीकृत ग्रामीण विकास
64वाँ	1977	भुवनेश्वर	डॉ. एच. एन सेतना	संसाधनों का सर्वेक्षण एवं उपयोग

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
65वाँ	1978	अहमदाबाद	डॉ. एस. एम. सरकार	विज्ञान शिक्षा एवं ग्रामीण विकास
66वाँ	1979	हैदराबाद	प्रो. आर. सी. मेहरोत्रा	आगामी दशक में विज्ञान और प्रौद्योगिकी
67वाँ	1980	यादवपुर	प्रो. ए. के. साहा	भारत के लिए ऊर्जा रणनीति
68वाँ	1981	वाराणसी	प्रो. ए. के. शर्मा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास का पर्यावरण पर प्रभाव
69वाँ	1982	मैसूर	प्रो. एम. जी. के. मेनन	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्वावलंबी आधार के अभिन्न घटक के रूप में आधारभूत अनुसंधान
70वाँ	1983	तिरुपति	प्रो. बी. रामचंद्र राव	मानव और महासागर - संसाधन एवं विकास
71वाँ	1984	राँची	प्रो. आर. पी. बंबा	भारत में बेहतर विज्ञान – उद्देश्य और साधन
72वाँ	1985	लखनऊ	प्रो. ए. एस. पेंटल	उत्तुंगता - अध्ययन
73वाँ	1986	दिल्ली	डॉ. टी. एन. खोशू	पर्यावरण प्रबंधन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका
74वाँ	1987	बंगलोर	प्रो. (श्रीमती) अर्चना शर्मा	संसाधन और मानवकल्याण - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान
75वाँ	1988	पुणे	प्रो. सी. एन. आर. राव	विज्ञान और प्रौद्योगिकी की सीमाएँ
76वाँ	1989	मदुरै	डॉ. ए. पी. मित्रा	भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मिशन
77वाँ	1990	कोचीन	प्रो. यशपाल	सोसायटी में विज्ञान
78वाँ	1991	इंदौर	प्रो. डी. के. सिन्हा	प्राकृतिक आपदा से सामना: एक एकीकृत दृष्टिकोण

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
79वाँ	1992	बड़ौदा	डॉ. वसंत गोवारिकर	विज्ञान, जनसंख्या और विकास
80वाँ	1993	गोवा	डॉ. एस. जेड कासिम	विज्ञान और बेहतर जीवन
81वाँ	1994	जयपुर	प्रो. पी. एन. श्रीवास्तव	भारत में विज्ञान: उत्कृष्टता एवं जवाबदेही
82वाँ	1995	कलकत्ता	डॉ. एस. सी. पक्राशी	भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग का विकास
83वाँ	1996	पटियाला	प्रो. यू. आर. राव	खाद्य, आर्थिक और स्वस्थ सुरक्षा के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
84वाँ	1997	दिल्ली	डॉ. एस. के. जोशी	विज्ञान और अभियंत्रिकी की सीमाएँ और राष्ट्रीय विकास में उनकी प्रासंगिकता
85वाँ	1998	हैदराबाद	प्रो. पी. रामाराव	स्वतंत्र भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी: भूत एवं भविष्य
86वाँ	1999	चेन्नई	डॉ. (श्रीमती) मंजु शर्मा	नवजीवविज्ञान: नई सहस्राब्दी में अवसर और चुनौतियाँ
87वाँ	2000	पुणे	डॉ. आर. ए. माशेलकर	आगामी सहस्राब्दी में भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी
88वाँ	2001	दिल्ली	डॉ. आर. एस. परोदा	खाद्य, पोषण और पर्यावरण- सुरक्षा
89वाँ	2002	लखनऊ	प्रो. एस. एस. कटियार	स्वास्थ्य- रक्षा, शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी
90वाँ	2003	बंगलोर	डॉ. के. कस्तूरीरंगन	फ्रंटियर साइन्स एवं अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी
91वाँ	2004	चंडीगढ़	प्रो. अशीष दत्ता	21वीं शताब्दी में विज्ञान और समाज: उत्कृष्टता की तलाश

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
92वाँ	2005	अहमदाबाद	प्रो. एन. के. गांगुली	स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी - राष्ट्र के विकास का आधार
93वाँ	2006	हैदराबाद	प्रो. आई. वी. सुब्बाराव	एकीकृत ग्रामीण विकास: विज्ञान और प्रौद्योगिकी
94वाँ	2007	अन्नामलाई नगर	डॉ. हर्ष गुप्ता	पृथ्वीग्रह
95वाँ	2008	विशाखापटनम	प्रो. आर. राममूर्ति	पर्यावरण अनुकूल विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग ज्ञान आधारित समाज
96वाँ	2009	शिलांग	डॉ. टी. रामासामी	विज्ञान की शिक्षा और अनुसंधान की विशिष्टता के लिए प्रतिभा का आकर्षण
97वाँ	2010	तिरुवनंतपुरम	डा. जी. माधवन नायर	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की 21 वीं सदी में चुनौतियाँ
98वाँ	2011	चेन्नई	प्रो. के. सी. पाण्डेय	गुणवत्ता शिक्षा और भारतीय विश्वविद्यालयों में वैज्ञानिक अनुसंधान में उत्कृष्टता
99वाँ	2012	भुवनेश्वर	प्रो. गीता बाली	समावेशी नवाचार के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका
100वाँ	2013	कोलकाता	डॉ. मनमोहन सिंह	भारत के भविष्य को आकार देने के लिए विज्ञान
101वाँ	2014	जम्मू	प्रो डॉ. रणवीर चंदर सोबती	समावेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार
102वाँ	2015	मुम्बई		मानव विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
103वाँ	2016	मैसूर	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना	भारत में स्वदेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
104वाँ	2017	तिरुपति	प्रो. डी. नारायण राव	राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
105वाँ	2018	इम्फाल	डॉ. अच्युत सामंत	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपरिवर्तित पहुँच
106वाँ	2019	जलंधर	डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती	भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी

## भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव

वर्ष	नाम	वर्ष	नाम
1913-14	श्री डी. हूपर	1973-76	डॉ. एस. एम. सरकार
1914-26	डॉ. जे. एल. साइमनसन	1974-77	प्रो. आर. डी. तिवारी
1914-20	श्री पी. एस. मैकमोहन	1976-79	प्रो. ए. के. शर्मा
1920-25	डॉ. सी. वी. रमन	1977-80	डॉ. बी. रामचन्द्र राव
1924-35	डॉ. एस. पी. आगरकर	1979-82	डॉ. डी. बसु
1926-30	डॉ. रोलाँ वी. नॉरिस	1980-83	प्रो. अरुण कुमार डे
1930-32	डॉ. एच. बी. डन्नीक्लीफ़	1982-85	प्रो.(श्रीमती) अर्चना शर्मा
1932-39	श्री डब्ल्यू. डी. वेस्ट	1983-86	प्रो. एम. के. सिंघल
1935-40	प्रो. जी. एन. मुखर्जी	1985-88	प्रो. डी. के. सिन्हा
1938-34	प्रो. पी. पिरजा	1986-89	डॉ.(सुश्री) एस. पी. आर्य
1939-45	प्रो. एस. के. मित्रा	1988-91	डॉ. एस. सी. पक्राशी
1944-45	प्रो. पी. सी. मिटर	1989-92	डॉ. (श्रीमती) गौरी गांगुली
1944-49	प्रो. एम. कुरेशी	1991-94	प्रो. डी. पी. चक्रवर्ती
1945-48	प्रो. पी. सी. महालानोबिस	1992-95	प्रो. एच. पी. तिवारी
1948-52	डॉ. बी. मुखर्जी	1994-97	प्रो. एस. पी. मुखर्जी
1948-52	डॉ. बी. संजीव राव	1995-98	डॉ.(श्रीमती) योगिनी पाठक
1952-53	डॉ. एस. आर. सेनगुप्ता	1997-2000	प्रो. ए. एस. मुखर्जी
1952-55	डॉ. बी. एन. प्रसाद	1998-2001	प्रो. उमाकान्त
1953-57	डॉ. यू. पी. बसु	2000-2003	प्रो. ए. बी. बनर्जी
1955-58	डॉ. बी. बी. जोशी	2001-2004	प्रो. बी. सत्यनारायण
1957-60	डॉ. ए. के. डे	2003-2006	प्रो. बी. पी. चटर्जी
1958-61	डॉ. बी. एन. प्रसाद	2004-2007	प्रो. एस. पी. सिंह
1960-62	प्रो. बी. सी. गुहा	2006-2009	प्रो. अभिजित बनर्जी
1961-65	प्रो. पी. एल. गिल	2007-2010	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना
1962-66	डॉ. आत्माराम	2010-2013	डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती
1965-68	प्रो. चन्द्रशेखर घोष	2010-2013	डॉ.(श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना
1966-70	प्रो. ए. के. साहा	2013-2016	इंजीनियर निलांशु भूषण बासु
1968-71	प्रो. आर. एस. मिश्रा	2013-2016	प्रो. अरुण कुमार
1970-73	प्रो. (श्रीमती) असिमा चैटर्जी	2016-2019	प्रो. गंगाधर
1971-74	प्रो. रामचन्द्र पॉल	2016-2019	प्रो. प्रेमेन्दु पी. माथुर

## भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव

वर्ष	नाम	वर्ष	नाम
1913-14	श्री डी. हूपर	1968-71	डॉ. एस. एम. सरकार
1914-16	डॉ. जे. एल. साइमनसन	1971-74	प्रो. ए. के. शाहा
1916-19	श्री आर. डी. मेहतता	1974-76	प्रो. ए. के. शर्मा
1919-20	श्री डी. आर. भंडारकर	1976-77	प्रो. ए. के. साहा
1920-21	श्री डब्ल्यू. डब्ल्यू. के पाजे	1977-80	प्रो. डी. एन. कुंडू
1920-21	श्री ओसवालड मार्टिन	1980-82	प्रो.(श्रीमती) अर्चना शर्मा
1921-22	श्री ए. के. हार्ले	1982-85	प्रो. डी. के. सिन्हा
1922-23	श्री डब्ल्यू. आर. सी. ब्रायरले	1985-86	प्रो. अशोक घोष
1923-24	डॉ. सी. वी. रमन	1986-88	डॉ. सत्येश चन्द्र पक्राशी
1924-25	डॉ. बेनी प्रसाद	1988-89	प्रो. डी. के. सिन्हा
1925-26	डॉ. एस. एल. होरा	1989-91	प्रो. डी. पी. चक्रवर्ती
1927-30	डॉ. बेनी प्रसाद	1991-92	डॉ. डी. बसु
1930-31	श्री के. सी. महिंद्रा	1992-94	प्रो. एस. पी. मुखर्जी
1931-32	श्री जैस इंश	1994-95	डॉ. डी. बसु
1932-34	श्री के. सी. महिंद्रा	1995-98	डॉ. एस. बी. महतो
1934-37	डॉ. एस. एल. होरा	1998-2000	प्रो. ए. बी. बनर्जी
1937-38	राय बहादुर, डॉ. एस. एल. होरा	2000-2001	प्रो. एस. पी. मुखर्जी
1938-39	श्री पर्सी ब्राउन	2001-2003	प्रो. बी. पी. चटर्जी
1939-44	प्रो. जे. एन. मुखर्जी	2003-2004	प्रो. ए. बी. बनर्जी
1944-49	प्रो. पी. राय	2004-2006	प्रो. अभिजीत बनर्जी
1949-52	प्रो. के. एन. बग्ची	2006-2007	प्रो. ए. बी. बनर्जी
1952-55	प्रो. पी. सी. महालोबनिस	2009-2010	प्रो. बी. पी. चटर्जी
1955-58	प्रो. बी. के. सरकार	2010-2013	इंजीनियर निलांशु भूषण बासु
1958-60	डॉ. बी. सी. गुहा	2013-2016	प्रो. ध्यानेन्द्र कुमार
1960-65	प्रो. पी. के. बोस	2016-2019	प्रो. रणजीत कुमार वर्मा
1965-68	प्रो. (श्रीमती) असिमा चैटर्जी		



# भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

**लेखा परीक्षा और लेखा**

**31 मार्च, 2019**



## ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगी

### चार्टर्ड अकाउन्टेंट

शाखा कार्यालय: पोद्दार कोर्ट, 18 रवीन्द्र सरानी, गेट नंबर 1, 5 वीं मंजिल कमरा नंबर 542 कोलकाता 700001

प्रधान कार्यालय: एमएसएवी -03, फेज -1, बंगाल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, सिटी सेंटर, दुर्गापुर -713216

अन्य शाखाएँ: कोलकाता, मुंबई

संपर्क: डायल: +91 8420868317

फैक्स: + 9134-32545664, 033-40719053

ईमेल: rohitashguptadgp@gmail.com

जीएसटीएन: 19AAWFA8053B1Z8

### स्वतंत्र लेखा -परीक्षकों का प्रतिवेदन

#### भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्यों के प्रति

#### वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट:

हम भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के संलग्न बैलेन्स शीट और अक्षय निधि के समावेश के वित्तीय वक्तव्यों का लेखा परीक्षण 31 मार्च, 2019 का किए हैं और अनुदान के आय-व्यय लेखा (योजना और गैर लेखा योजना) और अक्षय निधि और उस तारीख को समाप्त हुये वर्ष के लिए प्राप्तियों और भुगतान खाते के अलावा एक सारांश महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी दिया गया है।

#### वित्तीय वक्तव्यों के लिए प्रबंधन कि ज़िम्मेदारी:

संस्था के प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए और इन वित्तीय स्थितियों की सही और निष्पक्ष देखने के लिए, वित्तीय प्रदर्शन और समापन नगद/ बैंक लेखा मानकों के अनुसार संस्था के लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार ज़िम्मेदारी है और यह आम तौर पर भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार है। एस ज़िम्मेदारी को भी संघ की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और रोकने और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं, चयन और उचित लेखांकन नीतियों के आवेदन का पता लगाने, निर्णय और अनुमान है की उचित और विवेकपूर्ण बनाने के लिए कानून के अनुसार पर्याप्त लेखा अभिलेखों का रख रखाव शामिल और डिजाइन, कार्यान्वित और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे सटीकता और तैयारी और वित्तीय बयान है कि एक सच्चे और निष्पक्ष दृश्य देने और सामाग्री गलत बयान से मुक्त करना है। इसकी प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक लेखा अभिलेखों कि पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए रखरखाव, धोखाधड़ी या तृटी के कारण चाहिए।

#### लेखा – परीक्षकों कि ज़िम्मेदारी:

हमारी ज़िम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करने के लिए है। हम भारत के चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स संस्थान द्वारा जारी किए गए अंकेक्षण मानकों के अनुसार अंकेक्षण किए गए है। उन मानकों का बयान हमारे नैतिक आवश्यकताओं के अनुरूप है और योजना और वित्तीय सामाग्री को उचित आश्वसन प्राप्त करने के लिए प्रदर्शन की आवश्यकता होती है।

लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं के प्रदर्शन शामिल है जो राशि और वित्तीय बयान में खुलासा करते हैं। चयनित प्रक्रिया लेखा परीक्षक के फैसले पर निर्भर करती है जिसमें वित्तीय विवरणों का बयान धोखाधड़ी या तृटिपूर्ण के जोखिम भी



शामिल है। उन जोखिमों का आकलन करने के क्रम में, लेखा परीक्षक संस्था की आंतरिक तैयारी और उचित हालत को समझता है और लेखा परीक्षा की प्रक्रिया डिजाइन करने के क्रम में वित्तीय बयान की निष्पक्ष प्रस्तुति करता है। लेखा परीक्षा लेखांकन नीतियों के औचित्य और लेखा की तर्कसंगतता का मूल्यांकन भी करता है जो प्रबंधन द्वारा दी गई है, साथ ही, वित्तीय बयान की सामाग्री प्रस्तुति का मूल्यांकन करने का अनुमान भी लगाता है।

#### योग्यता का आधार: -

- 1) वर्ष के दौरान सरकार से प्राप्त अनुदान के रूप में एएस - 12 को बुक किया गया है। समान अनुदान के लिए सामंजस्य उपलब्ध किया गया है, लेकिन कुल संपत्ति खाने और गैर आवर्ती निधि अनुदान के बीच अंतर के लिए कोई सुलह उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है।
- 2) अवकाश नगदीकरण और ग्रेच्युएटी के संबंध में खाते की पुस्तकों के अनुसार देयताएं एक्चुअरी वैल्यूएशन के अनुसार गणना की गई देनदारियों से अधिक हैं। ( ध्यान दें - 18) (1,2,3)
- 3) बैंक द्वारा जमा की गई सावधि जमा पर ब्याज स्रोत पर कटे गए कर का शुद्ध होता है। विभिन्न फंडों पर ब्याज कर के दायरे में लिया गया है जो कि सकल मूल्य पर होना चाहिए था। विभिन्न फंडों पर ब्याज कर के दायरे में किया गया है जो कि सकल मूल्य पर होना चाहिए था। विभिन्न फंडों पर ब्याज से स्रोत पर घटाए गए कुल आकार नीचे दिये गए हैं -
  - a) वित्तीय वर्ष 2018-19 रु. 8,65,769.00 (बंदोबस्ती निधि कि निश्चित जमा राशि पर टीडीएस - रु. 1,16,075.00)
  - b) वित्तीय वर्ष 2017-18 - रु. 9,51,651.00.
  - c) वित्तीय वर्ष 2016-17 - रु. 10,11,501.00.

इनका लेखा जोखा निधि और रु. 8,65,769.00 द्वारा निवेश मूल्य के परिणामस्वरूप नहीं किया गया है। चालू वर्ष और रु. 8,65,769.00 के लिए ( खातों में नोट संख्या 10 का उल्लेख करें) 12017 - 2018 के लिए।

9,51,651.00 स्रोत रु. 8,65,769.00 पर घटाए गए आयकर का और अधिक गैर लेखांकन संस्था को नुकसान होगा, क्योंकि यह खातों कि किताबों में अग्रिम आकार के रूप में नहीं दिखाया गया है।

- 4) रु. 32,40,302 कि आकस्मिक देयता वार्षिकी वर्ष 2012 - 13 के लिए विवाद/ अपील के तहत आकार मांग के लिए रेफर नोट संख्या 11 खातों में से हालाँकि, उसी कि वर्तमान स्थिति हमें उपलब्ध नहीं कराई जा सकी। रु. 19,450.00 कि आगे कि देनदारियाँ (माँग) निशान (टीडीएस) में खड़े होने के लिए। (नोट देखें - 18 (9))।
- 5) 2017-18 कुल रकम के दौरान विभिन्न शाखाओं को भेजी गई राशि। विभिन्न उद्देश्यों के लिए रु. 83,37,607.00 खर्चों कि प्रकृति और किए गए वास्तविक खर्चों के संबंध में कोई शुल्क नहीं लिया गया। 26 शाखाओं में से 9 शाखाओं में रु. 41,15,000.00 कि राशि का उपयोग प्रमाणपत्र नहीं भेजा गया है। आगे के शाखाओं ने रु. 7,07,515.00 का उपयोग प्रमाण पत्र भेजा है पहले के वर्षों का। (नोट 18(12) देखें)
- 6) संघ विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न कोष रखता है। यह देखा गया है कि फंड और पेंशन फंड के निर्माण के मामलों में, फंड शेष निवेश मूल्य के साथ मेल नहीं खाता है जिसके लिए कोई सुलह नहीं हुई है।
- 7) बिलिडिंग फंड जो बहुत पहले बनाया गया था, बिना किसी कारवाई या लेनदेन के आगे बढ़ाया जा रहा है।



- 8) रु. 19,67,350 की राशि जुलाई, 2017 के महीने में प्राप्त किया गया था, सदस्यता के लिए आवेदन अभी भी ऑडिट की तारीख के रूप में सदस्यता आवेदन खाते में पड़ा हुआ है (नोट संख्या 18(10) देखें)।
- 9) निम्नलिखित अग्रिम एक लंबे समय के लिए असमायोजित रुओ में है:
- |         |  |              |
|---------|--|--------------|
| 2009-10 | प्रकाशन सूचना केंद्र                     | रु. 1,500.00 |
| 2012-13 | रामकृष्ण मिशन संस्थान                    | रु 8,300.00  |
| 2014-15 | भारत सरकार (टकसाल)                       | रु. 1450.00  |
| 2014-15 | प्रो. डब्ल्यू डी वेस्ट स्मारकअवार्ड निधि | रु. 1000.00  |
- 10) वर्ष 2017-18 में लागत के हिसाब से क्षतिग्रस्त स्टॉक का रु. 47,482.52 आविष्कारों में शामिल हैं लेकिन इसका वास्तविक मूल्य कम है। इसलिए इसे उचित बाजार मूल्य देने के लिए क्षतिग्रस्त स्टॉक को लिखने कि सिफारिशें कि जाती है। आगे के आविष्कारों में रु. 69,639.87 का दावा शामिल है। एक प्रकाशक एम/एस सेवा मुद्रण के खिलाफ।

### बंदोबस्ती निधि

- 1) प्राक्तन निधि की जानवी जमा पर ब्याज का भुगतान कृषि के आधार पर किया गया है, न कि प्रोदभावन के आधार पर।
- 2) प्राक्तन निधि से किए गए ब्याज कि भरी हानी के रूप ने बैंक के साथ सावधि जमा कि बजाए बचत खाते में रखा जाता है। रुपये 2,99,96,931.54 के कुल शेष के बाहर 31.03.2019 को प्राक्तन निधि में रुपये 1,77,54,955 को सावधि जमा और शेष राशि में रखा जाता है। रुपये 1,22,41,976.54 बचत खाते में है। वित्तीय वर्ष 2018-19 में व्यय (पुरस्कार) है और 2017-18 में 3,91,615 है। बचत खाते में इतनी बढी शेष राशि रखने के करणों' को समझाया नहीं जा सका।

इन मामलों में हमारी राय में संसोधन किया गया है।

### राय

हमारी राय में और हमारी जानकारी के अनुसार और हमारे दिये गए विवरणों के अनुसार 'लेखा परीक्षा अवलोकन' (एक) से तीन के अधीन सच्चे तरीके से जानकारी देने के लिए वित्तीय व्यक्तियों के लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप निष्पक्ष दृश्य आमतौर पर भारत में स्वीकार किए जाते हैं: -

- क) संस्था के मामलों में बैलेन्स शीट 31 मार्च, 2018 के रूप में,
- ख) 31 मार्च, 2019 तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए अधिवेष कि आय और व्यय खाते के मामले में, और
- ग) 31 मार्च, 2019 वर्ष के लिए वास्तविक प्राप्ति और भुगतान एवं प्राप्ति एवं भुगतान के मामले में उस तारीख पर और 31-03-2019 समापन नगद बैलेन्स समाप्त हो गया।

### अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट:

हम रिपोर्ट करते हैं कि :

- i) हमारे ऑडिट के उद्देश्य के लिए हमें जो जानकारी और स्पष्टीकरण हमारे ज्ञान विश्वास के लिए आवश्यक थे और उसे प्राप्त किए हैं।



- ii) हमारे राय में किताबों कि परीक्षा से प्रकट होता है कि कानून द्वारा अपेक्षित खातों का समुचित पुस्तकें अब तक संस्था द्वारा रखा गया है।
- iii) बैलेन्स शीट, आय और व्यय खाते और इस रिपोर्ट से निपटा प्राप्ति भुगतान खाते कि पुस्तकों के साथ समझौते हैं।
- iv) हमारी राय में उक्त वित्तीय विवरण ICAI द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुरूप है, जहाँ लागू हों सरकारी अनुदान के लेखांकन के अलावा पेंशन, ग्रेच्युटी पर, देनदारियाँ और (AS-15) छुट्टी नकदीकरण हो और अचल सम्पत्तियों का विचलन और उसके लिखित मूल्य नीचे (AS-10)।
- v) मामलों के संबंध में लेखा परीक्षकों कि रिपोर्ट में शामिल किया जाता है, हमारी राय में और हमारी जानकारी का सबसे अच्छा और करने के लिए हमें स्पष्टीकरण के अनुसार हमें करने के लिए दिये गए।
- क) संस्था राइट्स के तहत टिप्पणी 10 में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमेबाजी के प्रभाव का खुलासा किया है।
- ख) संस्था व्युत्पन्न अनुबंध सहित किसी भी दीर्घकालीन अनुबंध नहीं था।
- ग) वहाँ कोई मात्रा में जो संस्था द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोश को हस्तांतरित करने के लिए आवश्यक थे।

कृते ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगियों के लिए

चार्टर्ड अकाउन्टेंट

एफ. आर. एन. 327456ई



ए. सी. ए. अभिजीत सिंह

भागीदार

सदस्य संख्या 306958

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 31-07-2019



## योग्यता का आधार

1. वर्ष के दौरान सरकार से प्राप्त अनुदान के रूप में एएस – 12 को बूक किया गया है। समान अनुदान के लिए सामंजस्य उपलब्ध कराया गया है, लेकिन कुल संपत्ति खाते और गैर आवर्ती निधि अनुदान के बीच अंतर के लिए कोई सुलह उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है

2. अवकाश नकदीकरण और उपदान के संबंध में लेखा पुस्तकों के अनुसार देयताएं बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार गणना की देनदारियों से अधिक कर रहे हैं। पेंशन के संबंध में लेखा पुस्तकों के अनुसार इसके अलावा देयताएं बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार गणना की देनदारियों की तुलना में कम है। (नोट -18 (1,2,3) देखें।

3. बैंक द्वारा जमा की गई सावधि जमा पर ब्याज स्रोत पर कटे गए शुद्ध होता है। विभिन्न फंडो पर ब्याज कर के दायरे में लिया गया है जो कि सकाल मूल्य पर होना चाहिए था। विभिन्न फंडो पर ब्याज कर के दायरे में लिया गया है जो कि सकाल मूल्य पर होना चाहिए था। विभिन्न फंडो पर ब्याज से स्रोत पर घटाए गए कुल आयकर नीचे दिये गए हैं –

आ) वित्तीय वर्ष 2018-19 रुपये 8,65,769.00  
(बदोबस्ती निधि कि निश्चित जमा राशि पर टीडीएस - रुपये 1,16,075.00)

इ) वित्तीय वर्ष 2017-18 रुपये 9,51,651.00

ई) वित्तीय वर्ष 2016-17 - रु. 10,11,501.00.

इनका लेखा जोखा निधि और रु. 8,65,769.00 द्वारा निवेश मूल्य के परिणामस्वरूप नहीं किया गया है। चालू वर्ष और रु. 8,65,769.00 के लिए ( खातों में नोट संख्या 10 का उल्लेख करें) 2017 - 2018 के लिए 9,51,651.00 स्रोत रु. 8,65,769.00 पर घटाए गए आयकर का और अधिक गैर लेखांकन संस्था को नुकसान होगा, क्योंकि यह खातों कि किताबों में अग्रिम आकार के रूप में नहीं दिखाया गया है।

इस वित्तीय वर्ष से ISCA ने पूंजी अनुदान के अनुसार AS-12 शुरू किया है। पहले के वर्षों के अनुसार कुल संपत्ति और गैर आवर्ती निधि अनुदान के बीच अंतर लंबे समय से था। ISCA शेष राशि को समेट रहा है और जैसे ही यह पूरा हो जाएगा प्रदान किया जाएगा।

ग्रेच्युटी और अवकाश नगदीकरण के प्रावधानों को एम/एस द्वारा बीमांकित मूल्यांकन के अनुसार समायोजित किया गया है। पेंशन फंड के प्रावधान के टावर और वॉटसन लिमिटेड। पेंशन फंड के प्रावधान की कमी को ग्रेच्युटी और अवकाश नगदीकरण के अतिरिक्त प्रावधानों से बाहर समायोजित किया जाएगा।

उसके अनुसार करवाई की जाएगी

## योग्यता का आधार

4. रु. 32,40,302 की आकस्मिक देयता वार्षिक वर्ष 2012 - 13 के लिए विवाद/ अपील के तहत आयकर मांग के लिए रेफर नोट संख्या 11 खातों में से हालाँकि, उसी कि वर्तमान स्थिति हमें उपलब्ध नहीं कराई जा सकी। रु. 19,450.00 की आगे की देनदारी (माँग) निशान (टीडीएस) में खड़े होने के लिए। (नोट देखें -18 (9))।

5. 2017-18 कुल रकम के दौरान विभिन्न शाखाओं को भेजी गई राशि। विभिन्न उद्देश्यों के लिए रु. 83,37,607.00 खर्चों कि प्रकृति और किए गए वास्तविक खर्चों के संबंध में कोई शुल्क नहीं लिया गया। 26 शाखाओं में से 9 शाखाओं में रु. 41,15,000.00 कि राशि का उपयोग प्रमाणपत्र नहीं भेजा गया है। आगे के शाखाओं ने रु. 7,07,515.00 का उपयोग प्रमाण पत्र भेजा है पहले के वर्षों का। (नोट 18(12) देखें।

6. संघ विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न कोष रखता है। यह देखा गया है कि फंड और पेंशन फंड के निर्माण के मामलों में, फंड शेष निवेश मूल्य के साथ मेल नहीं खाता है जिसके लिए कोई सुलह नहीं हुई है।

7. बिल्डिंग फंड जो बहुत पहले बनाया गया था, बिना किसी कारवाई या लेनदेन के आगे बढ़ाया जा रहा है।

8. रु. 19,67,350 कि राशि जुलाई, 2017 के महीने में प्राप्त किया गया था, सदस्यता के लिए आवेदन अभी भी ऑर्डर कि तारीख के रूप में सदस्यता आवेदन खाते में पड़ा हुआ है ( नोट संख्या 18(10) देखें) ।

आयकर अपील जो हमने संबंधित वर्ष के लिए दायर की थी वह अभी सुनवाई के लिए तय नहीं है।

25 शाखाओं में से केवल एक शाखा ने आज तक उपयोग प्रमाण पत्र प्रदान नहीं किया है।

पेंशन फंड में अंतर को समेट कर अगले ऑडिट में रखा जाएगा। फंड बैलेन्स में अंतर लंबे समय से अज्ञान कारण से था

मामले को चर्चा के लिए वित्त समिति कि बैठक में रखा जाएगा।

जिन आवेदकों को उक्त आवेदा राशि डी गई है, वे मानक प्रक्रिया के आधार पर अप्राप्य हैं। हालांकि धन को जुलाई 2020 तक रखा जाएगा और आवेदकों को इस समय तक निविर्वाद और कानूनी दावा करने कि प्रतीक्षा करनी होगी। यदि अभी भी कोई धनराशि शेष है तो अगले वर्ष उचित कार्यवाही कि जाएगी।

9. निम्नलिखित अग्रिम एक लंबे समय के लिए असमायोजित रूप से है:

- 2009-10 प्रकाशन सूचना केंद्र रु. 1,500.00
- 2012-13 रामकृष्ण मिशन संस्थान रु 8,300.00
- 2014-15 भारत सरकार (टकसाल) रु. 1450.00
- 2014-15 प्रो. डब्ल्यू डी वेस्ट स्मारक रु. 1000.00  
अवार्ड निधि

10. वर्ष 2017-18 में लागत के हिसाब से क्षतिग्रस्त स्टॉक का रु. 47,482.52 आविष्कारों में शामिल हैं लेकिन इसका वास्तविक मूल्य कम है। इसलिए इसे उचित बाजार मूल्य देने के लिए क्षतिग्रस्त स्टॉक को लिखने कि सिफारिशें कि जाती है। आगे के आविष्कारों में रु. 69,639.87 का दावा शामिल है। एक प्रकाशक एम/एस सेवा मुद्रण के खिलाफ।

अनुस्मारक रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, कोलकाता को भेजा गया 31-03-2019 को शेष अग्रिम पुस्तकें किताबों में पहले से ही समायोजित है।

जैसा कि सुझाव दिया गया है, सूची समायोजित और बंद लिखा जाएगा।

## प्राभूत निधि

1. प्राक्तन निधि की जानधि जमा पर ब्याज का भुगतान रसीद के आधार पर किया गया है, न कि प्रोद्भावन के आधार पर।

लेखांकन मानकों के अनुसार हिसाब किया जाएगा।

2. प्राक्तन निधि से किए गए ब्याज कि भरी हानी के रूप ने बैंक के साथ सावधि जमा कि बजाए बचत खाते में रखा जाता है। रुपये 2,99,96,931.54 के कुल शेष के बाहर 31.03.2019 को प्राक्तन निधि में रुपये 1,77,54,955 को सावधि जमा और शेष राशि में रखा जाता है। रुपये 1,22,41,976.54 बचत खाते में है। वित्तीय वर्ष 2018-19 में व्यय (पुरस्कार) है और 2017-18 में 3,91,615 है। बचत खाते में इतनी बड़ी शेष राशि रखने के कारणों को समझाया नहीं जा सका।

लेखा परीक्षकों से चर्चा कर कार्रवाई कि जाएगी



31, मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्त एवं भुगतान लेखे से संबंधित समेकित विवरण

प्राप्तियाँ		भुगतान		कुल
विवरण	रु	विवरण	रु	रु
		जोय और कागज का मुलमाफल	85,000.00	85,000.00
		विधिक व्यय	1,20,204.00	1,20,204.00
		युवा वैज्ञानिक पुरस्कार	3,50,000.00	3,50,000.00
		युवा वैज्ञानिक यात्रा व्यय	1,68,781.00	1,68,781.00
		युवा वैज्ञानिक आकस्मिक व्यय	10,500.00	10,500.00
		बैटक फीस	11,40,100.00	11,40,100.00
		सत्रीय खर्च	9,478.00	9,478.00
		ए. सी. प्लान्ट का परिचालन एवं रखरखाव	1,10,330.00	1,10,330.00
		आजिवन सदस्यता शुल्क निधि में अंतरण	64,88,286.00	64,88,286.00
		बकाया देय	35,907.00	35,907.00
		ISCA कार्यालय गाड़ी	31,907.00	31,907.00
		कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर*	43,440.00	43,440.00
		कम्प्यूटर मशीन	55,450.00	55,450.00
		सामान्य रिजर्व	-	1,00,000.00
		प्रतिधारण धन	2,49,945.00	2,49,945.00
		अतिथि गृह के फर्नीचर एवं फिटिंग	39,730.00	39,730.00
		उपस्कर	22,383.00	22,383.00
		पूर्व भुगतान बीमा	-	15,000.00
		युवा वैज्ञानिक विज्ञापन	18,520.94	18,520.94
		बैंक प्रभार	-	-
		रोकड़ शेष एवं बैंक जमाराशि:	-	-
		रोकड़ शेष	-	2,000.00
		बैंक में शेष रोकड़ : एम. बी. आई में रोकड़	-	24,29,496.28
		: सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में रोकड़	-	55,24,867.66
		: एम. बी. आई - कार्यकारी सचिव	-	-
		शेष चेक	-	-
			3,29,29,640.04	8,31,89,949.60
			3,29,29,640.04	8,31,89,949.60


  
 कृते ए. व्ही. एम. एस. और सहयोगियों के लिए  
 चार्टर्ड अकाउंटेंट  
 एफ. आर. एन. 327456ई

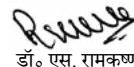
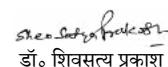
डॉ. शिव सत्य प्रकाश  
 कोषाध्यक्ष

(सी. ए. अभिजीत सिंह)  
 भागीदार  
 सदस्य संख्या 306958

स्थान: कोलकाता  
 दिनांक: 31-07-2019

**भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था**  
14, डॉ. बीरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता – 700 017

31 मार्च, 2019 के रूप में तुलन पत्र				
(Amount in Rs.)				
	विवरण	नोट	31 मार्च, 2019 के रूप में	31 मार्च, 2018 के रूप में
<b>I</b>	<b>देयताएं</b>			
<b>1</b>	<b>निधि</b>			
(क)	भंडार और अधिशेष – फंड	1	12,38,38,297.79	13,17,36,166.20
	- अनुदान	1क	2,37,85,407.67	2,37,85,407.67
	- पूंजी		11,67,000.00	-
2	<b>गैर – वर्तमान देयताएं</b>			
(क)	लंबी – अवधि के प्रावधान	2	4,85,23,840.35	4,73,63,222.45
3	<b>मौजूदा देनदारी</b>			
(क)	न्यू मौजूदा देनदारियाँ	3	46,79,250.25	77,49,834.00
	<b>कुल</b>		<b>20,19,93,796.06</b>	<b>21,06,34,630.32</b>
<b>II</b>	<b>संपत्ति</b>			
<b>1</b>	<b>गैर तात्कालिक परिसंपत्ति:</b>			
(क)	संपत्ति			
	(i) मूर्त संपत्ति	4	2,66,33,789.59	2,72,77,082.23
	(iक) प्रगति कार्य में पूंजी-मूर्त	4	52,493.00	8,55,924.00
	(ii) अप्रत्यक्ष संपत्ति	4	-	-
	(iiख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर-अमूर्त	4	-	-
(ख)	गैर मौजूदा निवेश	5	16,16,78,470.70	15,06,59,046.00
(ग)	लंबी – अवधि ऋण और अग्रिम	6	30,48,303.00	11,68,675.00
(घ)	अन्य गैर – मौजूदा संपत्ति	7	3,87,914.51	3,92,414.51
<b>2</b>	<b>मौजूदा संपत्ति</b>			
(क)	माल	8	47,485.32	47,485.32
(ख)	नगद और नगद समकक्ष	9	79,91,131.94	2,79,74,657.26
(ग)	लघु – अवधि ऋण और अग्रिम	10	32,400.00	36,000.00
(घ)	अन्य मौजूदा संपत्ति	11	21,21,808.00	22,23,346.00
	<b>कुल</b>		<b>20,19,93,796.06</b>	<b>21,06,34,630.32</b>
	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ लेखा पर नोट्स	17		
		18		
नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा है। आज की तारीख में संलग्न रिपोर्ट के बारे में				

<p>कृते ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगियों के लिए चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट एफ. आर. एन. 327456ई</p> <p style="text-align: center;"></p> <p>ए. सी. ए. अभिजीत सिंह भागीदार सदस्य संख्या 306958</p> <p>स्थान: कोलकाता दिनांक: 31-07-2019</p>	<p></p> <p>डॉ. एस. रामकृष्ण महासचिव (सदस्यता कार्य)</p>	<p></p> <p>डॉ. शिवसत्य प्रकाश कोषाध्यक्ष</p>
--	--	---

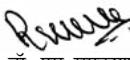
**भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था**  
14, डॉ. बीरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता – 700 017

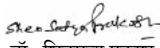
31, मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए योजनागत आय – व्यय लेखा				
क्र. सं.	विवरण	नोट	2018-19	2017-18
			रु.	रु.
क.	आय			
1	सरकार से अनुदान	12	4,48,06,000.00	4,50,00,000.00
	कम: आशुतोष मुखर्जी निधि में स्थानांतरण		-	-
	कम: योजना निर्माण से भवन निधि में स्थानांतरण		-	(61,60,046.00)
	कम: गैर – आवर्ती निधि में स्थानांतरण		-	(13,06,271.00)
2	अन्य कार्यकलापों से आय	13	4,48,06,000.00 50,14,468.34	3,75,33,683.00 63,65,705.44
			4,98,20,468.34	4,38,99,388.44
ख.	व्यय			
3	वैज्ञानिक कार्यकलापों एवं पुरस्कारों में खर्च	14	1,67,23,584.00	1,82,12,277.00
4	अन्य खर्च	15	1,94,84,369.24	1,65,07,782.24
5	कर्मचारियों के लाभ का खर्च	16	2,71,45,023.00	1,99,02,813.00
6	हास	4	16,38,041.31	17,68,925.86
			6,49,91,017.55	5,63,91,798.10
	आय से अधिक व्यय पर		(1,51,70,549.21)	(1,24,92,409.66)
	जो: अधिवेष/ (घाटा) पिछले साल से प्राप्त		44,42,419.71	1,69,34,829.37
			(1,07,28,129.50)	44,42,419.71
	महत्वपूर्ण लेखा नीति	17		
	लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	18		
	हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार			

कृते ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगियों के लिए  
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट  
एफ. आर. एन. 327456ई

ए. सी. ए. अभिजीत सिंह  
भागीदार  
सदस्य संख्या 306958

स्थान: कोलकाता  
दिनांक: 31-07-2019

  
डॉ. एस. रामकृष्ण  
महासचिव (सदस्यता कार्य)

  
डॉ. शिवसत्य प्रकाश  
कोषाध्यक्ष

## 31, मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय व्यय करने के लिए नोट्स

नोट 1 निधि	वर्ष समाप्त 31.03.2019	वर्ष समाप्त 31.03.2018
	राशि	राशि
	₹	₹
<b>अन्य निधि</b>		
<b>सामान्य निधि</b>		
उद्घाटन वर्ष	13,10,709.84	13,07,519.25
के दौरान जोड़ राशि	3,467.64	3,190.59
वर्ष के दौरान भुगतान	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	13,14,177.48	13,10,709.84
<b>आरक्षित निधि</b>		
उद्घाटन राशि	69,88,058.69	64,50,283.24
वर्ष के दौरान जोड़	5,54,590.01	5,37,775.45
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	75,42,648.70	69,88,058.69
<b>सार्वजनिक सूचना अधिकारी निधि</b>		
उद्घाटन राशि	3,940.00	3,940.00
वर्ष के दौरान जोड़	160.00	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	4,100.00	3,940.00
<b>सर आशुतोष मुखर्जी फेलोशिप अवार्ड फंड</b>		
उद्घाटन वर्ष	29,68,318.00	46,51,753.00
के दौरान जोड़ राशि	58,232.00	1,50,565.00
वर्ष के दौरान कम भुगतान	27,60,000.00	18,34,000.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	2,66,550.00	29,68,318.00
<b>कुल</b>	91,27,476.18	1,12,71,026.53
<b>संपत्ति कोष</b>		
<b>भवन निधि</b>		
उद्घाटन वर्ष	10,79,989.18	10,31,750.02
के दौरान जोड़ राशि	51,488.47	48,239.16
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	11,31,477.65	10,79,989.18
<b>आवास निर्माण अग्रिम निधि</b>		
उद्घाटन वर्ष	10,53,697.46	9,97,205.99
के दौरान जोड़ राशि	59,585.10	56,491.47
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	11,13,282.56	10,53,697.46
<b>ISCA विकास निधि</b>		
उद्घाटन वर्ष	1,22,62,832.49	1,16,12,938.03
के दौरान जोड़ राशि	6,35,046.89	6,49,894.46
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,28,97,879.38	1,22,62,832.49
<b>योजना आवास निधि</b>		
उद्घाटन वर्ष	1,75,07,545.32	1,13,47,499.32
के दौरान जोड़ राशि	-	61,60,046.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,75,07,545.32	1,75,07,545.32
<b>कुल</b>	3,26,50,184.91	3,19,04,064.45

	वर्ष समाप्त 31.03.2019 राशि	वर्ष समाप्त 31.03.2018 राशि
<b>आजीवन सदस्यता शुल्क निधि</b>		
उद्घाटन राशि	8,41,18,655.51	7,45,09,541.64
वर्ष के दौरान जोड़	97,86,128.39	1,08,78,077.87
	9,39,04,783.90	8,53,87,619.51
वर्ष के दौरान कम भुगतान	11,16,017.70	12,68,964.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	9,27,88,766.20	8,41,18,655.51
कुल	9,27,88,766.20	8,41,18,655.51
<b>आय व्यय खाते में जमा शेष</b>	₹	₹
उद्घाटन राशि	44,42,419.71	1,69,34,829.37
वर्ष के दौरान जोड़	(1,51,70,549.21)	(1,24,92,409.66)
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	(1,07,28,129.50)	44,42,419.71
कुल	12,38,38,297.79	13,17,36,166.20
<b>नोट 1क अनुदान</b>		
गैर आवर्ती निधि अनुदान		
उद्घाटन राशि	2,37,85,407.67	2,24,79,136.67
वर्ष के दौरान कम भुगतान		13,06,271.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	2,37,85,407.67	2,37,85,407.67
<b>नोट 2 गैर – मौजूदा देनदारियाँ</b>		
<b>लंबी अवधि के प्रावधान</b>		
<b>ग्रेच्युटी फंड</b>		
उद्घाटन राशि	1,75,17,054.83	1,66,93,570.31
वर्ष के दौरान जोड़	8,37,033.28	8,23,484.52
	1,83,54,088.11	1,75,17,054.83
वर्ष के दौरान कम भुगतान	6,38,765.00	-
निधि का हस्तांतरण जोड़	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,77,15,323.11	1,75,17,054.83
<b>पेंशन निधि</b>		
उद्घाटन राशि	1,69,27,099.21	1,61,92,971.11
वर्ष के दौरान जोड़ (ब्याज)	8,58,324.94	7,74,977.00
वर्ष के दौरान जोड़ (अन्य स्थानांतरण)	46,60,888.00	13,73,457.10
	2,24,46,312.15	1,83,41,405.21
वर्ष के दौरान कम भुगतान	48,28,672.00	14,14,306.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,76,17,640.15	1,69,27,099.21
<b>छुट्टी नगदीकरण निधि</b>		
उद्घाटन राशि	1,29,19,068.41	1,22,44,366.98
वर्ष के दौरान जोड़	6,38,936.68	6,74,701.43
	1,35,58,005.09	1,29,19,068.41
वर्ष के दौरान कम भुगतान	3,67,128.00	-
निधि का हस्तांतरण जोड़	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,31,90,877.09	1,29,19,068.41
कुल	4,85,23,840.35	4,73,63,222.45

**नोट 3****मौजूदा देनदारियाँ****बकाया देयताएँ**

गैर योजना

योजना

**जमा**

पिछले खाते के अनुसार

जोड़: जोड़

कम: भुगतान

**योजना प्रतिधारण धन**

प्रारम्भिक

वर्ष के दौरान जोड़

वर्ष के दौरान कम भुगतान

वर्ष के अंत तक निबल शेष

**अग्रिम**

सदस्यता शुल्क

सदस्यता आवेदन पैसे

कुल

वर्ष समाप्त 31.03.2019  
राशिवर्ष समाप्त 31.03.2018  
राशि

42,639.00	35,870.00
22,73,619.25	49,98,992.00
23,16,258.25	50,34,862.00
4,40,240.00	4,54,628.00
2,00,790.00	-
3,02,826.00	14,388.00
3,38,204.00	4,40,240.00
3,06,682.00	1,27,288.00
47,556.00	1,79,394.00
2,97,501.00	-
56,737.00	3,06,682.00
701.00	700.00
19,67,350.00	19,67,350.00
19,68,051.00	19,68,050.00
46,79,250.25	77,49,834.00

# भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

नोट-4 2018-2019 के अवल सम्पत्ति अनुसूची

विवरण	दर	मूल लागत 01-04-18 को	वृद्धि	बिक्री / समयोजन	मूल लागत 31-03-2019 तक	मूल्यहास तक 31-03-18	मूल्यहास वर्ष से संबन्धित	समायोजन का समयोजन	कुल मूल्यहास 31-03-19 को	निवल ब्लॉक 31-03-19 को	निवल ब्लॉक 31-03-18 को	मूल्यहास जिसपर 31-03-2010 तक ध्यान नहीं दिया गया
		(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)
1) भवन निधि संबंधी												
मुख्य भवन	10	4,32,682.25	-	-	4,32,682.25	78,892.31	16,163.71	-	95,056.02	3,37,626.23	3,53,789.94	1,92,152.83
उपभवन	10	64,191.61	-	-	64,191.61	11,907.49	468.70	-	12,376.19	51,815.45	52,284.15	47,597.14
<b>कुल</b>		<b>4,96,873.86</b>			<b>4,96,873.86</b>	<b>90,799.80</b>	<b>16,632.41</b>		<b>1,07,432.21</b>	<b>3,89,441.69</b>	<b>4,06,074.08</b>	<b>2,39,749.97</b>
2) कार्यालय की साज - सज्जा के लिए योजनागत अनुदान संबंधी												
i) साज - सज्जा अतिरिक्त												
भवन निर्माण	10	89,35,512.82	-	-	89,35,512.82	13,69,625.45	6,44,275.71	-	20,13,901.16	69,21,611.64	75,65,887.35	11,23,130.28
ii) नलकूप	10	4,67,573.12	-	-	4,67,573.12	32,297.03	1,271.16	-	33,568.19	4,34,004.93	4,35,276.09	4,22,564.50
iii) व्याख्यान कक्ष का वातानुकूलन	10	37,44,567.74	-	-	37,44,567.74	3,64,578.54	60,862.97	-	4,25,441.51	33,19,126.24	33,79,989.21	28,32,222.50
<b>कुल</b>		<b>1,31,47,653.68</b>			<b>1,31,47,653.68</b>	<b>17,66,501.03</b>	<b>7,06,409.84</b>		<b>24,72,910.86</b>	<b>1,06,74,742.81</b>	<b>1,13,81,152.66</b>	<b>43,77,917.28</b>
3) गैर योजना अनावर्ती निधि अनुदान संबंधी												
फ्रैक्स मशीन	10	51,979.20	-	-	51,979.20	1,339.09	52.64	-	1,391.73	50,587.46	50,640.11	50,113.08
ii) JEPABX मशीन	10	1,72,920.00	-	-	1,72,920.00	47,376.05	3,180.98	-	50,557.03	1,22,362.97	1,25,543.95	93,734.15
<b>कुल</b>		<b>2,24,899.20</b>			<b>2,24,899.20</b>	<b>48,715.14</b>	<b>3,233.62</b>		<b>51,948.76</b>	<b>1,72,950.43</b>	<b>1,76,184.05</b>	<b>1,43,847.23</b>
4) गैर भवन निधि अनुदान संबंधी												
गैर भवन	10	10,701.95	-	-	10,701.95	2,366.10	93.11	-	2,459.21	8,242.74	8,335.85	7,404.66
<b>कुल</b>		<b>10,701.95</b>			<b>10,701.95</b>	<b>2,366.10</b>	<b>93.11</b>		<b>2,459.21</b>	<b>8,242.74</b>	<b>8,335.85</b>	<b>7,404.66</b>
5) टाइपराइटर अनावर्ती निधि अनुदान संबंधी												
टाइपराइटर	10	9,088.79	-	-	9,088.79	17.45	0.71	-	18.16	9,070.62	9,071.33	9,064.26
<b>कुल</b>		<b>9,088.79</b>			<b>9,088.79</b>	<b>17.45</b>	<b>0.71</b>		<b>18.16</b>	<b>9,070.62</b>	<b>9,071.33</b>	<b>9,064.26</b>

विवरण	दर	मूल लागत 01-04-18 को	वृद्धि	बिक्री / समयोजन	मूल लागत 31-03-2019 तक	मूल्यहास तक 31-03-18	मूल्यहास वर्ष से संबंधित	समायोजन का समयोजन	कुल मूल्यहास	निवल ब्लॉक 31-03-19 को	निवल ब्लॉक 31-03-18 को	मूल्यहास जिसपर 31-03-2019 तक ध्यान नहीं दिया गया
		(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)
6) योजनागत अनावर्ती निधि												
अनुदान संबंधी												
i) टाइपराइटर	10	48,417.49	-	-	48,417.49	3,859.35	151.87	-	4,011.22	44,406.26	44,558.14	43,039.44
ii) फर्नीचर												
सामान्य	10	11,45,142.81	-	-	11,45,142.81	3,92,276.72	37,549.96	-	4,29,826.68	7,15,316.13	7,52,866.09	3,77,366.51
व्याख्यायन कक्ष	10	90,726.00	-	-	90,726.00	49,204.63	3,021.50	-	52,226.13	38,499.87	41,521.37	11,306.40
अतिथि गृह	10	9,06,584.00	-	-	9,06,584.00	4,85,816.27	37,539.90	-	5,23,356.17	3,83,227.83	4,20,767.76	45,368.79
मुख्य भवन वातावरण	10	11,81,906.49	-	-	11,81,906.49	4,66,817.47	28,152.97	-	4,94,970.44	6,86,936.05	7,15,089.02	4,33,559.37
iii) उपभवन का वातावरण	10	4,36,044.00	-	-	4,36,044.00	85,218.29	28,268.75	-	1,13,487.04	3,24,284.96	3,52,553.71	69,866.25
iv) अमुलपित्र	10	17,748.90	-	-	17,748.90	918.17	36.12	-	954.29	16,794.61	16,830.73	16,469.58
v) जुनार	10	35,755.75	-	-	35,755.75	2,748.40	108.19	-	2,856.59	32,899.16	33,007.35	31,925.46
vi) एलेक्ट्रिक टाइपराइटर	10	31,642.97	-	-	31,642.97	1,630.76	64.17	-	1,694.92	29,948.04	30,012.20	29,370.49
vii) जिरॉक्स मशीन	10	80,529.61	-	-	80,529.61	47,179.97	3,334.96	-	50,514.93	30,014.68	33,349.64	-
viii) कम्प्यूटर	60	9,43,248.99	55,450.00	-	9,98,698.99	4,85,440.85	10,971.17	-	4,96,412.02	5,02,286.97	4,57,808.14	4,42,547.90
ix) प्रोजेक्टर	10	52,600.00	-	-	52,600.00	20,234.45	3,236.55	-	23,471.00	29,128.99	32,365.54	1,01,335.90
x) चहदीवारी का निर्माण	10	1,01,656.95	-	-	1,01,656.95	11,597.47	456.49	-	12,053.96	89,602.99	90,059.48	85,494.63
xi) संस्था की पुरानी कार्यवाहियों का डिजिटिकरण	60	1,68,786.10	-	-	1,68,786.10	60,524.63	0.61	-	60,525.24	1,08,260.87	1,08,261.48	1,08,260.46
xii) संस्था के प्रदर्शनी बोर्ड का आधुनिकीकरण	10	3,17,425.00	-	-	3,17,425.00	1,20,480.06	12,958.11	-	1,33,438.17	1,83,986.83	1,96,944.94	67,363.86
Xiii) जनसंबोधन प्रणाली	10	84,725.00	-	-	84,725.00	32,860.79	1,293.42	-	34,154.21	50,570.79	51,864.21	38,930.03
xiv) ईमेल	60	13,500.00	-	-	13,500.00	13,499.00	-	-	13,499.00	1.00	1.00	-
xv) कार्यालय की कार	15	7,11,986.00	-	-	7,11,986.00	1,32,868.41	47,215.99	-	1,80,084.40	5,31,901.59	5,79,117.58	2,64,344.30
xvi) वेबसाइट	60	65,900.00	-	-	65,900.00	42,986.13	20.17	-	43,006.30	22,893.70	22,913.87	22,880.26
xvii) लैपटॉप	60	3,57,860.00	-	-	3,57,860.00	3,44,757.80	7,861.32	-	3,52,619.12	5,240.88	13,102.20	-
xviii) सीपस्टेयर	60	5,98,247.00	-	-	5,98,247.00	5,98,246.00	-	-	5,98,246.00	1.00	1.00	-
<b>कुल</b>		<b>73,90,433.06</b>	<b>55,450.00</b>	<b>-</b>	<b>74,45,883.06</b>	<b>33,99,165.62</b>	<b>2,22,242.19</b>	<b>-</b>	<b>36,21,407.81</b>	<b>38,26,203.22</b>	<b>39,92,995.45</b>	<b>21,89,429.63</b>

विवरण	दर	मूल लागत	वृद्धि	बिक्री / समयोजन	मूल लागत	मूल्यहास तक 31-03-18	मूल्यहास वर्ष से संबंधित	समायोजन का समयोजन	कुल मूल्यहास	निवल ब्लॉक 31-03-19 को	निवल ब्लॉक 31-03-18 को	मूल्यहास विसंग 31-03-2010 तक
		(₹.)	(₹.)	(₹.)	31-03-2019 तक	31-03-18 तक	वर्ष से संबंधित	का समयोजन	31-03-19 को	(₹.)	(₹.)	(₹.)
7) राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के अनावर्ती अमुदान सं संबंधी	60	2,86,825.00	-	-	2,86,825.00	13,262.61	0.13	-	13,262.74	2,73,562.26	2,73,562.39	2,73,562.17
	60	50,500.00	-	-	50,500.00	2,356.09	0.02	-	2,356.11	48,143.89	48,143.91	48,143.87
	10	52,190.00	-	-	52,190.00	19,725.22	776.33	-	20,501.55	31,688.45	32,464.78	24,701.39
<b>कुल</b>		<b>3,89,515.00</b>	-	-	<b>3,89,515.00</b>	<b>35,343.92</b>	<b>776.50</b>	-	<b>36,120.41</b>	<b>3,53,394.59</b>	<b>3,54,171.09</b>	<b>3,46,407.43</b>
	60	47,79,304.46	-	-	47,79,304.46	8,53,773.43	335.19	-	8,54,108.62	39,25,195.84	39,25,531.03	39,24,972.39
<b>कुल</b>		<b>47,79,304.46</b>	-	-	<b>47,79,304.46</b>	<b>8,53,773.43</b>	<b>335.19</b>	-	<b>8,54,108.62</b>	<b>39,25,195.84</b>	<b>39,25,531.03</b>	<b>39,24,972.39</b>
8) योजनागत तदर्थ निधि अमुदान संबंधी												
मरम्मत एवं नवीनीकरण	100	17,348.60	-	-	17,348.60	17,348.60	-	-	17,348.60	-	-	-
अतिथिगृह का वातायुक्लन	10	52,750.90	-	-	52,750.90	37,852.53	1,489.84	-	39,342.37	13,408.53	14,898.37	-
इलेक्ट्रिकोपियार मशीन	10	22,080.00	-	-	22,080.00	15,843.77	623.62	-	16,467.39	5,612.61	6,236.23	-
<b>कुल</b>		<b>92,179.50</b>	-	-	<b>92,179.50</b>	<b>71,044.90</b>	<b>2,113.46</b>	-	<b>73,158.36</b>	<b>19,021.14</b>	<b>21,134.61</b>	-
9) अनोदित अचल संपति												
फर्नीचर एवं जुनार												
सामान्य	10	8,407.84	-	-	8,407.84	513.76	20.20	-	533.96	7,873.88	7,894.08	7,692.11
पुरस्कालय	10	8,153.95	-	-	8,153.95	5,851.11	230.28	-	6,081.39	2,072.56	2,302.85	-
व्याख्यान कक्ष	10	41,454.45	-	-	41,454.45	29,746.41	1,170.80	-	30,917.21	10,537.24	11,708.04	-
कार्यालय एवं अभिलेख कक्ष	10	23,228.54	-	-	23,228.54	16,668.01	656.05	-	17,324.06	5,904.48	6,560.53	-
अतिथिगृह	10	7,847.20	-	-	7,847.20	5,631.16	221.60	-	5,852.76	1,994.44	2,216.04	-
उपकरण	10	5,95,281.00	56,138.00	585.58	6,50,833.42	1,23,856.28	69,650.98	-	1,93,507.26	4,57,326.16	4,94,625.08	-
<b>कुल</b>		<b>6,84,372.98</b>	<b>56,138.00</b>	<b>585.58</b>	<b>7,39,925.40</b>	<b>1,82,266.73</b>	<b>71,949.92</b>	-	<b>2,54,216.65</b>	<b>4,85,708.75</b>	<b>5,25,306.61</b>	<b>7,692.11</b>

विवरण	दर	मूल लागत 01-04-18 को	वृद्धि	बिक्री / समयोजन	मूल लागत 31-03-2019 तक	मूल्यहास तक 31-03-18	मूल्यहास वर्ष से संबन्धित	समयोजन का समयोजन	कुल मूल्यहास	निवल ब्लॉक 31-03-19 को	निवल ब्लॉक 31-03-18 को	मूल्यहास जिसपर 31-03-2010 तक ध्यान नहीं दिया गया
		(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)
10) आशुतोष मुखर्जी की प्रतिभा	10	1,00,000.00	-	-	1,00,000.00	58,123.22	2,287.68	-	60,410.90	39,589.09	41,876.78	19,000.00
		1,00,000.00	-	-	1,00,000.00	58,123.22	2,287.68	-	60,410.90	39,589.09	41,876.78	19,000.00
11) कार्यालय के स्वचालन के अनुदान से योजना												
i) प्रिंटर सहित कम्प्यूटर	10	3,40,162.00	-	-	3,40,162.00	1,52,179.15	541.00	-	1,52,720.15	1,87,441.85	1,87,982.85	1,82,572.80
ii) फर्नीचर	10	37,110.00	-	-	37,110.00	22,079.86	869.07	-	22,948.93	14,161.07	15,030.14	6,339.45
iii) जनरेटर	10	1,63,844.00	-	-	1,63,844.00	82,038.89	3,228.95	-	85,267.84	78,576.16	81,805.11	49,515.60
iv) जेरॉक्स मशीन	10	1,05,000.00	-	-	1,05,000.00	28,541.53	7,649.01	-	36,190.54	68,812.34	76,461.35	1,32,829.52
v) कैक्स मशीन	10	16,500.00	-	-	16,500.00	7,548.00	297.10	-	7,845.10	8,654.90	8,952.00	5,981.25
vi) लेख एवं सदस्यता के लिए सीपस्टेयर पैकेज	60	74,970.00	-	-	74,970.00	74,967.17	-	-	74,967.17	-	-	-
<b>कुल</b>		<b>7,37,586.00</b>			<b>7,37,586.00</b>	<b>3,67,354.60</b>	<b>12,585.14</b>		<b>3,79,939.73</b>	<b>3,57,646.32</b>	<b>3,70,231.44</b>	<b>3,77,238.62</b>
12) निर्माणधीन भवन												
तीसरे फर्श का निर्माण	10	79,21,163.13	-	-	79,21,163.13	42,14,585.84	3,70,657.73	-	45,85,243.57	33,35,919.55	37,06,577.28	-
निर्माण लिफ्ट	10	33,64,311.00	-	-	33,64,311.00	10,10,215.03	1,37,594.79	-	11,47,809.82	22,16,501.18	23,54,095.97	-
मॉबिल प्लॉक का निर्माण	10	10,000.00	-	-	10,000.00	5,656.02	434.40	-	6,090.42	3,909.58	4,343.98	-
अतिथि गृह नवीनीकरण	10		9,06,946.25	-	9,06,946.25	-	90,694.63	-	90,694.63	8,16,251.63	-	-
<b>कुल</b>		<b>1,12,95,474.13</b>	<b>9,06,946.25</b>		<b>1,22,02,420.38</b>	<b>52,30,456.89</b>	<b>5,99,381.54</b>		<b>58,29,838.43</b>	<b>63,72,581.94</b>	<b>60,65,017.23</b>	
<b>कुलयोग</b>		<b>3,93,58,082.61</b>	<b>10,18,534.25</b>	<b>585.58</b>	<b>4,03,76,031.28</b>	<b>1,21,05,928.83</b>	<b>16,38,041.31</b>		<b>1,37,43,970.10</b>	<b>2,66,33,789.18</b>	<b>2,72,77,082.21</b>	<b>1,16,42,723.58</b>

नोट 5  
गैर – चालू निवेश

	वर्ष समाप्त 31.03.2019 राशि	वर्ष समाप्त 31.03.2018 राशि
	Rs	Rs
<b>सामान्य निधि</b>		
अंतरिम जमा	52,277.09	52,277.09
बैंक में	3,467.64	-
	55,744.73	52,277.09
<b>प्रारक्षित निधि</b>		
अंतरिम जमा	71,96,165.23	67,00,622.22
बैंक में	3,46,483.47	2,37,436.47
	75,42,648.70	69,38,058.69
<b>पेंशन निधि</b>		
अंतरिम जमा	1,39,70,897.15	1,31,12,572.21
बैंक में	38,30,180.00	39,97,964.00
	1,78,01,077.15	1,71,10,536.21
<b>भवन निधि</b>		
अंतरिम जमा	7,63,650.86	7,13,692.39
बैंक में	44,670.93	43,140.93
	8,08,321.79	7,56,833.32
<b>आजीवन सदस्यता निधि</b>		
अंतरिम जमा	7,46,59,412.77	7,02,57,697.38
बैंक में	1,56,27,353.43	88,22,672.13
	9,02,86,766.20	7,90,80,369.51
<b>उपदान निधि</b>		
अंतरिम जमा	97,17,857.41	91,72,453.13
बैंक में	79,97,465.70	83,44,601.70
	1,77,15,323.11	1,75,17,054.83
<b>भवन निर्माण ग्रिम निधि</b>		
अंतरिम जमा	7,78,964.47	7,30,828.37
बैंक में	3,34,318.08	3,22,869.08
	11,13,282.55	10,53,697.45
<b>ISCA संस्था विकास निधि</b>		
अंतरिम जमा	90,53,170.52	89,51,819.63
बैंक में	38,44,708.86	33,11,012.86
	1,28,97,879.38	1,22,62,832.49
<b>ISCA छुट्टी तुलना निधि</b>		
अंतरिम जमा	73,75,837.09	69,46,245.41
बैंक में	58,15,040.00	59,72,823.00
	1,31,90,877.09	1,29,19,068.41
<b>ISCA आशुतोष मुखर्जी निधि</b>		
अंतरिम जमा	-	-
बैंक में	2,66,550.00	29,68,318.00
	2,66,550.00	29,68,318.00
<b>कुल</b>	<b>16,16,78,470.70</b>	<b>15,06,59,046.00</b>

	वर्ष समाप्त 31.03.2019 राशि	वर्ष समाप्त 31.03.2018 राशि
<b>नोट 6</b>		
<b>लंबी अवधि ऋण और अग्रिम</b>		
अग्रिम - सामान्य	30,48,303.00	11,68,675.00
कर्मचारियों के लिए अग्रिम	-	-
सरकार से प्राप्त अनुदान	-	-
	<b>30,48,303.00</b>	<b>11,68,675.00</b>
<b>नोट 7</b>		
<b>अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियाँ</b>		
हाइड्रेशन लाइन के लिए सुरक्षा जमा	3,76,914.51	3,76,914.51
सी. ई. एस. सी. लिमिटेड में सुरक्षा जमा	1,000.00	1,000.00
टेलेक्स के लिए सुरक्षा जमा	10,000.00	10,000.00
सदस्यता प्राप्त	-	4,500.00
	<b>3,87,914.51</b>	<b>3,92,414.51</b>
<b>नोट 8</b>	<b>रु</b>	<b>रु</b>
<b>माल</b>		
मुद्रण कागज का पेपर	1,17,125.19	1,17,125.19
कक्ष: क्षतिग्रस्त का प्रावधान	(69,639.87)	(69,639.87)
	<b>47,485.32</b>	<b>47,485.32</b>
<b>नोट 9</b>		
<b>नगद और नगद समकक्ष</b>		
- नगद	2,000.00	2,000.00
- चालू खाता		
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	24,29,496.28	2,49,10,852.60
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	55,24,867.66	29,61,601.66
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया खाता कार्यकारी सचिव	30,668.00	50,000.00
- चेक शेष	-	46,263.00
- बचत बैंक		
- बैंक के साथ सार्वजनिक सूचना अधिकारी	4,100.00	3,940.00
	<b>79,91,131.94</b>	<b>2,79,74,657.26</b>
<b>नोट 10</b>		
<b>लघु अवधि ऋण और अग्रिम</b>		
त्योहार अग्रिम	32,400.00	36,000.00
	<b>32,400.00</b>	<b>36,000.00</b>
<b>नोट 11</b>		
<b>अन्य मौजूदा संपत्ति</b>		
प्रीपेड खर्च	59,998.00	1,63,717.00
मौजूदा सुविधाओं के सुधार में प्रीपेड उन्नयन	-	-
प्रीपेड बीमा	22,383.00	23,290.00
अग्रिम कर-आयकर अपील	20,36,339.00	20,36,339.00
- सीईएससी लिमिटेड	3,088.00	-
	<b>21,21,808.00</b>	<b>22,23,346.00</b>

आय

नोट-12

	2018-19		2017-2018	
	योजना	गैर - योजना	योजना	गैर - योजना
सरकारी अनुदान	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)
	4,48,06,000.00	-	4,48,06,000.00	-
	4,48,06,000.00	-	4,48,06,000.00	-
<b>नोट-13</b>				
अन्य कार्यकलापों से आय				
	योजना	गैर - योजना	योजना	गैर - योजना
	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)
सदस्यता शुल्क प्राप्ति				
घटाएँ: प्रारंभित निधि में अंतरण				
	28,54,361.00		43,98,743.44	
	50,000.00		50,000.00	
	28,04,361.00		43,48,743.44	
जोड़: प्रवेश शुल्क	2,34,200.00		5,22,550.00	
जोड़: आजीवन सदस्यता शुल्क से अंतरण	9,88,000.00		12,59,571.00	
	40,26,561.00		61,30,864.44	
	34,100.00		9,700.00	
अतिथि गृह आवास प्रभार				
संस्था व्याख्यान कक्ष से संबंधित सेवा				
हॉल (नेट)		96,900.00		57,500.00
डाक व्यय	50,691.00			14,450.00
विविध आय		7,79,466.34		93,331.00
प्रकाशित ग्रंथों की बिक्री				11,260.00
निविदा कागजात की योजना बिक्री				6,200.00
जर्नल शुल्क ( गैर सदस्य)	26,750.00		42,400.00	
ब्याज आय (प्रोद्भूत)				
सामान्य निधि		3,467.64		3,190.59
भवन निधि		51,488.47		48,239.16
उपदान निधि		8,37,033.28		8,23,484.52
भवन निर्माण अग्रिम निधि		59,585.10		56,491.47
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विकास निधि		6,35,046.89		6,49,894.46
आजीवन सदस्यता शुल्क		48,46,128.39		45,70,827.87
पेंशन निधि		9,97,520.94		7,74,977.00
योजना निर्माण निधि		5,04,590.01		5,37,775.45
जन्मसूचना अधिकारी निधि		160.00		-
छुट्टी तुलना निधि		6,38,936.68		6,74,701.43
	77,441.00	1,35,10,984.74	42,400.00	1,44,62,887.39
	-	85,73,957.40	-	81,39,581.95
	77,441.00	49,37,027.34	42,400.00	63,23,305.44
कम : निधि स्थानांतरण ( ब्याज उपार्जित लेकिन देय नहीं)				
		50,14,468.34		63,65,705.44

## व्यय

## अनुसूची - 14

## वैज्ञानिक कार्यकलापों और पुरस्कार पर खर्चें

	2018-19		2017-2018			
	योजना (₹.)	गैर - योजना (₹.)	कुल (₹.)	योजना (₹.)	गैर - योजना (₹.)	कुल (₹.)
सत्रीय व्यय	9,478.00	-	9,478.00	27,305.00	-	27,305.00
यात्रा व्यय	55,78,938.00	-	55,78,938.00	65,32,669.00	-	65,32,669.00
बैठक फीस	11,60,100.00	-	11,60,100.00	15,30,000.00	-	15,30,000.00
संस्था की शाखाएँ	45,79,607.00	-	45,79,607.00	51,67,833.00	-	51,67,833.00
संगोष्ठी, परिसंवाद, वाद - विवाद एवं व्याख्यान	39,40,000.00	-	39,40,000.00	38,52,826.00	-	38,52,826.00
संस्था के प्लेटिनम जयंती व्याख्यान से संबंधित मानदेय	1,20,000.00	-	1,20,000.00	90,000.00	-	90,000.00
पंडित जवाहर लाल नेहरू जन्मशतवार्षिकी अवार्ड	-	-	-	-	-	-
पंडित जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार	-	-	-	-	-	-
पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार	85,000.00	-	85,000.00	95,000.00	-	95,000.00
स्वर्ण पदकों एवं बिल्लों की लागत	6,15,700.00	-	6,15,700.00	2,08,000.00	-	2,08,000.00
सदस्यता शुल्क	-	-	-	-	-	-
पत्रिकाओं के लिए बिल्डिंग शुल्क	-	-	-	-	-	-
101 वॉ विज्ञान कांग्रेस	-	-	-	-	-	-
युवा वैज्ञानिक	-	-	-	-	-	-
पुरस्कार	3,50,000.00	-	3,50,000.00	3,50,000.00	-	3,50,000.00
यात्रा व्यय	1,74,261.00	-	1,74,261.00	2,32,644.00	-	2,32,644.00
प्रकाशन	-	-	-	-	-	-
लेखन सामग्री	-	-	-	-	-	-
विज्ञापन	15,000.00	-	15,000.00	30,000.00	-	30,000.00
आकस्मिक व्यय	10,500.00	-	10,500.00	11,000.00	-	11,000.00
विदेश में बैठकों में भाग लेने वाले प्रतिनिधि मण्डल से संबंधित व्यय	-	-	-	-	-	-
कागज की स्क्रीनिंग और मूल्यांकन	85,000.00	-	85,000.00	85,000.00	-	85,000.00
प्रदर्शनी	-	-	-	-	-	-
	1,67,23,584.00	-	1,67,23,584.00	1,82,12,277.00	-	1,82,12,277.00

## 2018-19

## 2017-18

	2018-19		2017-18			
	योजना (₹.)	गैर - योजना (₹.)	कुल (₹.)	योजना (₹.)	गैर - योजना (₹.)	कुल (₹.)
अनुसूची-15	-	2,09,576.10	2,09,576.10	-	91,224.00	91,224.00
अन्य व्यय	-	95,718.00	95,718.00	-	69,462.00	69,462.00
दर्भाष प्रभार	-	889.00	889.00	-	2,310.00	2,310.00
परिवहन प्रभार	-	16,31,030.00	16,31,030.00	-	16,24,407.00	16,24,407.00
नगरपालिका कर	-	29,500.00	29,500.00	-	35,400.00	35,400.00
सुरक्षा गार्ड पर व्यय	-	4,81,142.00	4,81,142.00	-	4,93,398.00	4,93,398.00
लेखा परीक्षा शुल्क	-	-	-	-	-	-
सफाई एवं भवन अनुरक्षण	-	-	-	-	-	-

महाधक्ष के लिए डाक एवं लेखन - सामग्री पर व्यय	1,58,687.00	1,58,687.00	2,12,000.00	-	2,12,000.00
विज्ञापन	1,75,813.00	1,75,813.00	93,846.00	-	93,846.00
विद्युत शुल्क	6,43,599.00	6,43,599.00	6,53,817.00	-	6,53,817.00
विद्यमान सुविधा का उन्नयन एवं उसमें सुधार	5,27,237.52	5,27,237.52	3,18,180.00	-	3,18,180.00
साधारण प्रकाशन	14,98,336.30	14,98,336.30	19,76,271.00	-	19,76,271.00
अतिथि गृह व्यय		45,840.00	-	2,26,486.00	2,26,486.00
बीमा		39,317.00	-	40,500.00	40,500.00
बैंक प्रभार		18,520.94	-	13,129.68	13,129.68
ए. सी. संयंत्र का प्रचालन एवं अनुरक्षण		1,20,360.00	-	1,09,820.00	1,09,820.00
अचल सम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ और हानि		15,785.58	-	-	-
कागज का क्षति प्रस्त स्टॉक		-	-	-	-
<b>अन्य संचालन व्यय</b>					
स्टेशनरी का खर्च	2,33,131.00	-	99,559.00	-	99,559.00
डाक व्यय	48,25,013.00	-	52,80,769.00	-	52,80,769.00
आकस्मिक व्यय	1,99,344.00	-	1,69,887.00	-	1,69,887.00
भवन की मरम्मत और नवीनीकरण	6,13,117.80	-	59,028.00	-	59,028.00
विधि व्यय	1,20,204.00	-	3,15,976.00	-	3,15,976.00
राजभाषा बैठक के लिए आकस्मिक व्यय	53,445.00	-	16,655.00	-	16,655.00
<b>प्रकाशन व्यय</b>					
सत्रीय प्रकाशन	6,92,537.50	-	8,57,933.00	-	8,57,933.00
कार्यवाही के प्रकाशन	6,92,137.50	-	8,57,934.00	-	8,57,934.00
प्रतिक्रियाओं के प्रकाशन	63,37,280.00	-	28,62,861.00	-	28,62,861.00
मुद्रण पेपर की कीमत	26,808.00	-	26,929.56	-	26,929.56
फोकल थीम प्रकाशन	-	-	-	-	-
	1,67,96,690.62	26,87,678.62	1,38,01,645.56	27,06,136.68	1,65,07,782.24

	2018-19		2017-18		कुल (₹.)
	योजना (₹.)	गैर - योजना (₹.)	योजना (₹.)	गैर - योजना (₹.)	
<b>अनुसूची-16</b>					
<b>कर्मचारियों के लाभ व्यय</b>					
स्थापना	5,29,194.00	2,10,88,242.00	4,99,207.00	1,43,04,024.00	1,48,03,231.00
तदर्थ बोनस	-	(5,757.00)	-	-	-
कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के लिए योगदान	-	6,54,632.00	-	4,46,617.00	4,46,617.00
कर्मचारियों के लिए ग्रेजुटी कोष में योगदान	-	-	-	-	-
कर्मचारियों के पेंशन कोष में योगदान	-	45,21,692.00	-	43,31,297.00	43,31,297.00
अवकाश नवदीकरण के लिए योगदान	-	-	-	-	-
छुट्टी यात्रा रियायत	-	1,69,167.00	-	1,84,911.00	1,84,911.00
कर्मचारियों की वर्दी	-	-	-	-	-
बच्चों की प्रतिपूर्ति शिक्षा भत्ता	-	1,87,853.00	-	1,36,757.00	1,36,757.00
	5,29,194.00	2,66,15,829.00	4,99,207.00	1,94,03,606.00	1,99,02,813.00

अनुसूची 1A

निवेश और बैंक के साथ आजीवन सदस्यता शुल्क निधि की मेलमिलाप

आजीवन सदस्यता शुल्क निधि			(रु.)
01.04.2018 का शेष राशि			8,41,18,655.51
जोड़: वर्ष 2018-19 के		(रु.)	
दौरान प्राप्त शुल्क		49,40,000.00	
जोड़: नीचे विस्तृत रूप में			
वर्ष के दौरान ब्याज प्रोद्भूत दिया गया			
	टीडीआर संख्या	(रु.)	
	32399434877	3,00,286.19	
	32654087378	80,432.90	
	33171568280	4,91,469.26	
	33062685839	6,27,146.02	
	33251159345	5,05,978.67	
	33529725604	1,70,474.37	
	30275144311	1,44,481.01	
	10959318622	4,57,245.34	
	34169506239	2,37,534.95	
	10959318633	2,04,065.43	
	37580408810	7,73,180.33	
	34803843458	4,09,420.92	44,01,715.39
बचत बैंक ब्याज			
31-03-2019		4,44,413.00	
			4,44,413.00
			97,86,128.39
			9,39,04,783.90
कम: 20% सदस्यता आय के रूप में ISCA को हस्तांतरित			9,88,000.00
कम: फंड द्वारा किए गए खर्च			1,28,017.70
			1,28,017.70
आजीवन सदस्यता निधि का शेष राशि (अ)			9,27,88,766.20

आजीवन सदस्यता निवेश  
पिछले खाता के मुताबिक शेष राशि  
जोड़: वर्ष के दौरान ब्याज प्रोद्भूत

(रु.)  
7,02,57,697.38

टीडीआर संख्या	(रु.)
32399434877	3,00,286.19
32654087378	80,432.90
33171568280	4,91,469.26
33062685839	6,27,146.02
33251159345	5,05,978.67
33529725604	1,70,474.37
30275144311	1,44,481.01
10959318622	4,57,245.34
34169506239	2,37,534.95
10959318633	2,04,065.43
37580408810	7,73,180.33
34803843458	4,09,420.92
	44,01,715.39
	(आ) 7,46,59,412.77

भारतीय स्टेट बैंक का आजीवन सदस्यता खाता

(रु.) (रु.)  
01-04-2018 का शेष राशि 88,22,672.13  
जोड़: वर्ष के दौरान स्थानांतरण

(पिछले साल बैलेन्स ट्रान्सफर) 25-03-2019 50,38,286.00  
50,38,286.00

जोड़: वर्ष के दौरान दौरान स्थानांतरण  
(वर्तमान साल बैलेन्स ट्रान्सफर) 28.03.2019 14,50,000.00

बचत बैंक ब्याज  
31-03-2019 4,44,413.00

69,32,699.00

1,57,55,371.13

कम: निधि द्वारा किया गया व्यय (1,28,017.70)

1,56,27,353.43 (C)

अ =	आ	+	क
(रु.)	(रु.)		(रु.)
9,27,88,766.20	7,46,59,412.77		1,56,27,353.43

चालू वर्ष में हस्तांतरित करने के लिए व्यय  
वर्तमान साल

25,02,000.00

## भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

### नोट – 17

#### महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखे ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए गए हैं।
2. शुल्क, सरकारी अनुदान और निवेश में ब्याज का आय का विवरण सटीक आधार पर दिया गया है।
3. फरवरी और मार्च महीनों के शुल्क प्राप्ति को अगले वर्ष के पूर्व रसीद शुल्क में लिया गया है।
4. प्राप्ति वर्ष में आजीवन सदस्यता शुल्क के 20% कि आय के रूप में हिसाब में लिया गया है और शेष 80% को आजीवन सदस्यता निधि लेखा में रखा गया है। वित्त समिति कि बैठक 21-09-2013 कि बैठक के निर्णय के अनुसार जिसे कार्यकारिणी समिति में दिनांक 04-10-2013 द्वारा बाद में अनुमोदित किया गया।
5. रु. 25,000 के बदले रु. 50,000 का स्थानांतरण साधारण निधि लेखा से आरक्षित निधि लेखा में वित्त समिति के मतानुसार किया गया जिसकी बैठक 21-09-2013 को हुई थी और जिसे कार्यकारिणी समिति की बैठक ने अनुमोदन 04-03-2013 को दिया गया था।
6. स्थायी परिसंपत्ति तुलना-पत्र में यथामूल्य में कम इस वर्ष हास के लिए केवल लिया गया 2006-07 से प्रभावी है। जर्नल के योजना शुल्क को छोड़कर जो तुलना-पत्र दिखाया गया है वह यथा मूल्य हास की कमी को जो 2010-11 से प्रभावी हुआ है। यथा अचल परिसंपत्तियों में मूल्य हास का अभिकलन किया गया।
7. धन योजना और गैर योजना द्विभाजन के तहत दिया जाता है। योजना व्यय और गैर योजना व्यय के तहत आगे खर्चों को पूंजी, सामान्य और वेतन व्यय में आबंटित किया जाता है।
8. निवेश ज़्यादातर ब्याज के इस अवधि की पैदावार अधिकतम दर के लिए ब्याज के बाद से 39 महीने की अवधि के लिए जिम्मेदार किया गया है।
9. बंदोबस्ती कोष से सावधि जमा में निवेश पर ब्याज नगदी आधार के लिए जिम्मेदार है।
10. गेस्ट हाउस आवास शुल्क और ISCA व्याख्यान के लिए सेवा शुल्क वर्ष के दौरान नगदी आधार के लिए जिम्मेदार किया गया है।

## नोट – 18

### लेखा पर नोट्स

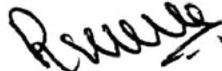
1. 31-03-2019 को समाप्त वर्ष के लिए ग्रेच्युटी प्रावधान नहीं किया गया है। 31-03-2019 को लेखा ग्रेच्युटी पर देयता निर्धारित करने के लिए बीमितिक मूल्यांकन किया जाता है और प्रति मूल्यांकन के रूप में देयता रु. 88.87 लाख है।
2. 31-03-2019 को समाप्त वर्ष के लिए छुट्टी नगदी व्यवस्था नहीं बनाई गई है। 31-03-2019 को छुट्टी के भुगतान के दायित्व को निर्धारित करने के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार देयता रु. 66.61 लाख।
3. 31-03-2019 को समाप्त वर्ष के लिए पेंशन प्रावधान नहीं किया गया है। 31-03-2019 को पेंशन के दायित्व को निर्धारित करने के लिए और 31-03-2019 तक मूल्यांकन के अनुसार देयता के लिए बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है रु. 481.20 लाख तक की सीमा तक है।
4. “जर्नल की योजना” सदस्यता 2008-09 में पंजीकृत होने के बावजूद, 31-03-2019 तक ली मूल्य ह्रास नहीं लिया गया है। हालांकि, चालू वर्ष के दौरान रु. 335.19 को आय और व्यय खाते में मूल्यह्रास के रूप में आरोप लगाया गया है।
5. जैसा कि 1991-92, के बाद से अभ्यास किया गया, ISCA (पैरा 2.3) कि लेखांकन नीति के संदर्भ में रु. 39,52,000 वर्तमान वर्ष के दौरान प्रपट हुई आजीवन सदस्यता में 80% होने के कारण आजीवन सदस्यता निधि में पुनर्जीवित किया गया है। उप-सदस्यता अनुसूची संख्या 1A में दिये गए 31-03-2019 तक आजीवन सदस्यता निधि और निवेश के समाधान को रु. 25,02,000.00 बयान दिया जा रहा है।
6. गैर आवर्ती फंड अनुदान के आबंटन का आधार पूंजीगत संपत्ति के खाते में किए गए वास्तविक व्यय के अनुसार तबादला आर दिया गया।
7. योजना और गैर योजना अनुसार डीसीटी से प्राप्त होते हैं क) सामान्य ख) वेतन और ग) उप प्रमुखों को निर्दिष्ट किए गए बिना पूंजी हालांकि, उपरोक्त तीन प्रमुखों का सुलह बनाया गया है। संस्था भी त्रैमासिक आधार पर डीएसटी को उपयोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत करता है।
8. बैंक से मुआवजे के जमा पर ब्याज से स्रोत कर कटौती आकार बैंक से आवश्यक विवरण कि उपलब्धता के कारण नहीं किया गया है। यह मामला बैंक के साथ उठाया गया है और उचित दस्तावेजों कि उपलब्धता पर आवश्यक कार्यवाही कि जाएगी।
9. रुपये 32,40,302 कि आकार मांग के लिए आकस्मिक देयता ( मूल्यांकन वर्ष 2012-13), जो अपील में है। रुपये 19,450.00 कि आगे कि देनदारी (माँग) निशानों (टीडीएस) में खड़े है।
10. रुपये 19,61,350.00 के सदस्यता आवेदन 2017-18 के दौरान प्राप्त आवेदकों को आधार संख्या का विवरण जमा करने के लिए प्रमाण पत्र दिये गए हैं। और धन वापसी के लिए बैंक विवरण क्रमशः नहीं मिला।

11. पिछले वर्ष के आकड़ों को पुनः समूहबद्ध किया गया है और उन्हें फिर से व्यवस्थित किया गया है जहाँ उन्हें चालू वर्ष के आकड़ों के साथ तुलना करना आवश्यक है।
12. 2017-18 कुल रुपये 83,37,607.00 के दौरान विभिन्न शाखाओं को भेजी गई राशि। विभिन्न उद्देश्यों के लिए खर्चों की प्रकृति और किए गए वास्तविक खर्चों के संबंध में कोई शुल्क नहीं लिया गया। 26 शाखाओं में से 9 शाखाओं में रु. 41,15,000.00 की राशि का उपयोग प्रमाण पत्र नहीं भेज गया है। आगे के शाखाओं ने रु. 7,07,515.00 का उपयोग का प्रमाण पत्र भेजा है पहले के वर्षों का। यह सिफारिश की जाती है कि मानक प्रारूप में अंकेक्षित बैलेन्स शीट, अंकेक्षित आय और व्यय विवरण और अंकेक्षित रसीद और भुगतान खाता सभी शाखाओं से प्राप्त किया जाए। आगे उन शाखाओं को जिन्होंने पहले वर्ष के लिए उपयोग प्रमाणपत्र नहीं भेजा है, उन्हें इस तरह के गैर अनुपालन के वर्ष से प्राप्त किया जाता है।
13. 31-03-2019 तक के अग्रिमों में रुपये 11,05,315.00 का अग्रिम शामिल है। M/S नाथको इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया। उक्त राशि कार्य क्रम से 3206/52B/2017-18 दिनांक 06-02-2018 समय - समय पर प्राधिकरण द्वारा निर्दिष्ट कुछ अतिरिक्त संसोधन के अधीन। लेकिन अग्रिम प्राप्त करने के बाद उक्त रसीद ने काम बंद कर दिया गया है, जिसके लिए पार्टी के वकील को नोटिस दिया गया है।

कृते ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगियों के लिए  
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट  
एफ. आर. एन. 327456ई



ए. सी. ए. अभिजीत सिंह  
भागीदार  
सदस्य संख्या 306958



डॉ. एस. रामकृष्ण  
महासचिव  
(सदस्यता कार्य)



डॉ. शिव सत्य प्रकाश  
कोषाध्यक्ष

स्थान: कोलकाता  
दिनांक: 31-07-2019

## भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

### 31 मार्च 2018 तक प्राभूत निधि का तुलना – पत्र

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (रु.)	पूर्ववर्ती वर्ष (रु.)
<b>देयता</b>			
शेष प्राभूत निधि	19	2,99,96,931.54	2,90,05,948.29
	कुल:	2,99,96,931.54	2,90,05,948.29
<b>संपत्ति एवं परिसंपत्ति</b>			
प्राभूत निवेश	20	2,99,96,931.54	2,90,05,948.29
	कुल:	2,99,96,931.54	2,90,05,948.29

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगियों के लिए  
चार्टर्ड अकाउन्टेंट  
एफ. आर. एन. 327456ई

ए. सी. ए. अभिजीत सिंह  
भागीदार  
सदस्य संख्या 306958

डॉ. एस. रामकृष्ण  
महासचिव  
(सदस्यता कार्य)

डॉ. शिव सत्य प्रकाश  
कोषाध्यक्ष

स्थान: कोलकाता  
दिनांक: 31-07-2019

## भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

31 मार्च 2019 तक प्राभूत निधि का आय एवं व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (₹.)	पूर्ववर्ती वर्ष (₹.)
आय	21	15,80,737	16,75,678
		15,80,737	16,75,678
व्यय	21	5,89,754	3,91,616
		5,89,754	3,91,616
व्यय पर अधिक आय		9,90,983	12,84,062
कम : संबंधित निधि से अंतरण		9,90,983	12,84,062
		-	-

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगियों के लिए  
चार्टर्ड अकाउन्टेंट  
एफ. आर. एन. 327456ई



ए. सी. ए. अभिजीत सिंह  
भागीदार  
सदस्य संख्या 306958



डॉ. एस. रामकृष्ण  
महासचिव  
(सदस्यता कार्य)



डॉ. शिव सत्य प्रकाश  
कोषाध्यक्ष

स्थान: कोलकाता  
दिनांक: 31-07-2019

अनुसूची 19

अक्षयनिधि अधिशेष

विवरण	01-04-2018 का		संबंधित निधि अंतरित		31.03.2019 का	
	अधिशेष (₹.)		अधिशेष(+)/घाटा(-) (₹.)		दान प्राप्त (₹.)	अधिशेष (₹.)
1 बी. सी. गुहा स्मारक निधि	1,89,929.39		9,953.00		-	1,99,882.39
2 जी. पी. चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	8,48,968.38		10,205.00		-	8,59,173.38
3 प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	3,87,247.60		19,241.00		-	4,06,488.60
4 प्रोफेसर के. पी. रोडे : स्मारक व्याख्यान निधि	1,89,653.66		9,750.00		-	1,99,403.66
5 प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	7,26,738.13		24,493.00		-	7,51,231.13
6 राज कृष्ण दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	1,75,932.00		7,870.00		-	1,83,802.00
7 प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	3,69,336.81		10,287.00		-	3,79,623.81
8 डॉ. बी. सी. देव स्मारक पुरस्कार निधि	6,84,932.39		24,983.00		-	7,09,915.39
9 प्रोफेसर आर. सी. शाह स्मारक पुरस्कार निधि	1,67,159.55		(120.00)		-	1,67,039.55
10 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	3,36,870.74		7,769.00		-	3,44,639.74
11 प्रोफेसर एस. के. मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	3,07,380.45		10,976.00		-	3,18,356.45
12 प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	2,12,160.00		11,086.00		-	2,23,246.00
13 प्रोफेसर (श्रीमती) गौरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	3,56,885.15		5,310.00		-	3,62,195.15
14 प्रोफेसर एस. एस. कटियार स्मारक व्याख्यान निधि	7,60,015.00		18,200.00		-	7,78,215.00
15 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	98,35,453.66		4,83,239.00		-	1,03,18,692.66
16 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार निधि	15,12,011.29		69,236.00		-	15,81,247.29
17 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उत्कृष्ट पुरस्कार निधि	35,28,808.00		61,526.00		-	35,90,334.00
18 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी निधि	7,56,411.50		35,273.00		-	7,91,684.50
19 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इन्फोसिस फ़ाउंडेशन यात्रा पुरस्कार निधि	8,18,693.59		(45,959.75)		-	7,72,733.84
20 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक जीवन काल उपलब्धि पुरस्कार निधि	28,42,605.00		1,04,982.00		-	29,47,587.00
21 प्रोफेसर एम. के. सिंघल स्मारक पुरस्कार निधि	13,12,773.00		76,104.00		-	13,88,877.00
22 प्रोफेसर अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	6,54,564.00		15,089.00		-	6,69,653.00
23 प्रोफेसर जे. के. मन्ना स्मारक अवार्ड निधि	7,57,224.00		22,352.00		-	7,79,576.00
24 प्रोफेसर व्ही. के. पूरी स्मारक अवार्ड निधि	7,33,230.00		(115.00)		-	7,33,115.00
25 प्रोफेसर डब्ल्यू.डी. बेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	5,40,965.00		(746.00)		-	5,40,219.00
	2,90,05,948.29		9,90,983.25		-	2,99,96,931.54

## अनुसूची 20

## अक्षयनिधि अधिशेष

विवरण	2018-2019		कुल	2017-2018
	मियादी जमा में	बैंक में		
	(₹.)	(₹.)	(₹.)	(₹.)
1 बी. सी. गुहा स्मारक निधि	1,25,000.00	74,882.39	1,99,882.39	1,89,929.39
2 जी. पी. चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	4,20,000.00	4,39,173.38	8,59,173.38	8,48,968.38
3 प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	2,25,000.00	1,81,488.60	4,06,488.60	3,87,247.60
4 प्रोफेसर के. पी. रोडे : स्मारक व्याख्यान निधि	95,000.00	1,04,403.66	1,99,403.66	1,89,653.66
5 प्राण बोहरा पुरस्कार निधि	4,25,000.00	3,26,231.13	7,51,231.13	7,26,738.13
6 राज कृष्ण दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	1,00,000.00	83,802.00	1,83,802.00	1,75,932.00
7 प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	1,85,000.00	1,94,623.81	3,79,623.81	3,69,336.81
8 डॉ. बी. सी. देव स्मारक पुरस्कार निधि	3,79,955.00	3,29,960.39	7,09,915.39	6,84,932.39
9 प्रोफेसर आर. सी. शाह स्मारक पुरस्कार निधि	1,20,000.00	47,039.55	1,67,039.55	1,67,159.55
10 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	2,30,000.00	1,14,639.74	3,44,639.74	3,36,870.74
11 प्रोफेसर एस. के. मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	1,50,000.00	1,68,356.45	3,18,356.45	3,07,380.45
12 प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	1,00,000.00	1,23,246.00	2,23,246.00	2,12,160.00
13 प्रोफेसर (श्रीमती) गौरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	2,00,000.00	1,62,195.15	3,62,195.15	3,56,885.15
14 प्रोफेसर एस. एस. काटियार स्मारक व्याख्यान निधि	5,00,000.00	2,78,215.00	7,78,215.00	7,60,015.00
15 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	64,00,000.00	39,18,692.66	1,03,18,692.66	98,35,453.66
16 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार निधि	8,00,000.00	7,81,247.29	15,81,247.29	15,12,011.29
17 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उत्कृष्ट पुरस्कार निधि	20,00,000.00	15,90,334.00	35,90,334.00	35,28,808.00
18 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी निधि	3,00,000.00	4,91,684.50	7,91,684.50	7,56,411.50
19 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इन्फोसिस फ़ाइंडेशन यात्रा पुरस्कार निधि	5,00,000.00	2,72,733.84	7,72,733.84	8,18,693.59
20 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक जीवन काल उपलब्धि पुरस्कार निधि	15,00,000.00	14,47,587.00	29,47,587.00	28,42,605.00
21 प्रोफेसर एम. के. सिंघल स्मारक पुरस्कार निधि	10,00,000.00	3,88,877.00	13,88,877.00	13,12,773.00
22 प्रोफेसर अर्चना शर्मा स्मारक अवाई निधि	5,00,000.00	1,69,653.00	6,69,653.00	6,54,564.00
23 प्रोफेसर जे. के. मन्ना स्मारक अवाई निधि	5,00,000.00	2,79,576.00	7,79,576.00	7,57,224.00
24 प्रोफेसर व्ही. के. पूरी स्मारक अवाई निधि	5,00,000.00	2,33,115.00	7,33,115.00	7,33,230.00
25 प्रोफेसर डब्ल्यू.डी. बेस्ट स्मारक अवाई निधि	5,00,000.00	40,219.00	5,40,219.00	5,40,965.00
	1,77,54,955.00	1,22,41,976.54	2,99,96,931.54	2,90,05,948.29

	2018-2019			2017-2018		
	आय (₹.)	व्यय (₹.)	संबंधित निधि अंतरित अधिशेष(+)/ घाटा(-) (₹.)	आय (₹.)	व्यय (₹.)	संबंधित निधि अंतरित अधिशेष(+)/ घाटा(-) (₹.)
1	9,953.00	-	9,953.00	10,944.00	-	10,944.00
2	40,104.00	29,899.00	10,205.00	39,475.00	-	39,475.00
3	23,241.00	4,000.00	19,241.00	19,007.00	4,000.00	15,007.00
4	9,750.00	-	9,750.00	10,069.00	-	10,069.00
5	35,953.00	11,460.00	24,493.00	36,017.00	22,330.00	13,687.00
6	9,930.00	2,060.00	7,870.00	10,137.00	23,065.00	(12,928.00)
7	17,357.00	7,070.00	10,287.00	18,050.00	4,000.00	14,050.00
8	34,103.00	9,120.00	24,983.00	43,125.00	28,886.00	14,239.00
9	9,000.00	9,120.00	(120.00)	9,732.00	28,080.00	(18,348.00)
10	17,769.00	10,000.00	7,769.00	20,494.00	-	20,494.00
11	15,976.00	5,000.00	10,976.00	14,583.00	19,038.00	(4,455.00)
12	11,086.00	-	11,086.00	10,133.00	-	10,133.00
13	18,395.00	13,085.00	5,310.00	18,809.00	22,294.00	(3,485.00)
14	67,594.00	49,394.00	18,200.00	1,19,781.00	33,971.00	85,810.00
15	5,55,996.00	72,757.00	4,83,239.00	5,26,173.00	40,000.00	4,86,173.00
16	69,236.00	-	69,236.00	87,457.00	-	87,457.00
17	1,79,589.00	1,18,063.00	61,526.00	2,07,207.00	1,00,000.00	1,07,207.00
18	35,273.00	-	35,273.00	38,509.00	-	38,509.00
19	37,737.00	83,696.75	(45,959.75)	50,852.00	20,135.80	30,716.20
20	1,57,042.00	52,060.00	1,04,982.00	1,59,042.00	-	1,59,042.00
21	76,104.00	-	76,104.00	72,969.00	-	72,969.00
22	35,342.00	20,253.00	15,089.00	35,616.00	35,816.00	(200.00)
23	38,662.00	16,310.00	22,352.00	37,810.00	-	37,810.00
24	39,841.00	39,956.00	(115.00)	42,789.00	10,000.00	32,789.00
25	35,704.00	36,450.00	(746.00)	36,898.00	-	36,898.00
	15,80,737.00	5,89,753.75	9,90,983.25	16,75,678.00	3,91,615.80	12,84,062.20







## भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक व्यावसायिक संस्था)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार)

14, डॉ. बिदेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700017, भारत